* ओड़िशा संस्करण

www.epaper.azadsipahi.in

12 अगस्त, 2023
सावन, कृष्ण पक्ष, एकादशी
संवत 2080
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

रांची
शनिवार, वर्ष 08, अंक 293

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

कोलंबो पहुंचा चीनी वॉरशिप, इसके सर्विलांस पावर से भारत की चिंताएं बढ़ीं

न्यूज रील्स

यूपी के मानसून सत्र में सदन तीन घंटे योगी बनाम अखिलेश रहा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानमंडल के मानसून सत्र के आखिरी दिन शुक्रवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव के नाम रहा। पहले अपने 1 घंटे 4 मिनट के भाषण में अखिलेश ने सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने गीत का जिक्र करते हुए कहा कि चल संन्यासी मंदिर में। इसके बाद सीएम योगी ने 2 घंटे 34 मिनट तक नॉन स्टॉप विपक्ष के सवालों का जवाब दिया। योगी ने शुरूआत दुष्यंत की लाइन से की। कहा कि तुम्हारे पांव के नीचे कोई जमीन नहीं, कमाल ये है कि फिर भी तुम्हें यकीन नहीं।

पीएम मणिपुर पर हंस-हंसकर बोले, ये शोभा नहीं देता: राहुल

नयी दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मणिपुर को जलाना चाहते हैं, बचाना नहीं। मणिपुर जल रहा है और प्रधानमंत्री हंस-हंसकर बोल रहे थे, ये उनको शोभा नहीं देता। अगर हिंदुस्तान में कहीं हिंसा हो रही है तो उन्हें इस तरह हंस-हंसकर नहीं बोलना चाहिए। राहुल प्रेस कांफ्रेंस में केंद्र सरकार पर जम कर बरसे।

मरीजों के दुर्व्यवहार पर इलाज से इनकार कर सकेंगे डॉक्टर

नयी दिल्ली। डॉक्टरों के खिलाफ हो रही हिंसा की घटनाओं को रोकने के लिए नेशनल मेडिकल कमीशन ने नोटिफिकेशन जारी किया है। इसमें डॉक्टरों की सुरक्षा को लेकर कहा गया कि रजिस्टर्ड मेडिकल प्रैक्टिसनर्स उन मरीजों या रिश्तेदारों का इलाज करने से इनकार कर सकते हैं, जो डॉक्टरों के साथ गाली-गलौज, मारपीट व हिंसा करने पर उतारू हो जाते हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने नवाब मलिक को दो महीने की जमानत दी

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री नवाब मलिक को जमानत दे दी। सेहत खराब होने की वजह से कोर्ट ने उन्हें दो महीने के लिए जमानत पर छोड़ने का आदेश दिया है। ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में नवाब मलिक को फरवरी 2022 में गिरफ्तार किया था, इसके बाद से वे जेल में हैं।

गुजरात हाइकोर्ट ने केजरीवाल की याचिका ठुकरायी

अहमदाबाद। गुजरात हाइकोर्ट ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह द्वारा मानहानि मामले में उनके खिलाफ मुकदमे पर अंतरिम रोक लगाने की याचिका खारिज कर दी। कोर्ट ने दोनों को 11 अगस्त को कोर्ट में पेश होने का आदेश दिया है। दोनों पर प्रदानमंत्री नरेंद्र मोदी की डिग्री से जुड़े मामले में केस दर्ज कराया गया है।

सीएम ने पारदेशीय छात्रवृत्ति योजना के चयनित विद्यार्थियों को किया सम्मानित

प्रतिभावान विद्यार्थी अर्थ के अभाव में पढ़ाई से वंचित ना रहे, यह सरकार का संकल्प : हेमंत

- मुख्यमंत्री ने सीएम फेलोशिप योजना शुरू करने की घोषणा की
- मरङ गोमके जयपाल सिंह मुंडा पारदेशीय छात्रवृत्ति योजना से 25 विद्यार्थियों का विदेश में उच्च शिक्षा ग्रहण करने का सपना होगा साकार
- अनुसूचित जनजाति के 10, अनुसूचित जाति के पांच, पिछड़ा वर्ग के सात और अल्पसंख्यक वर्ग के तीन विद्यार्थी शामिल

हर क्षेत्र को बेहतर और मजबूत बनाने के लिए हो रहा काम

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह बहुत अचरज की बात है कि देश का 42 प्रतिशत खनिज संसाधन झारखंड में उपलब्ध है। फिर भी इसे देश के सबसे पिछड़े राज्यों में गिना जाता है। इतना ही नहीं, प्रकृति ने झारखंड को धरा के अंदर और बाहर से सजाया-संवारा है। फिर भी यहां के लोग गरीब और पिछड़े हैं। आखिर ऐसा क्यों? दरअसल झारखंड को शुरू से ही उपेक्षित करने का प्रयास किया जाता रहा है, जिसका परिणाम यहां के आदिवासी और मूलवासी को भुगतना पड़ रहा है। हमारी सरकार इससे निपटने की पूरी रणनीति तैयार कर आगे बढ़ रही है। उन चीजों को चिन्हित किया जा रहा है, जिस वजह से झारखंड आगे नहीं बढ़ सका। शिक्षा की बेहतरी के लिए प्रयास किये जा रहे हैं। रोजगार के नये अवसर पैदा हो रहे हैं। सामाजिक सुरक्षा को प्रभावी तरीके से लागू किया जा रहा है। हमें पूरा विश्वास है कि वह दिन दूर नहीं, जब झारखंड की पहचान एक विशेष राज्य के रूप में पूरे देश -दुनिया में होगी।

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा है कि अगर आप शिक्षित होंगे, तो आपकी अगली पीढ़ी भी निश्चित तौर पर पढ़ेगी। इसी बात को ध्यान में रखकर शिक्षा समेत सभी क्षेत्रों में नयी शुरुआत कर रहे हैं। इसके तहत कड़ी से कड़ी जोड़कर व्यवस्था को मजबूत और आगे बढ़ाने का काम कर रहे हैं। बच्चों की पढ़ाई के प्रति लगाव और उत्सुकता बनी रहे, इसके लिए कई योजनाएं शुरू की हैं, ताकि, आर्थिक अभाव की वजह से कोई भी प्रतिभावान विद्यार्थी पढ़ाई से वंचित ना रहे। मुख्यमंत्री शुक्रवार को प्रोजेक्ट भवन में आयोजित अभिनंदन समारोह में मरङ गोमके जयपाल सिंह मुंडा पारदेशीय छात्रवृत्ति योजना के लिए चयनित 25 प्रतिभावान विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए बोल रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सीएम फेलोशिप प्रोग्राम शुरू करने की घोषणा की। इस प्रोग्राम के तहत दुनिया के 100 विश्वविद्यालयों में झारखंड के स्कॉलरों को एमफिल और पीएचडी जैसे कोर्स के लिए वित्तीय सहायता सरकार द्वारा प्रदान की जायेगी।

शिक्षा व्यवस्था को बेहतर करने की मुहिम जारी : मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड के आदिवासियों-मूलवासियों में हुनर की कोई कमी नहीं है। लेकिन उचित प्लेटफॉर्म नहीं मिलने से इनकी प्रतिभा गुम हो जाती थी । जब हमारी सरकार बनी, तो हमने इसकी वजहों को जानने का प्रयास किया। इस क्रम में पता चला कि यहां की शिक्षा व्यवस्था एक ताश के पत्ते की तरह है, जो कभी भी धाराशायी हो सकती है। यह हमारे लिए एक बड़ी चुनौती थी, लेकिन हमने इसे स्वीकार किया। शिक्षा के क्षेत्र में रिफॉर्म का सिलसिला शुरू किया। पहले चरण में 80 स्कूल ऑफ एक्सीलेंस खोले गये हैं। मॉडल स्कूल बनाये जा रहे हैं। स्कूलों को संसाधन उपलब्ध कराया जा रहा है। इसका नतीजा है कि आज सरकारी विद्यालयों में बच्चों को बेहतर गुणवत्ता की शिक्षा मिल रही है।

बच्चों की पढ़ाई की जिम्मेवारी सरकार ने ले रखी है : हेमंत सोरेन ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में राज्य सरकार कई योजनाएं चला रही है। हमारा प्रयास है कि बच्चे सिर्फ अपनी पढ़ाई पर ध्यान दें। उनके पठन-पाठन का सारा खर्च सरकार वहन करेगी। आज बच्चों की प्राइमरी शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक का खर्च सरकार दे रही है। इतना ही नहीं, यूपीएससी, जेपीएससी, बैंक और रेलवे जैसी प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी और इंजीनियरिंग, मेडिकल और लॉ जैसे कोर्स करने का खर्च सरकार दे रही है। बच्चों से कहना है कि वे पढ़-लिख कर एक अच्छा मुकाम हासिल करें । उनके मुकाम हासिल होने से झारखंड भी गौरवान्वित महसूस करेगा।

प्रतिभावान बच्चों की पढ़ाई में आर्थिक तंगी नहीं बनेगी बाधा : मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रतिभावान बच्चों की पढ़ाई में आर्थिक तंगी बाधा नहीं बने, इसका सरकार ने संकल्प ले रखा है। झारखंड बोर्ड हो या सीबीएसइ अथवा आइसीएसइ बोर्ड, इनके टॉपरों को सरकार नगद राशि के साथ लैपटॉप दे रही है। इसके अलावा छात्रवृत्ति की राशि बढ़ा दी गयी है। हमारी बच्चियों की पढ़ाई बाधित नहीं हो, इसके लिए सावित्रीबाइ फुले योजना चलायी जा रही है।

(पेज 3 भी देखें।)

चाइबासा में पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़

एक जवान शहीद, एक की हालत गंभीर

- एयरलिफ्ट कर लाया गया रांची, घायल जवान मेडिका में भर्ती

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। पश्चिमी सिंहभूम (चाइबासा) जिले में पुलिस और नक्सलियों के बीच शुक्रवार को हुई मुठभेड़ में सीआरपीएफ की 60वीं बटालियन के हेड कांस्टेबल मुन्ना कुमार और सुशांत कुमार घायल हो गये। आनन-फानन में उन्हें हेलीकॉप्टर से रांची ले जाया गया, लेकिन रांची के मेडिका में एक जवान की मौत हो गयी। शहीद जवान सुशांत कुमार को सीने के पास गोली लगी थी। इसके बाद उनको एयरलिफ्ट कर रांची लाया गया। मेडिका में भर्ती कराने के बाद चिकित्सकों ने उनको मृत घोषित कर दिया। शहीद सीआरपीएफ जवान सुशांत कुमार ओड़िशा के क्योंझर जिले के आनंदपुर के रहनेवाले थे। बताया जा रहा है कि नक्सलियों के खिलाफ सर्च अभियान के दौरान पुलिस जवानों की मुठभेड़ भाकपा माओवादी संगठन की सेंट्रल कमेटी और एक करोड़ के इनामी नक्सली मिसिर बेसरा दस्ते के साथ हुई। इसमें दो जवानों को गोली लगी। बैकअप टीम ने घायल जवानों को हेलीकॉप्टर से रांची भेजा। मुठभेड़ में सीआरपीएफ कोबरा बटालियन, सीआरपीएफ और झारखंड जगुआर की टीम शामिल थीं। मुठभेड़ के दौरान दोनों ओर से कई राउंड फायरिंग हुई। पुलिस को भारी पड़ता देख नक्सली पीछे हट गये।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने दी श्रद्धांजलि

रांची (आजाद सिपाही)। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सीआरपीएफ कैंप परिसर पहुंचकर नक्सली हमले में शहीद हुए सीआरपीएफ के जवान कांस्टेबल सुशांत कुमार खूंटिया के पार्थिव शरीर पर पुष्पचक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने ईश्वर से शहीद की आत्मा को शांति एवं शोकाकुल परिजनों को दु:ख की इस घड़ी को सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना की। इस मौके पर मुख्य सचिव सुखदेव सिंह समेत अन्य अधिकारी मौजूद थे। उन्होंने ने भी शहीद जवान को श्रद्धांजलि दी।

गरीबों को एक रुपया किलो मिलेगी चने की दाल, कैबिनेट ने दी मंजूरी

- मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में हुई बैठक, 30 प्रस्ताव को मिली मंजूरी
- सात जिलों के पिछड़ा वर्ग के लोगों को इडब्ल्यूएस कोटे में मिलेगा आरक्षण

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में शुक्रवार को कैबिनेट की बैठक हुई। बैठक में जहां गरीबों के हित में निर्णय लिये गये, वहीं युवाओं को भी राहत देने के फैसले पर मुहर लगी। कैबिनेट ने सभी राशन कार्डधारकों को 1 रुपया प्रति किलो की दर से दाल देने के प्रस्ताव को मंजूरी दी। वहीं, सात जिलों के पिछड़ा वर्ग के लोगों को इडब्ल्यूएस कोटे में आरक्षण देने संबंधित प्रस्ताव को मंजूरी दी गयी। इसके अलावा पथ परिवहन निगम के जो कर्मचारी बिहार से झारखंड आये थे, उन सभी को सरकारी कर्मियों के रूप झारखंड में समायोजित करने के प्रस्ताव समेत 30 प्रस्तावों को कैबिनेट ने मंजूरी दी।

सात जिलों के युवाओं को लाभ : 7 जिलों लोहरदगा, गुमला, सिमडेगा, पश्चिम सिंहभूम, दुमका, लातेहार व खूंटी में जिला स्तरीय पदों में अत्यंत पिछड़ा वर्ग और पिछड़ा वर्ग का आरक्षण अभी शून्य है। इन वर्गों के लोग इडब्ल्यूएस के तहत नियुक्ति के लिए आवेदन दे सकेंगे। इन जिलों में एसटी का आरक्षण सर्वाधिक है, इस वजह से यह निर्णय लिया गया और यह अब इडब्ल्यूएस के 10% आरक्षण में शामिल होगा। इस फैसले से इन सात जिलों के युवाओं को लाभ मिल सकेगा। (शेष पेज 5 पर)

आखिरी दिन गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में बिल पेश किया

मॉब लिंचिंग और नाबालिग से रेप पर मौत की सजा

- आइपीसी-सीआरपीसी और एविडेंस एक्ट बदला जायेगा
- जांच के लिए संसदीय कमेटी के पास भेजे जायेंगे बिल

नये बिलों से क्या बदलेगा

- आइपीसी की जगह लेने वाले नये बिल में राजद्रोह के प्रावधानों को पूरी तरह से खत्म कर दिया जायेगा।
- मॉब लिंचिंग और नाबालिगों से रेप के मामलों में मौत की सजा देने का प्रावधान किया जायेगा।
- लोक सेवकों पर मुकदमा चलाने के लिए 120 दिन के भीतर अनुमति देनी होगी।
- दाऊद इब्राहिम जैसे फरार अपराधियों पर उनकी गैर-मौजूदगी में मुकदमा चलाने के लिए प्रावधान लाया गया है।
- जिन सेक्शन में सात साल या उससे ज्यादा की सजा मिलती है, उन मामलों में फोरेंसिक टीम का क्राइम सीन पर जाना जरूरी।
- अलगाववादी गतिविधियों, सशस्त्र विद्रोह, देश की संप्रभुता, एकता या अखंडता को खतरे में डालने वाले अपराधों को लिस्ट किया जायेगा।
- महिलाओं और बच्चों के खिलाफ होने वाले अपराधों पर खास ध्यान दिया जायेगा।
- आतंकी गतिविधियों और संगठित अपराधों को कड़ी सजा के प्रावधान के साथ जोड़ा गया है।
- गलत पहचान बताकर यौन संबंध बनाने वाले को अपराध की श्रेणी में रखा गया है।

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। संसद के मानसून सत्र के आखिरी दिन शुक्रवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में तीन नये बिल पेश किये। इनमें भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 और भारतीय साक्ष्य बिल 2023 बिल शामिल हैं। ये बिल अंग्रेजों के समय के भारतीय दंड विधान (आइपीसी), कोड ऑफ क्रिमिनल प्रोसिजर (सीआरपीसी) और एविडेंस एक्ट की जगह लेंगे। तीनों बिल को जांच के लिए संसदीय कमेटी के पास भेजा जायेगा। इन बिलों में मॉब लिंचिंग और नाबालिग से रेप पर मौत की सजा का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा देशद्रोह से जुड़े मामलों को लेकर भी बदलाव किये गये हैं।

अमित शाह ने तीनों बिल पेश करते हुए कहा कि पुराने कानूनों का फोकस ब्रिटिश प्रशासन को मजबूत बनाना और उसकी सुरक्षा करना था। इनके जरिये लोगों को न्याय नहीं सजा दी जाती थी। 1860 से 2023 तक देश का क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम ब्रिटिश कानूनों के हिसाब से था। नये बिलों का उद्देश्य सजा नहीं, बल्कि न्याय देना है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने पिछले 15 अगस्त को लाल किले की प्राचीर से देश के सामने पांच प्रण रखे थे। उनमें से एक प्रण था कि हम गुलामी की सभी निशानियों को समाप्त कर देंगे। आज मैं जो तीन बिल लेकर आया हूं, वे तीनों विधेयक मोदी जी के लिए गये प्रण में से एक प्रण को पूरा कर रहे हैं।

अधीर रंजन चौधरी के निलंबन पर विपक्षी गठबंधन का मार्च

- राज्यसभा से राघव चड्ढा निलंबित, संजय सिंह का निलंबन बढ़ाया

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। मानसून सत्र के आखिरी दिन शुक्रवार को संसद में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष अधीर रंजन चौधरी को निलंबित कर दिया गया। इसके विरोध में विपक्ष के नेताओं ने दोनों सदनों में हंगामा किया। विपक्षी सांसदों ने लोकसभा की कार्यवाही का बहिष्कार करने का फैसला लिया। बाद में सदन की कार्यवाही को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया। इसके बाद विपक्षी सांसदों ने संसद परिसर में मार्च निकाला। इस प्रदर्शन में सोनिया गांधी, राहुल गांधी समेत सभी विपक्षी सांसद शामिल हुए।

उधर, राज्यसभा में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष अधीर रंजन चौधरी के निलंबन का मुद्दा उठा। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने आप सांसद राघव चड्ढा को निलंबित कर दिया है। सांसद संजय सिंह का निलंबन भी बढ़ा दिया गया है। अधीर रंजन समेत तीनों सांसद विशेषाधिकार समिति की रिपोर्ट आने तक निलंबित रहेंगे।

राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने विपक्षी सदस्यों के निलंबन का मुद्दा उठाया। हाथ जोड़ते हुए सभापति जगदीप धनखड़ से कहा कि प्लीज मेरा माइक बंद न करें। दरअसल, जैसे ही खड़गे बोलने के लिए उठे, सभापति उन्हें रोकने लगे। खड़गे ने कहा कि हम तो इसमें विश्वास रखते हैं कि कल करने का है, तो आज करो। आज करने का है, तो अभी करो। पल में प्रलय होगा, फिर करोगे कब। सर, डिबेट में छोटी-मोटी बात होती रहती है। जब एक-दूसरे के विषय में कहते हैं, अगर वह अनपार्लियामेंट्री है, किसी को दुखी करता है, तो उसे आप कह सकते हैं कि ये अनपार्लियामेंट्री है। ये ठीक नहीं है। लेकिन लोकसभा में हमारे अधीर रंजन चौधरी साहब को निलंबित किया गया। वह बेहद हल्का मामला था। उन्होंने इतना ही बोला 'नीरव मोदी'। नीरव मतलब शांत। साइलेंट। वो नीरव मोदी बोले। इसलिए आप उसे सस्पेंड करते हैं।

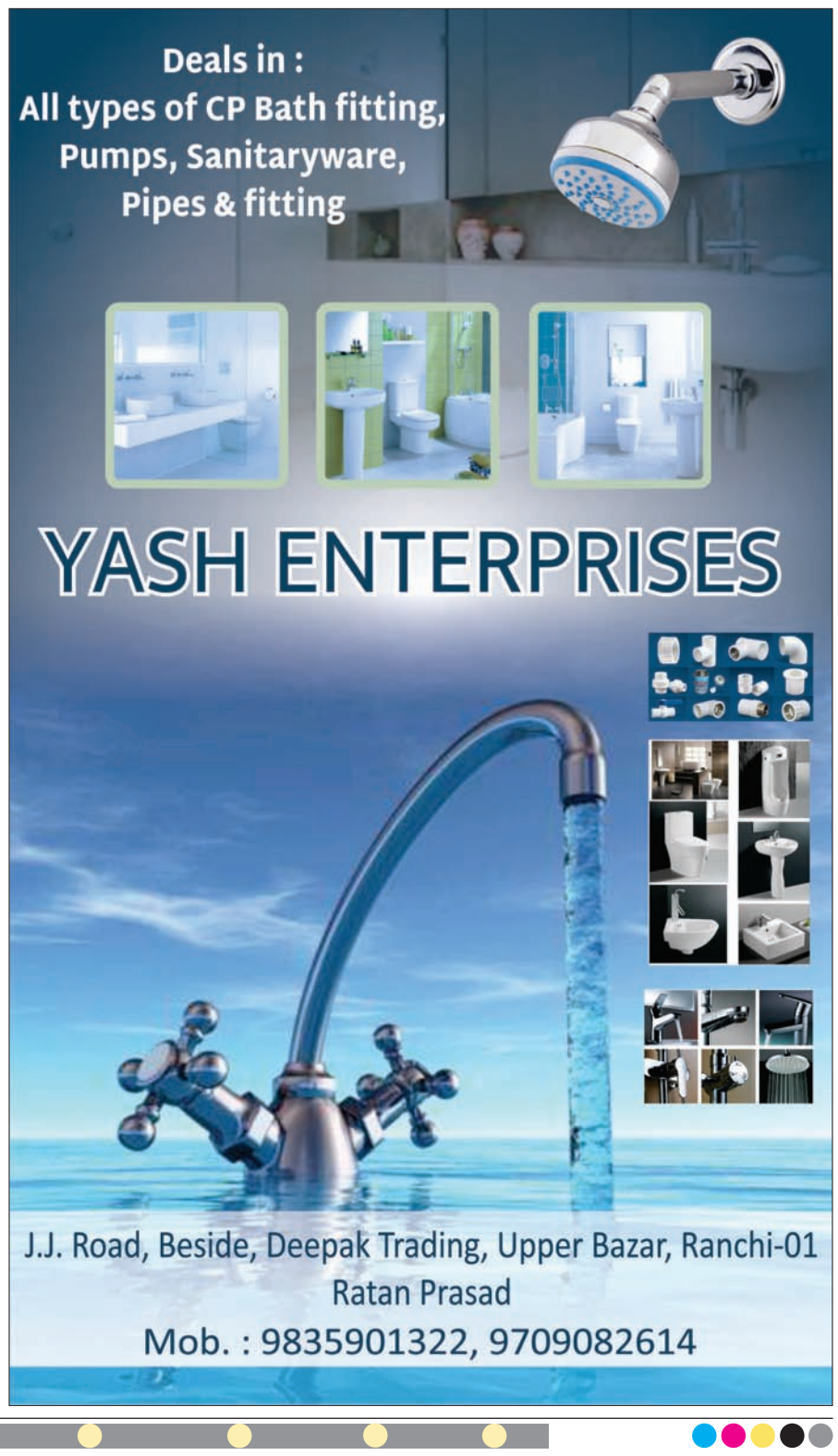

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
189200 Subscribers
VIEWERSHIP 3 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
1 Channel
Subscribe NOW

सर्राफा
सोना (बिक्री) 55,800 रु./10 ग्राम
चांदी 72,000 रु./प्रति किलो

आजाद सिपाही
रांची, शनिवार, 12 अगस्त, 2023
www.azadsipahi.in
02

कच्छतीवू द्वीप, जिसके जिक्र ने लोकसभा में कांग्रेस को बुरी तरह घेर लिया

■ इंदिरा गांधी ने 1976 में इसे श्रीलंका को सौंप दिया था

■ इस प्रक्रिया को भारत का तीसरा विभाजन माना जाता है

आजाद सिपाही विशेष

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी सरकार के खिलाफ लाये गये अविश्वास प्रस्ताव का जवाब देते हुए 10 अगस्त को विपक्ष पर करारा हमला बोला। अपने भाषण के दौरान कांग्रेस को घेरने के लिए उन्होंने कई मुद्दे उठाये, कई घटनाओं का जिक्र किया, लेकिन इनमें से जिस एक मुद्दे ने पूरे देश का ध्यान खींचा है, वह है कच्छतीवू द्वीप, जिसके जिक्र ने कांग्रेस समेत पूरे विपक्ष को कटघरे में खड़ा कर दिया। पीएम मोदी द्वारा कच्छतीवू द्वीप का जिक्र किये जाने के बाद से ही लोगों के मन में यह सवाल उठने लगा है कि आखिर क्या है यह कच्छतीवू द्वीप का मामला, जिसके जिक्र ने कांग्रेस समेत पूरे विपक्ष को पीएम मोदी के भाषण के दौरान लोकसभा से वाकआउट करने पर मजबूर कर दिया। पीएम मोदी ने कांग्रेस की ओर इशारा करते हुए कहा कि जो लोग बाहर गये हैं, उनसे जरा पूछिये कि कच्छतीवू क्या है और यह कहां स्थित है? यह एक द्वीप है, लेकिन इसे दूसरे देश को किसने दे दिया। क्या यह मां भारती का हिस्सा नहीं था? यह इंदिरा गांधी के नेतृत्व में हुआ था। अब यह जानना बेहद जरूरी है कि भारत के तीसरे विभाजन के रूप में चर्चित भारत-श्रीलंका समुद्री समझौते के तहत कच्छतीवू द्वीप को 1976 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने किस मजबूरी में श्रीलंका को सौंप दिया था। भारत का पहला विभाजन 1947 में पाकिस्तान के रूप में हुआ, जबकि दूसरा विभाजन 1962 में चीन के साथ युद्धविराम समझौते के रूप में हुआ। इसलिए कच्छतीवू को भारत का तीसरा विभाजन कहा जाता है। यह जानना भी दिलचस्प है कि इस कच्छतीवू द्वीप का इतिहास और भूगोल क्या है। कच्छतीवू द्वीप के इतिहास, भूगोल और इस पूरे मुद्दे की परतें खोल रहे हैं आजाद सिपाही के **विशेष संवाददाता राकेश सिंह।**

राकेश सिंह

केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार के खिलाफ संसद में विपक्षी गठबंधन के अविश्वास प्रस्ताव पर हुई बहस पर अपने जवाब के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कच्छतीवू द्वीप का जिक्र करते हुए कांग्रेस पार्टी को बुरी तरह घेर लिया। अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा में भाग लेते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अविश्वास प्रस्ताव पर मणिपुर में भारत माता और हिंदुस्तान की हत्या होने की बात कही थी। इसके बाद गुरुवार को पीएम मोदी ने संसद में राहुल गांधी के आरोपों का जवाब देते हुए कहा कि कांग्रेस का इतिहास ही मां भारती को छिन्न-भिन्न करने का रहा है। पीएम द्वारा इतना कहने के साथ ही विपक्ष सदन से वाकआउट कर गया। इसके बाद पीएम मोदी ने कहा, ये जो बाहर गये हैं न, कोई पूछे इनसे कि कच्छतीवू क्या है। इतनी बड़ी बातें करते हैं न। पूछिये कि कच्छतीवू कहां है। इतनी बड़ी-बड़ी बातें कर देश को गुमराह करने का प्रयास करते हैं। पीएम मोदी ने कहा कि डीएमके वाले, उनकी सरकार, उनके मुख्यमंत्री मुझे चिट्ठी लिखते हैं कि मोदी जी कच्छतीवू वापस ले आइये। यह कच्छतीवू है कहां। तमिलनाडु से आगे। श्रीलंका से पहले एक टापू किसने किसी दूसरे देश को दे दिया था। कब दिया था। क्या यह भारत माता नहीं थी वहां। क्या वह मां भारती का अंग नहीं था। इसे भी आपने तोड़ा। कौन था उस समय? श्रीमती इंदिरा गांधी के नेतृत्व में हुआ था। कांग्रेस का इतिहास मां भारती को छिन्न-भिन्न करने का रहा है।

मोदी ने कच्छतीवू द्वीप का नाम लेकर कांग्रेस को कटघरे में खड़ा कर दिया

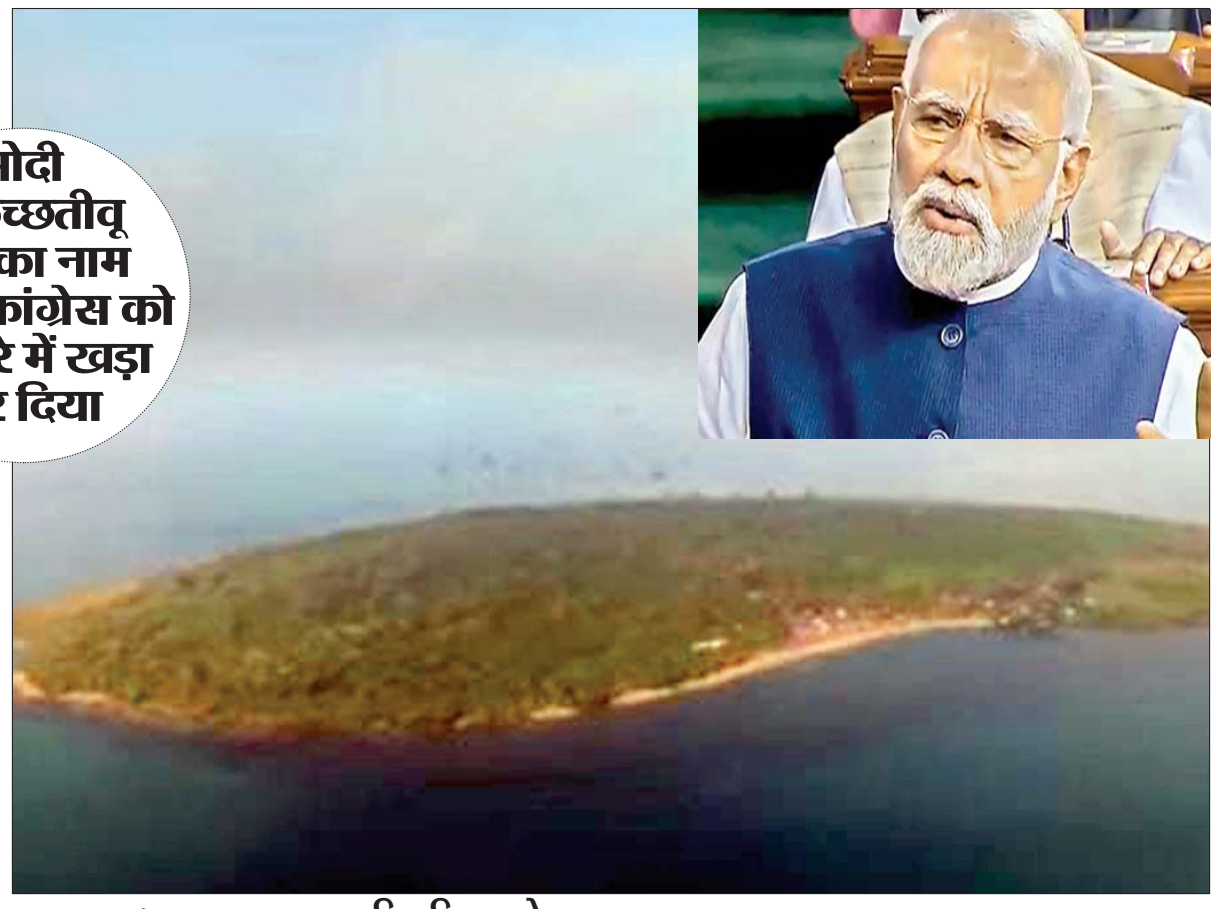

कच्छतीवू द्वीप का इतिहास और भूगोल

कच्छतीवू भारत के रामेश्वरम और श्रीलंका की मुख्य भूमि के बीच एक छोटा सा द्वीप है। इस द्वीप को वापस लेने के लिए लगातार मांगें उठती रहती हैं। कुछ लोग यह भी कहते हैं कि भारत ने इस द्वीप को सरेंडर कर दिया था। कच्छतीवू द्वीप का निर्माण 14वीं शताब्दी में ज्वालामुखी विस्फोट के कारण हुआ था। श्रीलंका के उत्तरी तट और भारत के दक्षिण-पूर्वी तट के बीच पाक जल डमरू मध्य क्षेत्र है। इस जल डमरू मध्य का नाम रॉबर्ट पाल्क के नाम पर रखा गया था, जो 1755 से 1763 तक मद्रास प्रांत के गवर्नर थे। पाक जल डमरू मध्य को समुद्र नहीं कहा जा सकता। मूंगे की चट्टानों और रेतीली चट्टानों की प्रचुरता के कारण बड़े जहाज इस क्षेत्र से नहीं जा सकते। कच्छतीवू द्वीप इसी पाक जल डमरू मध्य में स्थित है। यह भारत के रामेश्वरम से 12 मील और जाफना के नेदुंडी से 10.5 मील दूर है। इसका क्षेत्रफल लगभग 285 एकड़ है। इसकी अधिकतम चौड़ाई तीन सौ मीटर है। सेंट एंटनी चर्च भी इसी निर्जन द्वीप पर स्थित है। हर साल फरवरी-मार्च के महीने में यहां एक सप्ताह तक पूजा-अर्चना होती है। 1983 में श्रीलंका के गृह युद्ध के दौरान यह पूजा-अर्चना बाधित हो गयी थी। 20वीं सदी की शुरुआत में रामनाथपुरम के सीनिकुप्पन पदयाची ने यहां एक मंदिर का निर्माण कराया था और थंगाची मठ के एक पुजारी इस मंदिर में पूजा करते थे। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान अंग्रेजों ने इस द्वीप पर कब्जा कर लिया।

सामरिक लिहाज से अहम है कच्छतीवू द्वीप

कच्छतीवू बंगाल की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ता है। यह द्वीप सामरिक महत्व का था और इसका उपयोग मछुआरे करते थे। भारत और श्रीलंका के बीच इसे लेकर विवाद रहा है। हालांकि इस द्वीप पर श्रीलंका लगातार दावा जताता रहा। इसी बीच साल 1974 में 26 जून को कोलंबो और 28 जून को दिल्ली में दोनों देशों के बीच इस द्वीप के बारे में बातचीत हुई। इन्हीं दो बैठकों में कुछ शर्तों के साथ इस द्वीप को श्रीलंका को सौंप दिया गया। तब शर्त यह रखी गयी कि भारतीय मछुआरे अपना जाल सुखाने के लिए इस द्वीप का इस्तेमाल कर सकेंगे और द्वीप में बने चर्च में भारत के लोगों को बिना वीजा के जाने की अनुमति होगी। साल 1976 तक भारत इस पर दावा करता था और उस समय यह श्रीलंका के अधीन था। साल 1974 से 1976 की अवधि के बीच तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने श्रीलंका की तत्कालीन राष्ट्रपति सिरीमाओ भंडारनायके के साथ चार सामुद्रिक सीमा समझौते पर दस्तखत किये थे। इन्हीं समझौते के फलस्वरूप कच्छतीवू श्रीलंका के अधीन चला गया। इस समझौते का तमिलनाडु के तत्कालीन मुख्यमंत्री एम करुणानिधि ने तीखा विरोध किया था और यह मांग की थी कि कच्छतीवू को श्रीलंका से वापस लिया जाये।

कच्छतीवू पर केंद्र और तमिलनाडु के बीच विवाद

साल 1991 में तमिलनाडु विधानसभा में एक प्रस्ताव पारित किया गया और कच्छतीवू को वापस भारत में शामिल किये जाने की मांग दोहरायी गयी। कच्छतीवू को लेकर तमिलनाडु और केंद्र सरकार के बीच का विवाद केवल विधानसभा प्रस्तावों तक ही सीमित नहीं रहा। साल 2008 में तत्कालीन मुख्यमंत्री जयललिता ने कच्छतीवू को लेकर केंद्र सरकार को सुप्रीम कोर्ट तक घसीटा। उनकी सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से कच्छतीवू समझौते को निरस्त किये जाने की मांग की। जयललिता सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से श्रीलंका और भारत के बीच हुए उन दो समझौतों को असंवैधानिक ठहराये जाने की मांग की, जिनके तहत कच्छतीवू को तोहफे में दे दिया गया है।

ब्रिटिश हुकूमत के समय क्या स्थिति थी

यह दलील दी जाती रही है कि कच्छतीवू साल 1974 तक भारत का हिस्सा था और यह रामनाथपुरम के राजा की जमींदारी के तहत आता था। रामनाथपुरम के राजा को कच्छतीवू का नियंत्रण 1902 में तत्कालीन भारत सरकार से मिला था। मालगुजारी के रूप में रामनाथपुरम के राजा, जो पेशकश (किराया) भरते थे, उसके हिसाब-किताब में कच्छतीवू द्वीप भी शामिल था। रामनाथपुरम के राजा ने द्वीप के चारों ओर मछली पकड़ने का अधिकार, द्वीप पर मवेशी चराने का अधिकार और अन्य उद्देश्यों के लिए इसका उपयोग करने का अधिकार पट्टे पर दिया था। इससे पहले जुलाई, 1880 में मोहम्मद अब्दुल कादिर मराइकेयर और मुथुचामी पिल्लई और रामनाथपुरम के जिला डिप्टी कलेक्टर एडवर्ड टर्नर के बीच एक पट्टे पर दस्तखत हुए। पट्टे के तहत डाइ के निर्माण के लिए 70 गांवों और 11 द्वीपों से जड़ें इकट्ठा करने का अधिकार दिया गया। उन 11 द्वीपों में से कच्छतीवू द्वीप भी एक था। इसी तरह का एक और पट्टा 1885 में भी बना। साल 1913 में रामनाथपुरम के राजा और भारत सरकार के राज्य सचिव के बीच एक समझौते पर हस्ताक्षर किये गये। इस पट्टे में कच्छतीवू का नाम भी शामिल था। दूसरे शब्दों में कहें, तो भारत और श्रीलंका, दोनों पर शासन करने वाली ब्रिटिश हुकूमत ने कच्छतीवू को भारत के हिस्से के रूप में मान्यता दी, लेकिन इसे श्रीलंका का हिस्सा नहीं माना।

इस तरह कच्छतीवू द्वीप का मामला भारत के विभाजन का ऐसा कलंक है, जिसके बारे में अधिकांश लोगों को नहीं पता है, लेकिन पीएम मोदी ने इसे देशवासियों के सामने लाकर कांग्रेस के सामने बड़ी चुनौती पेश कर दी है।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, हजारीबाग

शुद्धि पत्र

इस कार्यालय के द्वारा आमंत्रित ई–अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या–RDSPL/SD/HZB /15/2023-24 पी0आर0 संख्या 304398 Rural Development(23-24):D में निम्न संशोधन किया जाता है:–

1. अग्रधन की राशि: 397400.00

निविदा की शेष शर्तें यथावत् रहेंगी।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल
हजारीबाग

PR 304539 (Rural Development)23-24*D

चंदन डैम से गोड्डा को पानी मुहैया कराने का मामला

हाइकोर्ट ने बिहार सरकार से पूछा, गाद हटाने के लिए क्या उपाय करेंगे

सांसद निशिकांत दुबे ने दायर की है याचिका

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। बिहार के बांका के चंदन डैम से सिंचाई के लिए झारखंड को पर्याप्त पानी उपलब्ध कराने को लेकर सांसद निशिकांत दुबे की जनहित याचिका की सुनवाई शुक्रवार को झारखंड हाइकोर्ट में हुई। मामले में कोर्ट ने बिहार सरकार को चार सप्ताह में शपथ पत्र दाखिल करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने बिहार सरकार से पूछा है कि चंदन डैम में जो सिल्ट (गाद) जमा हो गया है, उसे हटाने के लिए क्या किया जायेगा। इससे पहले सुनवाई के दौरान प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता दिवाकर उपाध्याय ने कोर्ट को बताया कि चंदन डैम में 75 प्रतिशत गाद भर गया है। इससे इस डैम के पानी की जमा रखने क्षमता मात्र 25 प्रतिशत ही रह गयी है। दरअसल, बिहार सरकार ने चंदन डैम से झारखंड को पानी देने में असमर्थता जतायी है। वहीं झारखंड सरकार का कहना है कि उसे इस डैम से पानी मिलना चाहिए, ताकि गोड्डा में सिंचाई हो सके। प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता दिवाकर उपाध्याय ने पैरवी की। मामले की अगली सुनवाई 15 सितंबर को होगी। हाइकोर्ट के चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्र की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने मामले की सुनवाई की।

बता दें कि पूर्व की सुनवाई में कोर्ट को बताया गया था कि चंदन डैम में छह कैनाल सिस्टम हैं, जिनमें चार कैनाल सिस्टम झारखंड में आते हैं तथा दो बिहार में आते हैं। यह स्ट्रक्चर डैमेज हो चुका है, जिसका रिपेयर करना जरूरी है, ताकि गोड्डा जिला में सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध हो सके। प्रार्थी निशिकांत दुबे ने गोड्डा में सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी के लिए चंदन डैम के कैनाल सिस्टम को रिपेयर करने का आग्रह करते हुए 2016 में जनहित याचिका दाखिल की थी।

टॉफी-टी-शर्ट घोटाला मामले की हाइकोर्ट में सुनवाई

आजाद सिपाही संवाददाता

रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए राज्य सरकार ने मांगा समय

रांची। वर्ष 2016 में तत्कालीन रघुवर दास सरकार के कार्यकाल में राज्य स्थापना दिवस पर टी-शर्ट और टॉफी बांटने से संबंधित पंकज कुमार की जनहित याचिका की सुनवाई शुक्रवार को झारखंड हाइकोर्ट में हुई। मामले में महाधिवक्ता राजीव रंजन ने कोर्ट को बताया कि इस मामले को लेकर एंटी करप्शन ब्यूरो में पीइ (प्रारंभिक जांच) दर्ज की गयी थी। इसकी रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए समय दिया जाये। कोर्ट ने उनके आग्रह को मंजूर करते हुए मामले के अगली सुनवाई की तिथि निर्धारित की। हाइकोर्ट के चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्र की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने मामले की सुनवाई की। प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता राजीव कुमार ने पैरवी की। बता दें कि वर्ष 2016 में स्थापना दिवस समारोह के पहले 13-14 नवंबर को स्कूली बच्चों को बांटने के लिए साढ़े तीन करोड़ की टी-शर्ट और 33 लाख रुपये की टॉफी खरीदी की गयी। उसके अगले दिन ही 15 नवंबर को राज्य भर के 10 हजार स्कूलों में बच्चों के बीच इसका वितरण कर दिया गया। प्रार्थी ने याचिका दाखिल कर इस पर सवाल उठाया है।

झारखण्ड सरकार, गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग

झारखण्ड आन्दोलनकारी चिन्हितीकरण आयोग

53वीं औपबंधिक सूची
जिला :– खूँटी

क्र0	आवेदनकर्त्ता की विवरणी	काण्ड/वाद संख्या	झारखण्ड आन्दोलन के सेनानी पुस्तक में नाम की विवरणी	आन्दोलनकारी होने का संक्षिप्त कारण	गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग, झारखण्ड, रांची के संकल्प संख्या–1938, दिनांक– 20.04.2021 के आलोक में प्रदत्त कंडिका
1.	1. आवेदन क्र0–05/23 2. आवेदक–सुमन मुण्डा 3. पिता–षिबु मुण्डा 4. ग्राम–बरांगो पोस्ट–कुर्से 5. थाना–कर्रा प्रखण्ड–कर्रा 6. लिंग–पुरूष आयु–51 वर्ष 7. पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	नहीं	नहीं	कारण :–वर्ष 1999 की झामुमो पार्टी बैठक पंजी की सत्यापित छायाप्रति में नाम तथा चिन्हित झारखण्ड आन्दोलनकारी पुष्कर के पहचान के आधार पर।	कंडिका 2(ix)
2.	1. आवेदन क्र0–145 2. आवेदक–महादेव मुण्डा 3. पिता–बुधवा मुण्डा 4. ग्राम–कनसीली पोस्ट–लोधमा 5. थाना–कर्रा प्रखण्ड–कर्रा 6. लिंग–पुरूष आयु–53 वर्ष 7. पहचान चिन्ह–बांये पैर में घाव का निषान।	नहीं	नहीं	कारण :–वर्ष 1999 की झामुमो पार्टी बैठक पंजी की सत्यापित छायाप्रति में नाम तथा चिन्हित झारखण्ड आन्दोलनकारी पुष्कर के पहचान के आधार पर।	कंडिका 2(ix)

नोट :– 1. सूची में किसी भी प्रकार की त्रुटि यथा नाम, पिता का नाम, पूरा पता, लिंग, आयु, पहचान चिह्न, केस/वाद सं0, झा0 आंदोलन के सेनानी पुस्तिका, कारण, जेल अवधि आदि में पाये जाने पर दस (10) दिनों के अन्दर आयोग को आपत्ति कर सकते हैं और यदि जेल गये हैं तो उसका प्रमाण पत्र/आश्रित होने पर मृत्यु प्रमाण पत्र उपलब्ध करावें।
2. जिन आवेदकों का चिन्हितीकरण अखबार कतरन/बैठक पंजी/सदस्यता प्रमाण पत्र के आधार पर किया गया है, वे सम्पुटिकरण से पूर्व उक्त कागजात को सक्षम पदाधिकारी से अभिप्रमाणित कर, इसमें नाम होने के आषय का शपथ पत्र अवष्य रूप से उपलब्ध करावें।

(भुवनेश्वर महतो) सदस्य | (नरसिंह मुर्मू) सदस्य | PR 304487 Home (23-24)_D | (दुर्गा उराँव) अध्यक्ष

Office of the Executive Engineer
Drinking Water & Sanitation Division, CHATRA

VERY SHORT TENDER e-Procurement Notice
Tender Reference No. DWSD/CTR/SP/12/2023-24 (1st Call)
DT: 11.08.2023

Sl. No.	Particular	Details
1	Name of Work	Supply of Spare Parts of Deep Well Hand Pump India Mark-II Conforming to IS:9301-1990 with latest amendment (may be read along with 1st amendment IS:15500(Part II) 2004 with latest amendment for spares of India Mark-II respectively) under D.W & S. Division, CHATRA for the year 2023-24
2	Estimated Cost (In Lakh)	17.35966 Lakh
3	B.O.Q Cost (In Rs.)	5000.00
4	Earnest Money (In Rs.)	35000.00
5	Time of Completion	01 Month
6	Date of publication of Tender on Website.	14.08.2023 at 05:00 PM
7	Last Date / Time for receipt of Bid.	21.08.2023 upto 05:00 PM
8	Last Date submission cost of BOQ and EMD (In Hard Copy)	22.08.2023 upto 03:00 PM In the Office of - Executive Engineer, D.W.&S. Division, Chatra
9	Date of Opening of Tender	22.08.2023 at 05:00 PM
10	Name & Address of office inviting tender.	Executive Engineer, Drinking Water & Sanitation Division, CHATRA (Jharkhand)
11	Contact No. of e-Procurement Office	+91-9431325479, +91-9931972161 or 06541-253273
12	Helpline No. of e-Procurement Cell	0651-2480345

- Further details can be seen on website http://jharkhandtenders.gov.in.
- Jharkhand S.S.I Units registered with District Industrial Central/Industrial Area Development authority as well as with NSIC, shall be given B.O.Q free of cost and exempted from deposit of Earnest Money along with tender paper as per Government of Jharkhand Industrial Purchases Police 2014 vide issued Jharkhand Gazette, No. 2963 Dated 20th October 2014.

PR 304461 Drinking Water and Sanitation(23-24).D

Executive Engineer
D.W.&S. Division, CHATRA

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
189200 Subscribers
VIEWERSHIP 3 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
Subscribe NOW

वेदर

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	30.0 °C	23.6 °C
सूर्यास्त (आज)	:	18.25 बजे
सूर्योदय (कल)	:	05.24 बजे

आजाद सिपाही
रांची, शनिवार, 12 अगस्त, 2023
www.azadsipahi.in
03

मरङ गोमके जयपाल सिंह मुंडा पारदेशीय छात्रवृत्ति योजना के लिए सम्मानित होकर विद्यार्थी हुए खुश

हेमंत के नेतृत्व में राज्य हो रहा मजबूत: आलमगीर

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मरङ गोमके जयपाल सिंह मुंडा पारदेशीय छात्रवृत्ति योजना के लिए सम्मानित होकर विद्यार्थी खुश हुए। इस मौके पर ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलाम, कल्याण मंत्री चंपाइ सोरेन, पर्यटन मंत्री मंत्री हफीजुल हसन, मुख्य सचिव सुखदेव सिंह, ब्रिटिश हाइ कमीशन की सुप्रिया चावला ने भी विद्यार्थियों के हौसले को बढ़ाया। ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में ऐसे कई कार्य हो रहे हैं, जो झारखंड को मजबूती प्रदान कर रहा है। यहां लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान के साथ विकास को गति मिल रही है। युवाओं को आगे ले जाने का प्रयास लगातार जारी है।

अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक, पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री चंपाई सोरेन ने कहां की समाज और राज्य के आगे बढ़ने की बुनियाद है शिक्षा। इसी बात को ध्यान में रखकर सरकार शिक्षा की बेहतरीन के लिए कार्य कर रही है। इसी कड़ी में स्कूल आफ एक्सीलेंस और मॉडल स्कूल बनाये जा रहे हैं। यहां के गरीब विद्यार्थी भी विदेश में उच्च शिक्षा

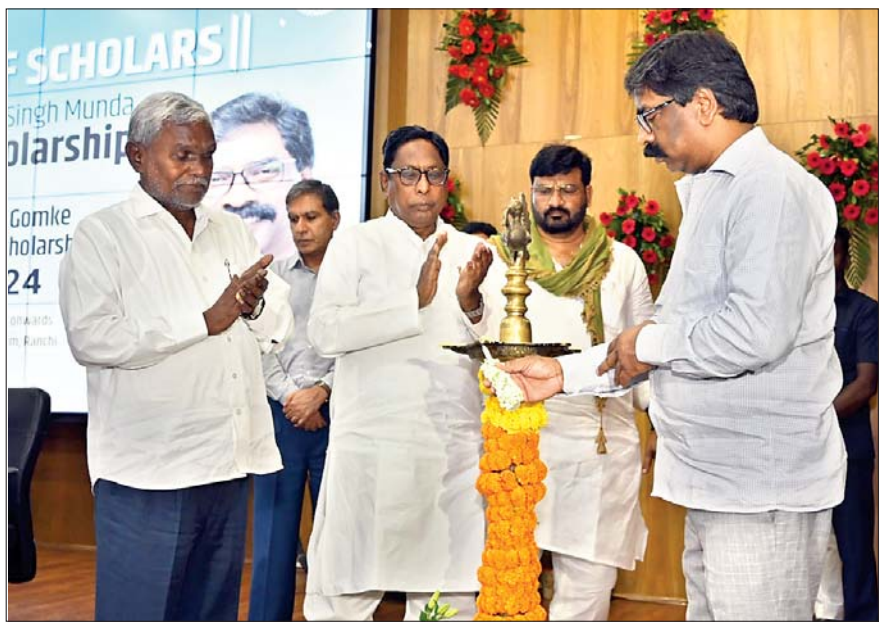

ग्रहण कर सकें, इसके लिए छात्रवृत्ति योजना शुरू की गयी है। पर्यटन मंत्री हफीजुल हसन ने कहा कि राज्य के विद्यार्थियों के बेहतर शिक्षा के लिए सरकार ने कई कदम उठाये हैं। इसी कड़ी में नेतरहाट आवासीय विद्यालय की तर्ज पर सभी प्रमंडल मुख्यालयों में भी एक-एक विद्यालय खोले जाने की तैयारी चल रही है।

मुख्य सचिव सुखदेव सिंह ने कहा कि मरङ गोमके जयपाल सिंह मुंडा पारदेशीय छात्रवृत्ति योजना कोई एक योजना मात्र नहीं है। यह इतिहास बनाने का एक मौका है, क्योंकि जिन अंग्रेजों के खिलाफ हमारे पूर्वजों ने संघर्ष किया है, उन्हीं की धरती पर जाकर आप उच्च शिक्षा ग्रहण कर उनके साथ कंधे से कंधे मिलाकर काम करने जा रहे हैं। यह सब मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की सोच का ही परिणाम है। उन्होंने कहा कि इस योजना के साथ विद्यार्थियों को कोई शर्त नहीं रखी गयी है। आप कहीं भी अपना कार्य करें। आप अगर अच्छा करेंगे, तो उसी में झारखंड का भी नाम रोशन होगा। वहीं, आप इस राज्य की बेहतरी के लिए कार्य करना चाहते हैं, कोई स्टार्टअप शुरू करना चाहते हैं, तो उसमें सरकार आपको पूरा सहयोग करेगी।

दिल्ली स्थित ब्रिटिश हाइ कमीशन की (हेड चेवनिंग स्कॉलरशिप) सुप्रिया चावला ने कहा कि यहां के विद्यार्थियों को यूनाइटेड किंगडम में उच्च शिक्षा ग्रहण करने में हमारी ओर से पूरा सहयोग किया जा रहा है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि आप बेस्ट हैं। अपने पर विश्वास रखें। आप निश्चित तौर पर अपने लक्ष्य को हासिल करने में कामयाब होंगे। आप खुद में बदलाव लायें और दूसरों को में भी बदलाव लाने का कार्य करें। समारोह में कोलकाता की डिप्टी ब्रिटिश हाइ कमीशन अजिता मेनन भी शामिल हुईं।

गौरतलब है कि मरङ गोमके जयपाल सिंह मुंडा पारदेशीय छात्रवृत्ति योजना के तहत 25 प्रतिभावान विद्यार्थियों को विदेश में उच्च शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। इनमें अनुसूचित जनजाति श्रेणी के 10 और अनुसूचित जाति, ओबीसी और अल्पसंख्यक वर्ग के 15 छात्र-छात्राओं का चयन इस वर्ष इस योजना के लिए हुआ है। सभी चयनित विद्यार्थियों को यूनाइटेड किंग्डम और नॉर्दर्न आयरलैंड के प्रतिष्ठित संस्थानों में उच्च स्तरीय शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति मिलेगी। इस योजना की सबसे बड़ी खासियत है कि है कि चयनित विद्यार्थियों के पढ़ाई का शुल्क के साथ साथ रहने-खाने और अन्य जरूरतों का खर्च भी राज्य सरकार वहन करती है। इस योजना की शुरुआत वर्ष 2021 में हुई थी।

इन विद्यार्थियों का हुआ है चयन

मरङ गोमके जयपाल सिंह मुंडा पारदेशीय छात्रवृत्ति योजना के तहत तीसरे बैच (सत्र 2023-24) के लिए अनुसूचित जनजाति के 10, अनुसूचित जाति के पांच, ओबीसी के सात और अब अल्पसंख्यक वर्ग के तीन विद्यार्थियों का चयन विदेशों के विश्वविद्यालय महाविद्यालय में 31 कोर्स के लिए हुआ है।

अनुसूचित जनजातिः कमल शाश्वत, ज्योति वंदना लकड़ा, आयुष स्टीफन टोप्पो, मेरी स्मृति कुजूर, मांगू पूर्ति, प्रफुल्ल किरण केरकेट्टा, जे. नीतू सोरेन, हर्कुलस सिंह मुंडा, मधुमिता मुंडा और स्तुति होरो।

अनुसूचित जातिः निर्भय प्रकाश, श्रवण कुमार, ओमप्रकाश कुमार, निधि बाघवर और अक्षय कुमार।

पिछड़ा वर्ग : अभिषेक कुमार, मनीष कुमार, सूरज कुमार मोदी, प्रेरित राज, जीशान आलम, कुमार प्रीतम पुरी और मल्लिका महतो।

अल्पसंख्यक : हसन अल बन्ना, मोहम्मद जीशान अहमद और फैजान अली।

भाकृअनुप - राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान
कटक-753006 (ओड़िशा), भारत
ICAR-NATIONAL RICE RESEARCH INSTITUTE
CUTTACK-753 006 (ODISHA), INDIA

विज्ञापन संख्या 23/एसआरएफ/2023-24

भाकृअनुप-राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक में "**जलवायु के अनुकूल कृषि पर राष्ट्रीय पहल" (ईएपी-245) परियोजना के लिए एक (01) सीनियर रिसर्च फेलो** के चयन के लिए प्रत्यक्ष साक्षात्कार **दिनांक 23.08.2023** को आयोजित किया जाएगा। आवश्यक योग्यता, आयु, परिलब्धियों की राशि आदि तथा अन्य शर्तों के बारे में जानकारी भाकृअनुप-एनआरआरआई की वेबसाइट **https://icar-nrri.in** पर उपलब्ध है।

Walk-in-Interview will be held on **23.08.2023** for selection of **one (01) Senior Research Fellow** at the ICAR-National Rice Research Institute, Cuttack in the scheme "**National Innovations in Climate Resilient Agriculture" (EAP-245).** The details regarding essential / desirable qualifications, age, amount of emoluments etc. and other terms and conditions are available in ICAR-NRRI website - **https://icar-nrri.in.**

प्रधान अन्वेषक/PRINCIPAL INVESTIGATOR

व्यवसायी विष्णु अग्रवाल की रिमांड अवधि तीन दिन बढ़ी

रांची। जमीन घोटाले मामले में गिरफ्तार न्यूक्लियस मॉल के मालिक और व्यवसायी विष्णु अग्रवाल की रिमांड अवधि समाप्त होने के बाद शुक्रवार को इडी कोर्ट में पेश किया गया। इडी के अधिवक्ता ने फिर विष्णु अग्रवाल से पूछताछ करने की इजाजत मांगी। इसका विष्णु अग्रवाल के अधिवक्ता ने विरोध किया। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद इडी के विशेष न्यायाधीश दिनेश राय की कोर्ट ने विष्णु अग्रवाल को फिर से तीन दिनों के रिमांड की मंजूरी प्रदान की। इससे पहले 7 अगस्त को कोर्ट ने चार दिन और 2 अगस्त को विष्णु अग्रवाल से पूछताछ के लिए इडी ने पांच दिनों की रिमांड दी थी। 31 जुलाई की रात 10:30 बजे इडी ने क्षेत्रीय कार्यालय में विष्णु अग्रवाल से पूछताछ के बाद उन्हें गिरफ्तार किया था।

राशिफल

डॉ एनके बेरा | 9431114351

मेष परिस्थिति में सुधार होगा, नौकरी में परिवर्तन होने की संभावना।

वृष रोजी-रोजगार में सफलता, यशस्वीकार्य करने का अवसर मिलेगा, राजनीतिक लाभ।

मिथुन श्रेष्ठजनों के सहयोग से रुका हुआ काम पूरा होगा, महत्वकांक्षा पूरी होगी।

कर्क व्यक्तित्व का विकास, आत्मविश्वास की वृद्धि, धन-द्रव्य का लाभ, शुभसमाचार की प्राप्ति होगी।

सिंह विविध उलझनों का सामना होगा, नौकरी में उच्चाधिकारियों से वाद-विवाद।

कन्या आर्थिक विकास, पारिवारिक दायित्व पूरे होंगे, पत्नी का परामर्श लाभप्रद सिद्ध होगा।

तुला अत्यधिक कार्यव्यस्तता, नियमित आमदनी में बाधा, परिवार में अशांति का वातावरण।

वृश्चिक चिरसंचित अभिलाषा पूरी होगी, आकस्मिक लाभ, स्वजन-मित्रों का सहयोग मिलेगा।

धनु सुख-साधनों की वृद्धि, आत्मविश्वास में वृद्धि, विद्या-बुद्धि-प्रतिभा का विकास होगा।

मकर सम-सामयिक प्रयास सफल होंगे, सट्टा-लाटरी से लाभ, हर्षदायक समाचार मिलेंगे।

कुंभ महत्वपूर्ण काम सिद्ध होंगे, आरोग्यसुख, दिमागी तनाव दूर होंगे, पारिवारिक जीवन सुखद।

मीन कर्मक्षेत्र में संतोषजनक प्रगति, सम-सामयिक प्रयास सफल होंगे, व्यापार में लाभ।

पांच जिलों के नवनियुक्त लोकपालों को मिला नियुक्ति पत्र

मनरेगा के कार्यों का निरीक्षण, सुनवाई और समाधान करेंगे लोकपाल:आलमगीर

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम ने अपने कार्यालय कक्ष में शुक्रवार को पांच नवनियुक्त लोकपालों को नियुक्ति पत्र दिया। ये लोकपाल गुमला, लोहरदगा, चतरा, सरायकेला खरसावां और जामताड़ा जिले में नियुक्त किये गये हैं। इस मौके पर उन्होंने सभी लोकपालों से मनरेगा के कार्यों का निरीक्षण, सुनवाई और समाधान पारदर्शी तरीके से करने की अपील की। उन्होंने कहा कि पूरी कवायद का मकसद यह है कि योजना का आउटपुट मिले। छोटी-मोटी शिकायतों का ससमय समाधान हो। छोटी-छोटी गड़बड़ियों को ध्यान देकर सुधारें। ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम ने लोकपालों से कहा कि

हितधारकों के प्रति जिम्मेदार रहें : सचिव

ग्रामीण विकास सचिव चंद्रशेखर ने कहा कि लोकपालों की नियुक्ति से मनरेगा के कार्यों में पारदर्शिता आयेगी। उन्होंने कहा कि लोकपालों का दायित्व मनरेगा के तहत हितधारकों के प्रति जवाबदेह, पारदर्शी तंत्र तथा दक्षता में गुणात्मक सुधार करना है। लोकपाल न सिर्फ योजनाओं की मॉनिटरिंग करेंगे, बल्कि शिकायतों का तत्काल समाधान भी करेंगे। योजनाओं की कार्य प्रगति से अनवरत सरकार को अवगत करायेंगे।

वे अपने उत्कृष्ट दायित्व निर्वहन से रोल मॉडल बनें। धैर्यपूर्वक एक जज की तरह समस्या या शिकायतों को सुनें, परखें और निर्णय लें।

पहल : भाजपा प्रदेश कार्यालय में तिरंगा बिक्री केंद्र की शुरुआत

बाबूलाल ने किया 15 अगस्त को घरों में तिरंगा लगाने का आह्वान

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने शुक्रवार को प्रदेश कार्यालय में हर घर तिरंगा अभियान की शुरुआत की। प्रदेश कार्यालय में तिरंगा बिक्री केंद्र का फीता काट कर शुभारंभ किया। मरांडी ने कहा कि भारत ने आजादी का अमृत वर्ष पूर्ण किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एक मजबूत भारत, आत्मनिर्भर भारत की नींव पड़ी है, जिसे अगले 25 वर्षों के अमृत काल में भव्य भारत, आत्मनिर्भर भारत, श्रेष्ठ भारत, एक भारत के संकल्प को पूरा करना है। उन्होंने कहा कि यह संकल्प को सिद्धि में बदलने का समय है। उन्होंने सभी राज्यवासियों से देश के

सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका सुनिश्चित करने का आह्वान किया। साथ ही कहा कि तिरंगा भारत की आन-बान और शान है। उन्होंने सभी से 15 अगस्त को अपने घरों पर तिरंगा लगाने का अनुरोध किया।

निलंबित इंजीनियर वीरेंद्र राम ने दाखिल की जमानत याचिका

रांची। इडी कोर्ट में शुक्रवार को जेल में बंद ग्रामीण विकास विभाग के निलंबित चीफ इंजीनियर वीरेंद्र राम की ओर से जमानत याचिका दाखिल की गयी। वीरेंद्र राम ने अधिवक्ता के माध्यम से अदालत में जमानत याचिका दाखिल की है। इससे पहले वीरेंद्र राम के पिता गेंदा राम और पत्नी राजकुमारी देवी ने अग्रिम जमानत के लिए याचिका दाखिल की थी, जिसे कोर्ट ने खारिज कर दिया था। उल्लेखनीय है कि इडी ने 22 फरवरी को आय से अधिक संपत्ति मामले में इंजीनियर वीरेंद्र राम को गिरफ्तार किया था।

जमीन घोटाले में भी गिरफ्तार किया गया प्रेम प्रकाश, इडी को मिली पांच दिनों की रिमांड

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। रांची जमीन घोटाले में प्रवर्तन निदेशायल ने प्रेम प्रकाश को भी गिरफ्तार किया है। प्रेम प्रकाश जेल में ही बंद है। उसके ऊपर साहिबगंज में अवैध खनन और मनी लांड्रिंग का मामला चल रहा है। अब जमीन घोटाला मामले में भी उसके ऊपर गंभीर आरोप लगे हैं। इडी ने 7 दिन की रिमांड मांगी थी। कोर्ट ने डिमांड पिटीशन पर सुनवाई करने

के बाद पांच दिनों की रिमांड की मंजूर दी है। शनिवार यानी 12 अगस्त से इडी को सौंपने का आदेश दिया गया है। जमीन घोटाला मामले में प्रेम प्रकाश की अहम भूमिका बतायी जा रही है। यह भी बताया जा रहा है कि इस मामले में आरोपियों को वह बहुत लंबे समय से जानता है।

पीएमएलए कोर्ट में प्रोडक्शन वारंट जारी करने की अनुमति मिली : इस मामले में इडी ने न्यूक्लियस मॉल के मालिक और कारोबारी विष्णु अग्रवाल को गिरफ्तार किया था। इसी मामले में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को भी इडी ने पूछताछ के लिए नोटिस भेजा है। चेशायर होम रोड में एक एक-ड़ जमीन की रजिस्ट्री फर्जी डीड के जरिए कराने के मामले में इडी प्रेम प्रकाश को मास्टरमाइंड मानती है। जांच में इडी ने पीएमएलए कोर्ट में प्रेम प्रकाश की गिरफ्तारी के लिए प्रोडक्शन वरांट जारी करने का अनुरोध किया था। तीन दिनों की बहस के बाद पीएमएलए कोर्ट में प्रोडक्शन वारंट जारी करने की अनुमति दी है। इसी वारंट के आधार पर रांची जमीन घोटाले मामले में इडी ने दोबारा शुक्रवार को प्रेम प्रकाश को गिरफ्तार किया।

दक्षिण पूर्व रेलवे-निविदा

भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियंता, दक्षिण पूर्व रेलवे, रांची द्वारा निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। **क्रमांक एवं ई-एनआईटी सं., कार्य का नाम, विज्ञापित मूल्य, ईएमडी:** (1) एसटी-आरएनसी-टी07-पीएच53-23; **दिनांक 10.08.2023;** 1) बड़कीपोना स्टेशन में मौजूदा प्लेटफॉर्म नं. 1 को हाई तक ऊंचा करना एवं विस्तार, 2) रांची मंडल के बड़कीपोना स्टेशन पर फूट ओवर ब्रिज (3.05 मीटर चौड़ा) के निर्माण, 3) बड़कीपोना: बड़कीपोना स्टेशन में अतिरिक्त हाई लेवल प्लेटफॉर्म नं. 2 के निर्माण, 4) मुरी एवं लोहरदगा स्टेशन में उच्च श्रेणी प्रतीक्षालय, लोहरदगा में आरक्षित/वीपी लाउंज तथा टिकट संग्रहक कार्यालय के निर्माण, 5) मुरी : मुरी स्टेशन में 6.10 मी चौड़े फूट ओवर ब्रिज द्वारा स्टेशन के मौजूदा फूट ओवर ब्रिज के प्रतिस्थापन के संबंध में एस एंड टी कार्य का निष्पादन; रु. 75,95,688.99; रु. 1,51,900। (2) एसटी-आरएनसी-पीएच53-टी08-पीआईएस-7लिफ्ट; **दिनांक 10.08.2023;** 1) रांची मंडल: रांची मंडल के एबीएसएस के अधीन चिन्हित पिस्का स्टेशन में 12.0 मी चौड़े फूट ओवर ब्रिज के प्रावधान, 2) पिस्का: मौजूदा ट्रैक को 3 से 4 मी. स्थानांतरित कर पिस्का स्टेशन के मौजूदा हाई लेवल प्लेटफॉर्म के विस्तार साथ में एमईए (प्लेटफॉर्म शेड, पानी के बूथ इत्यादि) के प्रावधान, 3) पिक्साः पिस्का में नए हाई लेवल प्लेटफॉर्म के निर्माण, 4) रांची मंडल में अमृत भारत स्टेशन योजना के अधीन लोहरदगा (एलएडी), रामगढ़ कैण्ट, (आरएमटी), पिस्का (पीआईएस), बालसिरिंग (बीएलआरजी), गोविंदपुर रोड (जीबीएक्स), ओरगा (ओआरजीए), बानो (बीएएनओ) प्रत्येक में दो के हिसाब से 14 अदद लिफ्टों के प्रावधान के संबंध में एसएंडटी कार्यों का निष्पादन; रु. 41,64,502.66; रु. 83,300/-। **निविदा दस्तावेज की कीमतः** दोनों के लिए शून्य। **ई-निविदा बंद होने की तारीख एवं समयः** क्रमांक 1 के लिए 11.09.2023 को पूर्वाह्न 11.00 बजे एवं क्रमांक 2 के लिए 06.09.2023 को पूर्वाह्न 11.00 बजे। **बोली शुरू होने की तारीखः** क्रमांक 1 के लिए 28.08.2023 तथा क्रमांक 2 के लिए 23.09.2023। **वेबसाइट का विवरण तथा ब्यौराः** दोनों के लिए कार्य निविदा के लिए www.ireps.gov.in (PR-495)

राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने बच्चों से संवाद के दौरान कहा

आपको केंद्रीय विद्यालय में पढ़ने का अवसर मिला है, इसका पूरा लाभ उठायें

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। राज्यपाल डॉ सीपी राधाकृष्णन ने केंद्रीय विद्यालय, दीपाटोली में शुक्रवार को बच्चों के साथ संवाद किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि आपको केंद्रीय विद्यालय में पढ़ने का अवसर मिला है, इसका पूरा लाभ उठायें। आपके विद्यालय में अच्छे शिक्षक हैं, बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर है और सारी सुविधाएं मौजूद हैं। उन्होंने अपने बचपन के दिनों को याद करते हुए कहा कि कैसे उनके विद्यालय में खिड़कियां नहीं होने के कारण वर्षा होने पर पुस्तकों के भींगने की संभावना बनी रहती थी और बच्चे एक दीवार की आड़ में खड़े हो जाया करते थे। लेकिन अब स्थितियां बदल चुकी हैं और

राज्यपाल ने आर्मी पब्लिक स्कूल और केंद्रीय विद्यालय के बच्चों की सराहना की

हमारा देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश बनने की दिशा में अग्रसर है।

राज्यपाल ने कहा कि आर्मी पब्लिक स्कूल और केंद्रीय विद्यालय में बच्चों से मिल कर और उनकी प्रतिभा को देख कर मैं आश्वस्त हूं कि आनेवाले समय में भारत सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश होगा। इसके लिए आपको कठिन मेहनत करनी है,

प्रत्येक दिन निर्धारित कार्य को पूरा करना है, अनुशासित रहना है। आप जिस काम को करने बैठें, उस काम को तल्लीनतापूर्वक करें। एक बार सफलता न मिले, तो उसके लिए निराश होने की जरूरत नहीं है। आप दुगुने उत्साह से अपना लक्ष्य निर्धारित कर लगातार प्रयास करते रहें, सफलता अवश्य मिलेगी। इसी क्रम में अब्राहम लिंकन का उन्होंने उदाहरण भी दिया कि कैसे उन्होंने शुरू में कुछ चुनाव हार जाने के बाद भी हतोत्साहित न होते हुए लगातार मेहनत करते हुए लक्ष्य की ओर बढ़ते रहे और अमेरिका के राष्ट्रपति निर्वाचित हुए। लेकिन पद पर आसीन होने से ही लोग बड़े नहीं होते हैं। जब लोग उनके द्वारा किये गये नेक काम को याद करते हैं, तब वह महान बनता है। आज अब्राहम लिंकन को लोग इसलिए याद करते हैं, क्योंकि गुलामी की प्रथा को समाप्त करते हुए उन्होंने मानवता के लिए अभूतपूर्व कार्य किया था।

इस दौरान राज्यपाल ने बच्चों से संवाद करते हुए उनके द्वारा पूछे गये प्रश्नों का उत्तर भी दिया। उन्होंने कहा कि झारखंड में शिक्षा-दर लगातार बढ़ रही है और अगले पांच वर्षों में झारखंड देश का सबसे शिक्षित राज्य हो सकता है। एक अन्य प्रश्न के जवाब में उन्होंने कहा कि हमारे देश का गौरवशाली इतिहास रहा है। राजा राजेंद्र चोल ने विदेशों में भी अपनी विजय पताका फहरायी थी। उन्होंने खेल के संबंध में कहा कि इस क्षेत्र में भी भारत लगातार प्रगति कर रहा है और खिलाड़ियों को अच्छे अवसर प्राप्त हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि तनावग्रस्त होने पर मेडिटेशन करने से ध्यान नहीं भटकता है, बुरे विचार नहीं आते हैं और एकाग्रतापूर्वक कार्य करने में सहायता मिलती है।

इस अवसर पर देशभक्ति से ओत-प्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया गया। राज्यपाल ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले बच्चों की सराहना की और वहां लगायी गयी प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया।

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
189200 Subscribers
VIEWERSHIP 3 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
1 Channel
Subscribe NOW

चिरौंदी में जूस काउंटर संचालक समेत दो की गोली मार कर हत्या

बाइक सवार अपराधियों ने दिया घटना को अंजाम

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। चिरौंदी इलाके में बाइक सवार अपराधियों ने जूस काउंटर संचालक और उसके स्टाफ की गोली मारकर हत्या कर दी है। बताया जा रहा है कि साइंस सिटी सेंटर के पास यह घटना हुई है, जिसमें बाइक सवार अपराधियों ने करीब से दोनों को गोली मारी और मौके से फरार हो गये। इस घटना में जूस काउंटर संचालक की मौके पर ही मौत हो गयी, जबकि उसके स्टाफ ने इलाज के लिए रिम्स ले जाये जाने के दौरान रास्ते में दम तोड़ दिया। गोली चलने से इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया है। मामले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस घटनास्थल पर पहुंच कर जांच में जुटी हुई है। वहीं सिटी एसपी ने बताया कि गोली चलने की जानकारी मिली है, लेकिन यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि किस विवाद को लेकर गोली चली है।

पवन यादव के हत्यारे को त्वरित सजा दिलाये प्रशासन : रघुवर

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रघुवर दास ने कहा कि पवन यादव की हत्या जिहादी मानसिकता वाले मो हमास ने कर दी है और प्रशासन तुष्टीकरण के कारण ढुलमूल रवैया अपना रहा है। मैं इस मामले में फास्ट ट्रैक कोर्ट का गठन कर अपराधियों पर त्वरित कार्रवाई करने की मांग करता हूं। राज्य सरकार पवन यादव के परिजनों को सरकारी नौकरी और 50 लाख रुपये का मुआवजा भी दे। उक्त बातें रघुवर दास ने शुक्रवार को कहीं। उन्होंने कहा कि राज्य में हेमंत सरकार के आने के बाद से जिहादी मानसिकता वाले लोगों का मनोबल काफी बढ़ गया है। गौरतलब है कि रामगढ़ में पिछले दिनों मोहम्मद हमास ने थोड़े से पैसों के लिए अपने जिगरी दोस्त पवन यादव की चाकू से गोद कर हत्या कर दी थी। हत्या के 10 दिन होने के बावजूद अभी तक सभी अपराधियों की गिरफ्तारी नहीं हुई है। मैं यह चेतावनी भी देना चाहता हूं कि पुलिस प्रशासन अपना रवैया सुधारे और हेमंत सरकार की तरह तुष्टीकरण को बढ़ावा न दे। नहीं तो भाजपा इस मामले में चुप नहीं बैठेगी।

झारखंड पासवा का आदिवासी जीवन दर्शन कार्यक्रम आज

शामिल होंगे पासवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सैयद शमायल अहमद

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। पासवा के प्रदेश अध्यक्ष आलोक कुमार दुबे ने बताया कि झारखंड की सभ्यता और संस्कृति के परिचायक यहां के मूलवासी आदिवासी जीवन दर्शन पर 12 अगस्त को न्यू ऑक्सफोर्ड स्कूल, बूढ़ीबागी, कांके रांची में आयोजित होगा। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में पासवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सैयद शमायल अहमद होंगे। इस कार्यक्रम में सम्मिलित होने तथा आदिवासी जीवन दर्शन पर व्याख्यान देने सैयद शमायल अहमद दो दिवसीय झारखंड दौरे पर 12 अगस्त को सेवा विमान द्वारा रांची पहुंचेंगे। इस मौके पर कार्यक्रम आयोजन समिति के संयोजक एवं पासवा के प्रदेश संयुक्त सचिव अल्ताफ अंसारी मौजूद थे।

स्वर्ण रेखा नदी के उद्गम स्थल से पदयात्रा सह जलयात्रा कल

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। 13 अगस्त 2023 (रविवार) को गंगायात्री पीयूष पाठक सैकड़ों श्रद्धालुओं के साथ स्वर्णरेखा नदी के उद्गम स्थल रानीचुआं में गंगा आरती कर पवित्र जल को कलश में भर कर ओम नमः शिवाय का जयकारा लगाते हुए लगभग 20 किलोमीटर की दूरी तक करते हुए रांची पहाड़ी मंदिर में देवाधिदेव महादेव का अभिषेक करेंगे। संध्या 6 बजे बनारस की तरह गंगा आरती के तर्ज पर पहाड़ी मंदिर के मुख्य द्वार पर महादेव का दिव्य आरती करेंगे। आज विकास की अंधी दौड़ में नदियां धीरे-धीरे विलुप्त के कगार पर हैं कई नदियां नाले का रूप ले ली हैं। जिसमें जीवनदायिनी स्वर्णरेखा नदी ज्यादा प्रभावित है।

नयी और पुरानी कंपनी ने वेतन देने पर सहमति जतायी

समझौता हुआ, काम पर लौटे 108 एंबुलेंस सेवा के कर्मचारी

रांची जिले के लिए कुल 30 नयी एंबुलेंस का आवंटन, पहली खेप में जिले को मिली 18 एंबुलेंस

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड की लाइफ लाइन मानी जाने वाली 108 एंबुलेंस सेवा बीते कुछ दिनों से बेपटरी हो गयी थी। पिछले 4 महीना से कर्मचारियों को वेतन नहीं मिला था। जिस कारण विभिन्न जिलों में एंबुलेंस का संचालन ठप कर दिया गया था। वहीं शुक्रवार को पुरानी कंपनी जीकित्जा हेल्थ केयर और नयी कंपनी इएमआरआइ ग्रीन हेल्थ सर्विसेज के अधिकारियों ने कर्मचारियों के साथ वार्ता कर समझौता किया। जिसके बाद कर्मी काम पर लौटे।

दो महीने के वेतन का हुआ भुगतान

रांची जिले में बतौर एंबुलेंस चालक काम कर रहे मुसर्रत ने कहा कि दोनों कंपनी के अधिकारियों ने मिलकर समझौता किया है। इसके तहत बकाया 2 महीने के वेतन का भुगतान कर दिया गया है। वहीं 1 महीने का वेतन शुक्रवार रात तक दे दिया जायेगा। बचे हुए 1 महीने का वेतन एक सप्ताह के अंदर देने का आश्वासन दिया गया है। जिसके बाद हम सभी लोगों ने काम पर लौटने का निर्णय लिया है।

नयी कंपनी इएमआरआइ ग्रीन हेल्थ सर्विसेज के आ जाने के बाद पुरानी कंपनी में काम करने वाले कर्मचारी असमंजस की स्थिति में थे। हालांकि वार्ता के दौरान यह स्पष्ट कर दिया गया है कि सभी पुराने कर्मियों की सेवा नयी कंपनी लेगी। जिसके बाद रांची जिले में एंबुलेंस कर्मियों ने अपनी हड़ताल खत्म करने का फैसला लिया।

रांची जिले को मिली 30 नयी एंबुलेंस

रांची के सिविल सर्जन डॉ प्रभात कुमार ने कहा कि जिले को कुल 30 एंबुलेंस का आवंटन किया गया है। पहली खेप में 18 एंबुलेंस मिली हैं। शनिवार को चार और एंबुलेंस दी जायेगी। बची हुए 8 एंबुलेंस भी विभाग के द्वारा जल्द ही भेज दी जायेगी। रांची जिले को दी गयी एंबुलेंस विभिन्न प्रखंडों और शहरी क्षेत्र (डोरंडा अर्बन हेल्थ सेंटर, रिसालदार बाबा सीएचसी) को आवंटित की जायेगी।

लोकसभा में संजय सेठ के सवाल पर केंद्रीय मंत्री का जवाब

आयुष्मान भारत के तहत सूचीबद्ध हैं झारखंड के 721 अस्पताल

कैंसर से संबंधित 549 उपचार प्रक्रिया इस योजना में है शामिल, विगत 6 वर्षों में 55 करोड़ से अधिक लोग इस योजना से जुड़े

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। आयुष्मान भारत योजना के तहत झारखंड के 721 निजी और सरकारी अस्पताल सूचीबद्ध किये गये हैं, जहां इस क्षेत्र के नागरिकों को विभिन्न प्रकार की स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया करायी जा रही है। इस योजना का उद्देश्य देश की सबसे निचली 40 प्रतिशत आबादी वाले 12 करोड़ परिवारों के 55 करोड़ व्यक्तियों को उपचार उपलब्ध कराना है। इसके लिए प्रति परिवार 5 लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा प्रदान किया जाता है। अब तक 15.5 करोड़ परिवारों के लिए लाभार्थी आधार का विस्तार किया गया है। उक्त आशय की जानकारी केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री एसपी सिंह बघेल ने लोकसभा में दी। लोकसभा में अतारांकित प्रश्नकाल के दौरान सांसद संजय सेठ ने प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत योजना के झारखंड में क्रियान्वयन सहित निजी अस्पतालों को सूचीबद्ध करने से संबंधित सवाल पूछा था। जवाब में केंद्रीय मंत्री ने सदन में संसद को लिखित रूप से बताया कि आयुष्मान भारत जन आरोग्य योजना के अंतर्गत इस परियोजना का संचालन किया जा रहा है। आयुष्मान भारत योजना के तहत अस्पतालों को सूचीबद्ध करने की जिम्मेदारी राज्य की स्वास्थ्य एजेंसियों को सौंपा गया है। केंद्रीय मंत्री ने यह भी बताया कि विगत 6 वित्तीय वर्ष में इस परियोजना के लिए बड़ी राशि जारी की गयी है। 23-24 में अट्ठारह सौ 55 करोड़ रुपये की राशि का उपयोग अब तक हुआ है। केंद्रीय मंत्री ने सदन में यह भी बताया कि इस योजना के तहत सूचीबद्ध कोई भी अस्पताल यदि लाभार्थियों को इलाज से इनकार करते हैं तो इसके परिणाम स्वरूप दंडात्मक कार्रवाई का भी प्रावधान किया गया है। सूचीबद्ध अस्पताल द्वारा उपचार से इनकार करने के मामले में लाभार्थी केंद्रीय शिकायत निवारण प्रबंधन प्रणाली पर शिकायतें दर्ज कर सकते हैं। राष्ट्रीय हेल्पलाइन नंबर 14555 पर ऐसी शिकायतों का त्वरित समाधान किया जाता है। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि झारखंड में 441 निजी अस्पताल और 280 सरकारी अस्पताल इस योजना के तहत सूचीबद्ध हैं। जिसमें रांची के 101 निजी अस्पताल और 32 सरकारी अस्पताल सूचीबद्ध किये गये हैं।

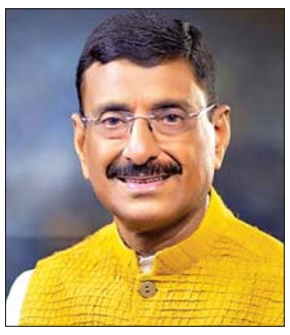

सरला बिरला पब्लिक स्कूल में ग्रैंड पैरेंट्स डे-वात्सल्यम-2023

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। बच्चों के समग्र विकास के लिए सरला बिरला पब्लिक स्कूल ने 11 अगस्त 2023 को ग्रैंड पैरेंट्स डे-वात्सल्यम-2023 मनाया। विद्यालय के केजी-2 के बच्चों ने सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल पर आधारित बहुत ही शानदार कार्यक्रम प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि प्रोफेसर (डॉ.) पंकज कुमार चतुर्वेदी, डीन सह प्राचार्य, छोटानागपुर लॉ कॉलेज, रांची विश्वविद्यालय, रांची उपस्थित हुए। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। इसके बाद विद्यालय के बच्चों द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। केजी 2-इ के छात्रों ने रेनबो ऑफ इक्वलिटी विषय पर प्रस्तुति दी। इस कार्यक्रम में एसडीजी नंबर-5 लैंगिक समानता को दर्शाया गया। इंद्रधनुषी रंग की पोशाक पहने बच्चों ने अपने सुंदर कदमों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके बाद केजी 2-ए के बच्चों ने शेयरिंग इज केयरिंग थीम पर मंत्रमुग्ध कर देने वाला प्रदर्शन किया। बच्चों ने इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी के प्रति उदार होने की आवश्यकता पर बल दिया। केजी 2-डी के छात्रों द्वारा जलवायु संरक्षण विषय पर एक आकर्षक प्रदर्शन किया गया, जिसमें जलवायु परिस्थितियों पर मानवीय क्रियाकलापों के प्रभाव को दर्शाया गया है। केजी 2-सी के नन्हे-मुन्ने बच्चों ने जस्टिस लीग थीम पर नृत्य प्रस्तुत किया, जिसने सभी को थिरकने के लिए प्रेरित किया। इस कार्यक्रम ने एसडीजी-16- शांति, न्याय और मजबूत संस्थानों का संदेश दिया। केजी 2-बी के छात्रों ने वी आर द वर्ल्ड गीत के माध्यम से एकता और अखंडता का संदेश दिया। मुख्य अतिथि प्रोफेसर (डॉ.) पंकज कुमार चतुर्वेदी ने कार्यक्रम की सफलता के लिए प्रबंधन, शिक्षकों और छात्रों द्वारा किये गये प्रयासों की सराहना की। विद्यालय के कार्मिक एवं प्रशासनिक प्रमुख डॉ. प्रदीप वर्मा ने प्रत्येक वर्ष ऐसे प्रासंगिक विषयों पर इस तरह कार्यक्रम के संचालन के लिए छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों के प्रयासों की सराहना की। प्राचार्या परमजीत कौर ने कहा कि बुजुर्ग बच्चों के जीवन में गलतियों को मिटाने वाले इरेजर की तरह होते हैं, इसलिए, बच्चों को उन बड़ों का सम्मान करना सीखना चाहिए।

झरिया के पूर्व विधायक संजीव सिंह रिम्स में भर्ती

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। शुक्रवार को झरिया के पूर्व विधायक संजीव सिंह को पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था के बीच रांची के रिम्स लाया गया। इस दौरान अस्पताल में बड़ी संख्या में उनके समर्थक मौजूद थे। रिम्स भेजे जाने में हो रहे विलंब को लेकर उनकी पत्नी सह भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रागिनी सिंह ने एतराज जताया था। उन्होंने कहा कि पिछले दो दिनों से संजीव सिंह को रिम्स ले जाने की कोशिश की जा रही थी, लेकिन एंबुलेंस नहीं मिलने के कारण उन्हें नहीं भेजा जा सका। उन्होंने संजीव सिंह का इलाज निजी अस्पताल में कराने की भी मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने साजिश के तहत संजीव सिंह को रिम्स भेजा है। बताया जा रहा है कि रिम्स के चिकित्सक यदि संजीव सिंह को किसी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में इलाज कराने की सलाह देते हैं, तो उनको निजी अस्पताल में भर्ती कराया जा सकता है। उल्लेखनीय है कि धनबाद के पूर्व डिप्टी मेयर नीरज सिंह हत्याकांड में आरोपी संजीव सिंह बीते 11 जुलाई को धनबाद मंडल कारा में कुर्सी से गिरने के बाद घायल हो गये थे और उन्हें तत्काल एसएनएमएमसीएच के सीसीयू में भर्ती कराया गया था। संजीव सिंह के इलाज के लिए गठित मेडिकल बोर्ड ने उन्हें रिम्स रेफर किया है।

ट्रैफिक जवानों के बीच रेनकोट और रेनबूट का वितरण किया

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। बरसात के मौसम में शहर के चौक-चौराहों पर यातायात संचालन के लिए तैनात रहने वाले ट्रैफिक जवानों के बीच रेनकोट और रेनबूट का वितरण किया गया। इसके लिए वासुदेव चटर्जी स्मृति फाउंडेशन ने इसकी पहल की है। शुक्रवार को यमुना अपार्टमेंट, अनंतपुर में वासुदेव चटर्जी स्मृति फाउंडेशन के द्वारा रांची ट्रैफिक पुलिस को सम्मानित किया गया। पत्रकार एवं छायाकार बंधुओं के बीच भी रेनकोट का वितरण किया गया।

इस समारोह में वरीय आरक्षी अधीक्षक किशोर कौशल, आरक्षी अधीक्षक शुभांशु जैन, यातायात आरक्षी अधीक्षक हारिस बिन जमां, सहायक पुलिस अधीक्षक हजारीबाग, यातायात उप पुलिस अधीक्षक जितवाहन उरांव और विभिन्न थानों के थाना प्रभारी मौजूद थे। साथ ही पूर्व पार्षद अरुण झा, पप्पू गद्दी, ओम प्रकाश उपस्थित थे। समारोह में वरीय आरक्षी अधीक्षक किशोर कौशल ने संस्था की ओर से किये गये कार्यों की सराहना की और आगे भी इस तरह के सामाजिक कार्यों के करने के लिए प्रोत्साहित किया। समारोह की अध्यक्षता राजीव चटर्जी ने की। इस सामरोह को सफल बनाने में महासचिव पवन कुमार झा, उपाध्यक्ष संजय सहाय, संजीव सिंह, सचिव मिंटू सिंह, देवोजित चटर्जी, सुभोजित डे, साकिब, अश्विनी, चंदन, रिंकू, जैनुल आबेदीन, अकील अख्तर, अनिल, शहजाद, रविंद्र, बरी, पवन एवं अन्य का बहुत ही बड़ा योगदान रहा।

शारदा ग्लोबल स्कूल में स्टीम फेस्ट का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। शारदा ग्लोबल स्कूल ने छात्रों के अंदर निहित प्रतिभा को विकसित करने एवं निखारने के लिए स्टीम फेस्ट का आयोजन किया गया। स्टीम फील्ड के अंतर्गत साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग, आर्ट्स तथा मैथमेटिक्स एवं मैनेजमेंट आते हैं, जो समग्र रूप में छात्रों को अनुसंधान एवं ज्ञान अर्जित करने में सहायक होते हैं। इस फेस्ट में शारदा ग्लोबल के छात्रों ने 'लाइव मॉडल्स, मॉडल्स एवं प्रोजेक्ट्स स्वयं बनाकर अपनी बुद्धिमत्ता एवं दूरदर्शिता का प्रमाण प्रस्तुत किया। विद्यालय के 1023 से अधिक छात्रों ने इस स्टीम फेस्ट में हिस्सा लिया। मुख्य अतिथि रविन्द्र कुमार (सीइओ पीवीयूएनएल पतरातू) एवं दिवाकर द्विवेदी (सीइ, कांके) एवं स्पेशल इनवाइटी नीरज कुमार (पीवीयूएनएल पतरातू) प्राचार्या नीता पांडेय, (प्राचार्या कैंब्रियन पब्लिक स्कूल), मनीषा तिवारी (प्राचार्या विद्या विकास पब्लिक स्कूल) ने इस डिजिटल युग में छात्रों की स्टीम स्किल्स के प्रति जागरूकता, रूचि तथा प्रदर्शित मॉडल्स एवं प्रोजेक्ट्स की प्रशंसा करते हुए कहा कि शारदा ग्लोबल स्कूल के छात्र अद्वितीय बौद्धिक क्षमता से संपन्न हैं। इस स्टीम फेस्ट को क्रियान्वित करने में विद्यालय की डायरेक्टर एकेडमिक्स डॉ. रंजना स्वरूप विद्यालय की प्राचार्या जसमीत कौर विद्यालय प्रबंधन तथा शिक्षकों की प्रेरणा एवं उत्साहवर्धन छात्रों को उत्कृष्ट प्रदर्शन के प्रति प्रेरित करता रहा।

कार्यक्रम की जानकारी दी : श्रीकृष्ण जन्माष्टमी को लेकर तैयारियां शुरू

6 सितंबर को हरमू में दही हांडी फोड़ प्रतियोगिता आयोजित करेगी श्रीकृष्ण जन्माष्टमी आयोजन समिति

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी को लेकर तैयारियां शुरू हो गयीं हैं। इसी क्रम में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी आयोजन समिति हरमू द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी हरमू मैदान में 6 सितंबर को दही हांडी फोड़ प्रतियोगिता आयोजित की जायेगी। शुक्रवार को कार्यक्रम प्रभारी इंद्रजीत यादव ने प्रेस कांफ्रेंस कर बताया कि जन्माष्टमी 6 सितंबर को मनायी जायेगी। भगवान श्री कृष्ण जी के जीवन दर्शन पर आधारित रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से लोगों को उनके जीवन चरित्र के बारे में जानकारी दी जायेगी। कार्यक्रम हरमू मैदान में 6 सितंबर को संध्या में शुरू होगा। दही से भारी हांडी की ऊंचाई पुरुषों के लिए 20 फीट और महिलाओं के लिए 18 फीट होगी। विजेता गोविंदा की टीम को शील्ड के साथ 51000 रुपये दिये जाएंगे। प्रतियोगिता में 20 की संख्या में गोविंदा भाग ले सकते हैं। नशे की हालत में पहुंचने वाली टीम को आयोजन से बाहर कर दिया जायेगा। भाग लेने के इच्छुक उम्मीदवार 9572657488 दिये गये नंबर पर फोन करके संपर्क कर निबंध करा सकते हैं। श्री यादव ने बताया कि प्रतियोगिता के बाद रात 10:00 बजे से भक्ति गीतों का कार्यक्रम होगा। इसमें भोजपुरी के प्रसिद्ध गायक भक्तों को झुमायेंगे। 6 सितंबर को प्रभात फेरी की जायेगी जिसमें क्षेत्र के लोगों को इस कार्यक्रम में भागीदारी के लिए आह्वान किया जायेगा। छोटे बच्चों का रैंप शो भी होगा। जिसमें सर्वश्रेष्ठ सज्जा वाले बच्चों को पुरस्कृत किया जायेगा। अन्य प्रतिभागी टीमों को सांत्वना पुरस्कार एवं शील्ड दी जायेगी। प्रतिभागियों का निबंधन 12 अगस्त से शुरू हो जायेगा। समिति के संरक्षक अरुण कुमार झा ने कहा कि सोलह कलाओं में निपुण भगवान श्री कृष्ण को लीलाधर भी कहते हैं। उन्होंने जन्म ही लीलाओं के साथ लिया था। इस अवसर पर शंभू नाथ यादव, बनारस यादव, सभापति महतो, गोरखनाथ यादव, प्रमोद राय, जितेंद्र यादव, गोविंदा वाल्मीकि मौजूद थे।

डीएसपीएमयू में बीएससी ऑनर्स इन इलेक्ट्रॉनिक्स में नामांकन प्रक्रिया शुरू

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय में बीएससी ऑनर्स में नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो गयी है। बीएससी ऑनर्स इन इलेक्ट्रॉनिक्स में अर्हता प्राप्त करने वाले छात्रों का नामांकन किया जायेगा। डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी यूनिवर्सिटी में चल रहे इलेक्ट्रॉनिक्स कोर्स में नेट, पीएचडी पास और अनुभवी शिक्षक मौजूद है। इस कोर्स के लिए अलग से एनालॉग और डिजिटल लैब की व्यवस्था की गयी है। इसके अलावा ट्रेनिंग और इंटर्नशिप प्रोग्राम और समय-समय पर सेमिनार, वेबीनार और वर्कशॉप करवाए जाते हैं जिससे विद्यार्थियों का प्रैक्टिकल ज्ञान हो सके।

योग्यता

किसी भी शैक्षणिक संस्थान से 10+2(सीबीएसइ / आइसीएसइ/ स्टेट बोर्ड्स) साइंस स्ट्रीम (फिजिक्स, केमिस्ट्री, मैथ्स) से न्यूनतम 45 प्रतिशत या उससे अधिक मार्क्स वाले या डिप्लोमा किसी भी स्ट्रीम में पास करने वाले विद्यार्थी इस कोर्स में आवेदन कर सकते हैं।

पेज 1 का शेष

गरीबों को एक रुपया किलो...

सरकारी अस्पताल में एक साल सेवा देना अनिवार्य: सरकारी पारा मेडिकल संस्थानों के छात्र-छात्राओं को 1 साल सरकारी अस्पतालों में सेवा देना अनिवार्य होगा। ऐसा नहीं करने पर एक लाख रुपये जुर्माना का प्रावधान किया गया है। आयुष्मान भारत योजना के तहत जो 5 लाख का बीमा होता है, इसके अतिरिक्त कम गंभीर बीमारी योजना के तहत 20 लाख रुपये का सहायता मिल सकेगा। यानी अब 25 लख रुपये तक की बीमारी के लिए स्वीकृति दी गयी।

पश्चिम सिंहभूम में तीन नये थानों को स्वीकृति: कैबिनेट ने पश्चिम सिंहभूम में तीन नये थानों को स्वीकृति दी। सेरेंगदा, लोढाई और गुदड़ी में नये थाने बनेंगे। गुमला जिला अन्तर्गत सिसई पुलिस अंचल के सृजन की स्वीकृति दी गयी। रांची में महिला हॉकी चैंपियनशिप ट्रॉफी का आयोजन होगा। यह आयोजन 27 अक्टूबर से 5 नवंबर 2023 तक हो रहा। इसके आयोजन के लिए 13 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गयी। सातवें वेतन आयोग के अनुशंसा के आलोक में सरकारी सेवकों को विभिन्न भत्तों में बदलवा की स्वीकृति दी गयी। इसके तहत लेवल 15, 16, 17 वेतनमानवाले सभी सरकारी कर्मियों को एक्सक्यूटिव क्लास में हवाई वाहन यात्रा भत्ता मिलेगा। झारखण्ड ऑफ्टर केयर (पश्चात्वर्ती देख-रेख) दिशानिर्देश, 2023 की स्वीकृति दी गयी। इसके तहत बच्चों के आफ्टर केयर के लिए 25000 रुपये दिये जायेंगे।

कैबिनेट के अन्य फैसले : वित्त आयोग अध्यक्ष और सदस्य की नियुक्ति नियमावली में संशोधन किया गया। उम्र सीमा 65 वर्ष से बढ़ा कर 70 वर्ष किया गया। राज्य के विभिन्न श्रेणी के पुलिस थाना के समान कार्य के लिए दिये जाने वाले अग्रिम राशि में वृद्धि की गयी। पुलिस संस्करण के ध्रुव हेलिकॉप्टर के लिए संविदा पर पूर्व स्वीकृत 03 (तीन) हेलिकॉप्टर पायलट के अनुबंध राशि बढ़ाने की मंजूरी। दुलकी जलाशय योजना के पुनरुद्धार एवं मुख्य नहरों के लाइनिंग कार्य के लिए 34.70 करोड़ की मंजूरी। ग्राम पंचायतों में अवस्थित पंचायत भवन में डिजिटल पंचायत केंद्र के स्थापना की मंजूरी। केंद्र प्रायोजित मिशन सक्षम आंगनबाड़ी एवं पोषण 2.0 के तहत संचालित पोषण अभियान योजना के कार्यान्वयन संबंधी मार्गनिर्देश में संशोधन की स्वीकृति। झारखंड उच्च न्यायालय के द्वारा गठित द हाइकोर्ट ऑफ झारखंड (कंडीशंस ऑफ इंगेजमेंट ऑफ को-टर्मिनस इंप्लायाइज) रूल 2019 पर राज्यपाल का अनुमोदन प्राप्त करने के निमित्त प्रस्तावित नियमावली पर स्वीकृति। झारखंड बिजली वितरण लिमिटेड को 2015-16 में दी गयी 6136 करोड़ रुपये की राशि का 3 बटा 4 हिस्सा अनुदान में और एक बटा 4 हिस्सा पूंजी के रूप में दिये जाने की स्वीकृति। झारखंड राज्य खुला विश्वविद्यालय की स्थापना के उपरांत आवश्यक मदों में व्यय हेतु बीज धन की वृद्धि की मंजूरी। वन टाइम सेटेलमेंट योजना को तीन माह (जुलाई 2023 से सितम्बर 2023) का अवधि विस्तार प्रदान करने की मंजूरी। झारखंड राज्य के विद्यार्थियों को इंजीनियरिंग, मेडिकल, विधि, जन संचार, फैशन डिजाईनिंग / फैशन टेक्नॉलोजी, होटल मैनेजमेंट, चार्टर्ड अकाउंटेंट/ आई० सी० डब्लूए से संबंधित प्रवेश परीक्षा की तैयारी हेतु निःशुल्क कोचिंग की व्यवस्था प्रदान कराने के लिए 'मुख्यमंत्री शिक्षा प्रोत्साहन योजना' के विस्तृत मार्गदर्शिका की स्वीकृति।

स्वतंत्रता दिवस समारोह के लिए झारखंड के पांच किसान उत्पादक संगठनों के प्रतिनिधियों को मिला आमंत्रण पत्र

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। इस वर्ष नयी दिल्ली में लाल किले पर आयोजित होनेवाला स्वतंत्रता दिवस समारोह देशभर से विशेष आमंत्रित लोगों की उपस्थिति में मनाया जायेगा। देशभर से 1800 लोगों को राष्ट्रीय राजधानी में होनेवाले समारोह के लिए आमंत्रित किया जा चुका है। जिन्हें आमंत्रित किया गया है, वे प्रधानमंत्री द्वारा ध्वजारोहण समारोह के साक्षी बनेंगे और राष्ट्र के नाम उनके संबोधन को सुनेंगे। इनमें वाइब्रेंट गांवों के सरपंच, शिक्षक, नर्स, किसान, मछुआरे, सेंट्रल विस्टा परियोजना, अमृत सरोवर, हर-घर जल और अन्य जैसे प्रमुख कार्यक्रमों में काम करनेवाले लोग शामिल हैं।

कृषि औरकिसान कल्याण मंत्रालय ने झारखंड से पांच किसान उत्पादक संगठनों के प्रतिनिधियों को उनके जीवनसाथी के साथ 15 अगस्त को होनेवाले ऐतिहासिक झंडोतोलन समारोह का साक्षी बनने के लिए नयी दिल्ली विशेष अतिथि के तौर पर आमंत्रित किया है। देश के विभिन्न वर्गों के विभिन्न क्षेत्रों में काम कर रहे लोगों को स्वतंत्रता दिवस समारोह में आमंत्रित करना सरकार की जन भागीदारी के दृष्टिकोण को दिखाता है।

देशभर से किसान उत्पादक संगठनों के लगभग 511 प्रतिनिधियों में से झारखंड के पांच लोगों को नयी दिल्ली आमंत्रित किया गया है। झारखंड के कांके प्रखंड की जयपुर पंचायत के किसान राजेंद्र महतो पत्नी के साथ नयी दिल्ली जाने के लिए काफी उत्साहित हैं। उनका कहना है कि ऐसे तो वे दिल्ली कई बार गये हैं, लेकिन पत्नी के साथ स्वतंत्रता दिवस समारोह में विशेष अतिथि के तौर पर जाना काफी सम्मान की बात है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी को करीब से सुनने का मौका मिलेगा, इससे खुशी की बात और क्या हो सकती है। मुझ जैसा साधारण व्यक्ति भी इस विशेष खातिरदारी का हकदार बना, इसके लिए मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दिल से धन्यवाद करता हूं।

वहीं दूसरे किसान उत्पादक संगठन के प्रतिनिधि लापुंग ग्राम निवासी अजय साहू भी विशेष आमंत्रित सदस्यों की सूची में शामिल हैं। उनसे जब दिल्ली जाने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि बारिश में अभी खेत तैयार कर रहा हूं और दिल्ली जाने को लेकर काफी उत्साहित हूं। बहुत पहले एक बार दिल्ली गया था। देहात का आदमी दिल्ली जैसे बड़े शहर में जायेगा तो काफी कुछ सीखने को मिलेगा। लाल किला आज तक नहीं देखा है। मेरे लिए काफी गर्व की बात है कि पहली बार इसे देखूंगा भी और प्रधानमंत्री को सामने से सुनने का भी मौका मिलेगा।

शुक्रवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से झारखंड मंत्रालय में हेड चेवनिंग स्कॉलरशिप, दिल्ली ब्रिटिश हाई कमिशन से सुप्रिया चावला एवं ब्रिटिश डेप्युटी हाई कमिशन कोलकाता से अजिता मेनन ने मुलाकात की। मुख्यमंत्री से यह उनकी शिष्टाचार भेंट थी।

एनटीपीसी स्वयंसिद्धा लेडीज क्लब ने तीज महोत्सव का आयोजन किया

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। स्वयंसिद्धा लेडीज क्लब, एनटीपीसी कोयला खनन मुख्यालय ने गुरुवार को रांची में हरियाली तीज महोत्सव का आयोजन धूमधाम से किया। तीज कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि, मीनाक्षी श्रीवास्तव, वरिष्ठ सदस्य, संयुक्त महिला समिति के स्वागत पद्मा रेड्डी, अध्यक्ष, स्वयंसिद्धा लेडीज क्लब द्वारा हुई। इस अवसर पर लेडीज कोल माइनिंग प्रोजेक्ट्स, हजारीबाग के अध्यक्ष और क्लब के वरिष्ठ समिति कार्यकारी सदस्य उपस्थित थे। इस अवसर पर मीनाक्षी श्रीवास्तव ने तीज महोत्सव के महत्व को साझा किया और आयोजन के लिए क्लब के सदस्यों के प्रयासों की सराहना की। तीज महोत्सव को उत्सव के रूप में मनाने के लिए, लेडीज क्लब के सदस्यों के लिए हेयर स्टाइल प्रतियोगिता आयोजित की गयी। इसके अलावा, सदस्यों के लिए तीज क्वीन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, विजेताओं का चयन तीन राउंड जैसे स्व-परिचय, रैंप वॉक और प्रश्न के माध्यम से किया गया।

तीज क्वीन प्रतियोगिता में, गंगोत्री दास को तीज क्वीन का ताज पहनाया गया और सपना प्रथम रनर-अप रहीं और अनीता प्रसाद को द्वितीय रनर-अप घोषित किया गया। इस अवसर पर रेखा जैन, ज्योति जलोटा, तजीन फैज, पूजा जैन, संचिता कोनार, लक्ष्मी मूर्ति, मानसी घोष, एम. एस राम्या, स्निग्धा माझी, मनसा वर्मा, दीपा एवं परमेश्वरी उपस्थित थीं।

बंधु तिर्की ने कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार से मुलाकात की

कहा : जल्द झारखंड आऊंगा

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की ने शुक्रवार को बेंगलुरु में कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री और कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डी के शिवकुमार से उनके आवास पर मुलाकात की। श्री तिर्की ने शिवकुमार को झारखंड का अंगवस्त्र और मोमेंटो देकर सम्मानित किया। श्री तिर्की ने विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की महत्वपूर्ण जीत के लिए बधाई देते हुए शिवकुमार से कहा कि कर्नाटक में कांग्रेस की स्पष्ट विजय का दूरगामी प्रभाव राष्ट्रीय राजनीति पर पड़ेगा और इससे देश की धर्मनिरपेक्ष शक्तियां मजबूत होंगी। बातचीत के दौरान श्री शिवकुमार ने कहा कि वह जल्द ही झारखंड आयेंगे और वहां मां देवड़ी के दर्शन करने के साथ ही प्रदेश कांग्रेस के नेताओं और कार्यकर्ताओं से भी मिलेंगे।

दो दिन में 192 बच्चों की नेत्र जांच की गयी

रांची (आजाद सिपाही)। राम लखन सिंह यादव स्कूल में भागवान महावीर आई हॉस्पिटल कैंप झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी ओबीसीके प्रदेश उपाध्यक्ष संतोष महतो एवं रांची महानगर कांग्रेस कमेटी अनुसूचित जाति विभाग के चेयरमैन राजू राम के नेतृत्व में दो दिवसीय आईं जांच शिविर का आयोजन किया गया। इसमें दो दिन मिलाकर 192 बच्चों का नेत्र जांच की गयी। नेत्र दोष से पीड़ित करीब 25 बच्चों को चश्मा लगा, जिन्हें राइड्स टेबल और लेडिज सर्कल द्वारा उपलब्ध कराया जायेगा। भागवान महावीर आई हॉस्पिटल के अध्यक्ष पूरनमल जैन सेठी ने बताया कि आई हॉस्पिटल में निशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन किया जा रहा है। इसमें पीड़ित व्यक्ति अपरेशन करा सकते हैं। इस मौके पर प्रोजेक्ट मैनेजर शिवानंद प्रसाद, प्राचार्य शांति सिंह, पूर्व पार्षद अर्जुन यादव, झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी अनूसूचित जाति विभाग प्रदेश अध्यक्ष केदार पासवान, राष्ट्रीय कोऑर्डिनेटर वशिष्ठ लाल पासवान, दिलीप सोनकर, तुषार विजयवर्गीय, नीरज सिंह, पंकज कश्यप, राहुल सिंघानिया, आकाश शेट्टी, पौरुष जैन, भावना सेठी, आकाश खोसला, खुशबू सिंघानिया, रैयाजूल हक, बेबी गाड़ी, विनय कुमार, बिरेंद्र प्रसाद, ममता कुमारी, दुबराज महतो उपस्थित थे।

टाटा स्टील एक्सप्रेस समेत दर्जनों ट्रेनें कल रहेंगी रद्द

रांची (आजाद सिपाही)। हावड़ा खड़गपुर रेल मार्ग मे संतरागाछी रेलवे स्टेशन के पास विकास कार्य हो रहे हैं। इसको लेकर 13 अगस्त को टाटा हावड़ा स्टील एक्सप्रेस समेत दर्जनों ट्रेने रद्द कर दी गयी हैं। दक्षिण पूर्व रेलवे ने इसे लेकर अधिसूचना जारी कर दी है। दक्षिण पूर्व रेलवे अंतर्गत हावड़ा खड़गपुर रेल मार्ग पर संतरागाछी रेलवे स्टेशन के पास विकास कार्य किया जा रहा है, जिसके कारण 13 अगस्त को टाटा हावड़ा स्टील एक्सप्रेस सहित 50 से अधिक ट्रेनों का परिचलन को रद्द कर दिया गया है। वहीं रेलवे द्वारा इस मार्ग पर चलनेवाली कई ट्रेनों के मार्ग को बदला गया हैं, जबकि कई ट्रेन संक्षिप्त यात्रा करेगी।

आशा किरण बारला ने यूथ कॉमन वेल्थ गेम्स में जीता रजत

रांची (आजाद सिपाही)। झारखंड की आशा किरण बारला ने स्पेन के त्रिबांगो में आयोजित यूथ कॉमन वेल्थ गेम्स में 800 मीटर की दौड़ 2.04:99 मिनट समय में पूरा करके रजत पदक जीता है। आशा यूथ कॉमन वेल्थ गेम्स में पदक जीतनेवाली झारखंड की पहली एथलीट बन गयी हैं। इस प्रतियोगिता में इंग्लैंड की गिल ने 2.02:30 मिनट के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता। आशा एथलेटिक्स अकादमी बोकारो की एथलीट हैं। सेमीफाइनल मुकाबले में टॉप पर रहते हुए आशा ने फाइनल में जगह बनायी थी।

डोरंडा महाविद्यालय में विश्व आदिवासी दिवस मनाया गया

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर डोरंडा महाविद्यालय रांची में विश्व आदिवासी दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत नागपुरी स्वागत गीत के साथ की गई एवं छात्रों के द्वारा नागपुरी विभाग कुरुख विभाग एवं अन्य विभागों के द्वारा भी गीत नृत्य पेश किये गये। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ बी पी वर्मा द्वारा की गई। उन्होंने विश्व आदिवासी दिवस के उपलक्ष पर बधाई दी एवं कहां कि आदिवासी समाज से सभी मानव जाति को सीख लेने की आवश्यकता है जो प्रकृति से, प्रकृति में, प्रकृति के लिए जीते हैं। साथी हे आदिवासी व्यंजनों की पौष्टिकता एवं गुणवत्ता के बारे में भी बताया। कार्यक्रम को मुख्य रूप से डॉ मंजू मिंज, डॉ नारायण भगत, रीझू कच्छप, एवं अन्य ने भी आदिवासी दिवस पर संबोधन किया। कार्यक्रम का संचालन प्रो कंचन मुंडा किया गया। कार्यक्रम में प्रो शालिनी, प्रो मार्शल पूर्ति, प्रो अरविंद कुमार, प्रो मंजूलाल, प्रो किरण कुमारी और प्रो प्रिया आदि उपस्थित थीं।

ओशोधारा केंद्र और सेंट्रल कोलफील्ड्स का तीन दिवसीय सत्संग एवं आनंद प्रज्ञा शिविर शुरू

रांची (आजाद सिपाही)। ओशोधारा केंद्र, रांची और सेंट्रल कोलफील्ड्स रांची द्वारा तीन दिवसीय सत्संग एवं आनंद प्रज्ञा शिविर शुरू हो गया। शुक्रवार को सीसीएल और इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ योगा एंड मैनेजमेंट के संयुक्त तत्ववाधान में मुख्यालय के कन्वेंशन सेंटर में आनंदित जीवन कैसे जिए विषय पर एक वेलनेस कार्यक्रम आयोजित की गयी। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता समर्थगुरु सिद्धार्थ औलिया थे। समर्थ गुरु सिद्धार्थ औलिया ने अपने व्याख्यान में आनंदित जीवन व्यतीत करने के कई गुढ़ रहस्य बतायें। उन्होंने वर्क लाइफ बैलेंस पर विस्तार से चर्चा करते कई आवश्यक सुझाव दिये। उन्होंने कहा कि दिये गये सुझाव पर अमल कर इस भौतिक जीवन में भी ऑफिस एवं पारिवारिक दायित्वों का निर्वाहन कर जीवन आनंदपूर्वक बिताया जा सकता है। इस आध्यात्मिक विमर्श में जीवन के विभिन्न पहलुओं सूक्ष्म विश्लेषण किया गया । जिसका सार आनंद था। इस सत्र में समर्थगुरु ने दर्शकों के प्रश्नों का यथोचित उत्तर भी दिया। इस अवसर पर सीएमपीडीआई सीएमडी मनोज कुमार, सीसीएल के निदेशक तकनीकी(सं.) रामबाबू प्रसाद ,निदेशक (कार्मिक) हर्षनाथ मिश्र, निर्देशक तकनीकी (यो./ परि.) बी साइराम ,निदेशक (वित्त) पी के मिश्रा, महाप्रबंधकगण, विभागाध्यक्ष , श्रमिक संघ के नेता, सेवानिवृत कर्मी एवं बड़ी संख्या में श्रोता उपस्थित थे।

शीर्ष माओवादी मिसिर बेसरा की कोर टीम के साथ सुरक्षाबलों की मुठभेड़, मुख्यालय ध्वस्त

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। पांच वर्ष के बाद नक्सली संगठन भाकपा माओवादी के शीर्ष नेता मिसिर बेसरा की कोर टीम के साथ सुरक्षाबलों की सीधी मुठभेड़ हुई है। यह मुठभेड़ टोंटो थाना क्षेत्र के रेरडाकोचा जंगल के समीप पहाड़ी और जंगली क्षेत्र में हुई. भाकपा माओवादी के शीर्ष नेता मिसिर बेसरा की कोर टीम के साथ सुरक्षाबलों की आधे घंटे तक मुठभेड़ चली। इस दौरान सुरक्षाबलों ने सरजामबुरू से विस्थापित होने के बाद बना उनका नया मुख्यालय ध्वस्त कर दिया। सुरक्षा बलों को भारी पड़ता देख नक्सली जंगल और पहाड़ का लाभ उठाते हुए भाग निकले। सर्च अभियान के दौरान भारी मात्रा में गोला-बारूद और दैनिक उपयोग के सामान बरामद हुए।

सुरक्षाबलों ने कई बंकर ध्वस्त किये, 17 आइइडी बरामद : सर्च अभियान में नक्सलियों द्वारा रेरडाकोचा जंगल क्षेत्र में बनाये गये कई बंकरों को सुरक्षा बलों ने ध्वस्त कर दिया। इस दौरान अलग-अलग स्थानों पर कुल 11 बंकरों में भारी मात्रा में गोला-बारूद और दैनिकी उपयोग की सामग्री पायी गयी। इन्हें ध्वस्त किया गया। अभी तक कुल 17 आइइडी बरामद किया गया।

बड़े नक्सलियों के खिलाफ चलाया जा रहा है अभियान : सुरक्षा बलों द्वारा बीते 11 जनवरी से भाकपा माओवादी के शीर्ष नेता मिसिर बेसरा, रमेश उर्फ अनल, अजय महतो, अनमोल, मोछु, चमन, कांडे, सागेन अंगरिया, अश्विन के दस्ते के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है।

साईं नाथ विश्वविद्यालय में एनसीसी कैंप का समापन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड एयर स्क्वाड्रन एनसीसी रांची द्वारा दस दिवसीय वार्षिक प्रशिक्षण शिविर का आयोजन 1 से 10 अगस्त तक साईं नाथ विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित हुआ। 9 अगस्त की शाम को भव्य सांस्कृतिक समारोह एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कैडेट्स को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान हासिल किया। मौके पर कुलपति प्रो (डॉ) एसपी अग्रवाल ने कहा कि एनसीसी अनुशासन का पाठ पढ़ाता है। 2 झारखंड एयर स्क्वाड्रन एनसीसी रांची के कमानाधिकारी, विंग कमांडर संतोष और प्रशासनिक पदाधिकारी विंग कमांडर- अनिकेत सिंह ने बताया कि इसमें बी और सी सर्टिफिकेट के लिए कैंप का आयोजिन किया गया। कैंप की संपूर्ण ट्रेनिंग कमानाधिकारी, विंग कमांडर- संतोष की देखरेख में हुई। एनसीसी के उपमहानिदेशक मेजर जनरल एएस बजाज एवं झारखंड रांची के ग्रुप कमांडर ब्रिगेडियर विजय सिंह यादव ने विश्वविद्यालय का दौरा किया।

नियोजन नीति और स्थानीयता तय किये बिना कैसे 35 हजार नियुक्तियां करेगी राज्य सरकार : प्रतुल शाहदेव

रांची (आजाद सिपाही)। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली सरकार सिर्फ हवा हवाई घोषणा करती रही है। उन्होंने कहा कि लगभग पौने चार वर्ष में भी यह सरकार आज तक न एक फूल प्रूफ नियोजन नीति बना पायी और ना ही स्थानीयता को सही से परिभाषित कर पायी। प्रतुल ने कहा कि मुख्यमंत्री ने विधि विभाग के विधिक मुद्दों पर किये विरोध के बावजूद स्थानीय नियोजन नीति को पारित कराया, जिसे उच्च न्यायालय ने खारिज कर दिया। 1932 का कट ऑफ डेट सिर्फ एक सरकारी संकल्प से जारी हो सकता था। उन्होंने कहा कि पौने चार वर्षों में झारखंड के युवा आदिवासी मूलवासी बेरोजगारों को कोई पूछ नहीं रहा। प्रतुल ने कहा कि राज्य सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि जिन 35 हजार नियुक्तियों की अगस्त से नवंबर के बीच में होने की बात की जा रही है आखिर उसकी बुनियाद क्या होगी? ऐसा प्रतीत हो रहा है कि बिना नियोजन नीति और स्थानीयता परिभाषित किये सरकार एक बार फिर तृतीय और चतुर्थ वर्ग में 60-40 की नीति के तहत नियुक्ति कर के यहां के आदिवासी मूलवासी का हक मारने जा रही है।

लिव रिलेशनशिप राष्ट्र के लिए अभिशाप : पं रामदेव

सनातन में शिव और राम ने बहुपत्नी को नहीं स्वीकारा

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। पं. रामदेव पांडेय ने राम-जानकी मंदिर बरियातू में शिव पुराण की कथा में कहा कि विवाह केवल शरीर सुख के लिए नहीं है। विवाह जगत के कल्याण के लिए होता है। विवाह से समाज का निर्माण होता है। शिव विवाह जगत के कल्याण के लिए पार्वती से हुआ, ताकि ताड़कासुर जैसे राक्षसी शक्तियों का वध हो। शिव स्वयं के विवाह में नांदीमुख श्राद्ध और ग्रहों की शांति कर विवाह किया, जबकि मंगल इनका पुत्र हैं। आज विश्व में विवाह का आधार छिन्न-भिन्न हो रहा है। आज लिव रिलेशनशिप ने अमेरिका, ब्रिटेन जैसे देश में मुश्किल हो गया है। ये देश भारतीय विवाह परंपरा को सर्वश्रेष्ठ मानते हैं। क्योंकि इस रिलेशनशिप में बच्चों का लालन-पालन, मेंटर और मानसिक स्थिति पर प्रभावी होता है। भगवान शिव और श्रीराम भी बहु विवाह के पोषक नहीं है। बहु-विवाह अंतजार्तीय तथा अंतरराष्ट्रीय विवाह से लोक संस्कृति को भी खतरा है। इसलिए अर्जुन ने वर्ण संकरता को नाश का कारक गीता में माना है। जिन सभ्यताओं में बहु विवाह का प्रचलन आया, वे सभ्यता ही मिट गयी। लिव रिलेशनशिप राष्ट्र के लिए अभिशाप है।

कैंब्रियन पब्लिक स्कूल में वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन

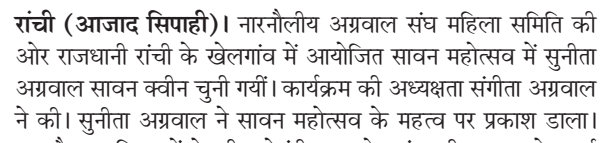

रांची (आजाद सिपाही)। कैंब्रियन पब्लिक स्कूल कांके रोड रांची में शुक्रवार को इंटर हाऊस वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विद्यालय के कंप्यूटर विभाग द्वारा 'विल एआई रिप्लेस ह्यूमंस' विषय पर आयोजित इस प्रतियोगिता में नवीं और ग्यारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। प्रतिभागियों ने कृत्रिम मेधा की आवश्यकता और सीमाओं पर विस्तृत विचार प्रस्तुत किया। इस प्रतियोगिता में ग्रुप ए में गोदावरी हाउस के सत्यम की टीम प्रथम, यमुना हाउस के शुभम कुमार की टीम द्वितीय और गंगा हाउस के अभिषेक सिंह, इशिका और दियाश्री की टीम तृतीय स्थान पर रही। मौके पर प्राचार्या डॉ नीता पांडेय ने कहा कि वर्तमान युग तकनीकियों का युग है। इस युग में कई बड़े अनुसंधान और आविष्कार हुए है, जिनमें कृत्रिम मेधा महत्वपूर्ण है। कंप्यूटर शिक्षक मनोज कुमार मिश्रा ने दैनिक जीवन में कृत्रिम मेधा की आवश्यकता, उपयोगिता एवं सतर्कता पर प्रकाश डाला। परीक्षा नियंत्रक शिवव्रत दास और एसटीएनसी सिराजुद्दीन पंडित ने प्रतियोगिता में बतौर निर्णायक अपनी भूमिका निभायी। छात्र अनमोल राज ने संचालन किया।

सुनीता अग्रवाल के सिर सजा सावन क्वीन का ताज

रांची (आजाद सिपाही)। नारनौलीय अग्रवाल संघ महिला समिति की ओर राजधानी रांची के खेलगांव में आयोजित सावन महोत्सव में सुनीता अग्रवाल सावन क्वीन चुनी गयीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता संगीता अग्रवाल ने की। सुनीता अग्रवाल ने सावन महोत्सव के महत्व पर प्रकाश डाला। इस दौरान महिलाओं के बीच मेहंदी लगाओ, अंताक्षरी, नृत्य समेत कई प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। इन प्रतियोगिताओं में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के आधार पर सुनीता अग्रवाल को सावन क्वीन चुना गया। महोत्सव में रीता अग्रवाल, अध्यक्ष सुनीता अग्रवाल कोकर, सचिव संगीता अग्रवाल, कोषाध्यक्ष ज्योति अग्रवाल, रानी अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल स्टेट स्क्वायर, सुनीता अग्रवाल रातू रोड, सुनीता अग्रवाल हरमू, अनिता अग्रवाल, वीणा अग्रवाल, शोभा अग्रवाल, रेखा अग्रवाल, अंजलि अग्रवाल, रजनी अग्रवाल, उषा अग्रवाल, शशि अग्रवाल, अंजना अग्रवाल आदि ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।

ओबीसी समुदाय को तात्कालिक सांत्वना नहीं, दीर्घकालीन अधिकार चाहिए : राजेश

रांची (आजाद सिपाही)। मंत्री परिषद की हुई बैठक में 7 जिले में ओबीसी समुदाय को ईडब्ल्यूएस में आरक्षण देने की तात्कालिक निर्णय लिया है। इस पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार गुप्ता ने कहा कि हमें सांत्वना नहीं पूर्ण अधिकार चाहिए। ओबीसी समुदाय को जनसंख्या अनुपात में आरक्षण सरकार दे। क्योंकि राज्य में अनुसूचित जाति, जनजाति और ईडब्ल्यूएस को उनकी जनसंख्या के बराबर आरक्षण का प्रावधान किया गया है। तो क्या ओबीसी समुदाय इस राज्य का निवासी नहीं है? इस कैबिनेट की बैठक से यह प्रतीत होता है कि राज्य सरकार अब ईडब्ल्यूएस और ओबीसी के साथ झगड़ा लगाने का काम किया है।सरकार इसका अविलंब समाधान करे।नहीं ओबीसी मोर्चा का आंदोलन जारी रहेगा।

पाक : एक और चुनावी कवायद

पाकिस्तान सरकार ने एक सुविचारित फैसले के तहत नेशनल असेंबली को भंग कर दिया है। चूंकि असेंबली का कार्यकाल पूरा होने से तीन दिन पहले इसे भंग किया गया है, इसलिए नियमानुसार अगला चुनाव कराने के लिए 30 दिनों का अतिरिक्त समय मिल गया है। हालांकि जानकार बताते हैं कि इस बार चुनाव इस समय सीमा के भीतर भी शायद ही हो पायें। वजह यह है कि जनगणना के ताजा आंकड़े औपचारिक तौर पर मंजूर किये जा चुके हैं। यानी अब यह संवैधानिक जरूरत हो गयी है कि जनगणना के नये आंकड़ों के मुताबिक डीलिमिटेशन का काम पूरा करके ही चुनाव करवाये जायें। चुनाव आयोग को इसके लिए करीब दो महीने का अतिरिक्त समय चाहिए होगा। नेशनल असेंबली भंग होने के बाद प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ को नयी व्यवस्था होने तक पदभार संभाले रहने को कहा गया है, लेकिन अब सबकी नजरें इस बात पर टिकी हैं कि कार्यवाहक प्रधानमंत्री की जिम्मेदारी किसे मिलती है। इस बार केयरटेकर पीएम पर सामान्य से ज्यादा जिम्मेदारी होगी जिसकी कई स्पष्ट वजहें हैं। पहली बात तो यही कि नये चुनाव कराने और निर्वाचित सरकार के कार्यभार संभालने में कोई अतिरिक्त विलंब नहीं हुआ, तो भी करीब छह महीने लग ही जायेंगे। दूसरी बात, यह सब ऐसे समय हो रहा है जब पाकिस्तान अभूतपूर्व आर्थिक संकट से गुजर रहा है। ऐसे में इस केयरटेकर सरकार को अलोकप्रिय होने का खतरा उठा कर भी कुछ कठोर फैसले करने पड़ सकते हैं। देखने वाली बात यह होगी कि कार्यवाहक प्रधानमंत्री पद पर नियुक्ति करते समय इस राष्ट्रीय जरूरत का कितना ख्याल रखा जाता है। दूसरे शब्दों में इस पद पर किसी गहरी आर्थिक समझ वाले व्यक्ति की नियुक्ति हो पाती है या नहीं। तीसरी और सबसे अहम बात यह है कि यह चुनावी कवायद शुरू होने से चंद दिन पहले ही पाकिस्तान के सबसे लोकप्रिय विपक्षी नेता बताये जा रहे इमरान खान को तोशाखाना वाले मामले में न केवल तीन साल जेल की सजा हो गयी, बल्कि पांच साल तक उनके चुनाव लड़ने और कोई पद संभालने पर भी रोक लग गयी है। हालांकि इमरान खान इसके खिलाफ कानूनी और राजनीतिक दोनों लड़ाई लड़ रहे हैं। निचली अदालत के इस फैसले को हाइकोर्ट में चुनौती दी गयी है, जहां यह मामला चल रहा है, तो एक तो यह बात देखने वाली होगी कि ऊपरी अदालतों से उन्हें कब तक, कितनी और कैसी राहत मिलती है। जहां तक राजनीतिक लड़ाई का मामला है तो पिछली गिरफ्तारी के समय इमरान समर्थकों ने देश में विरोध का जिस तरह का माहौल बना दिया था, वैसा इस दूसरी गिरफ्तारी के समय इमरान की अपील के बावजूद नहीं बन पाया। हालांकि इसके पीछे सरकार की सक्रियता और इमरान की पार्टी के नेताओं के खिलाफ की गई कार्रवाई की भी भूमिका है। ऐसे में यह सवाल बना रहेगा कि सर्वाधिक लोकप्रिय विपक्षी नेता को मुकाबले से बाहर करके करवाया जाने वाला चुनाव कितना लोकतांत्रिक माना जायेगा और इसके नतीजे पाकिस्तान को कितनी स्थिरता दे पायेंगे।

नेशनल असेंबली भंग होने के बाद प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ को नयी व्यवस्था होने तक पदभार संभाले रहने को कहा गया है, लेकिन अब सबकी नजरें इस बात पर टिकी हैं कि कार्यवाहक प्रधानमंत्री की जिम्मेदारी किसे मिलती है।

काफी हिम्मत करके, कई वर्षों बाद एम्स गया, परंतु वहां का बदला हुआ स्वरूप देख कर ऐसा लगा ही नहीं कि यह वही एम्स है। मेन बिल्डिंग में घुसते ही जगह-जगह न्यू राजकुमारी अमृत कौर ओपीडी के दिशा-निर्देशक बोर्ड लगे थे। जैसे ही हम अपने गंतव्य पर पहुंचे, वहां पर भीड़ को नियंत्रित और निर्देशित करते हुए मैगामाइक से लैस गार्ड दिखायी दिए। ओपीडी की बिल्डिंग में साफ-सुथरे निर्देशक बोर्ड लगे थे। व्हील चेयर इत्यादि के लिए अलग जगह थी, जहां पर अच्छी-खासी मात्रा में व्हील चेयर और स्ट्रैचर दिखायी दिये।

दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) का कायाकल्प

रजनीश कपूर

देश भर में स्वास्थ्य सेवाओं की कमियों को लेकर हमेशा सवाल उठाये जाते हैं। सरकारें आती-जाती रहती हैं और वे दावा करती हैं कि देश में स्वास्थ्य सेवाएं बेहतर बनायेंगी, पर अधिकतर राज्यों में स्वास्थ्य सेवाओं का हाल बेहाल है। स्वास्थ्य मंत्रालयों के पास इन सबके लिए बड़ा बजट भी होता है। परंतु इस दिशा में उस गति से कार्य नहीं होते, जिस गति से होने चाहिए। ज्यादातर पैसा भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाता है। इसलिए देश भर से मरीज इलाज के लिए दिल्ली के एम्स का रुख करते हैं। इसी कारण यहां पर मरीजों की भीड़ लगी रहती है। परंतु आज जिस अनुभव को आपके साथ सांझा कर रहा हूं, वह आपको अच्छा लगेगा।

कुछ दिन पहले दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) जाना हुआ। चूंकि मेरा नाता एम्स के साथ सन 1991 से है, इसलिए वहां के चप्पे-चप्पे से वाकिफ हूं, परंतु जैसे ही मुझे पता चला कि एम्स की न्यू राजकुमारी अमृत कौर ओपीडी में जाना है, तो उत्सुकता जागी कि यह कब बनी? मेरे जहन में तो पुरानी ओपीडी की वही बिल्डिंग थी, जहां मरीज और उनके तीमारदारों की लंबी-लंबी कतारें होती हैं। लिफ्ट के बाहर भी ऐसा ही हाल होता था। ओपीडी में डाक्टर के कमरों के बाहर घुटन भरे माहौल में जाने से जी घबराता था। यदि किसी को व्हील चेयर या स्ट्रैचर चाहिए, तो वहां पर काफी संघर्ष करना पड़ता था। उसके बाद भी सही से चलने वाली व्हील चेयर मिले तो आपकी किस्मत अच्छी है। निर्धारित समय पर यदि डॉक्टर अपने कक्ष में मिल जाये तो सोने पे सुहागा। यही हाल जांच विभाग का भी था, मशीनें तो थीं, पर वे सही से चलें, इसकी गारंटी नहीं। एमआरआइ जैसी जांचों के लिए आपका नंबर कब आयेगा, यह भगवान भी नहीं बता सकते।

देश के स्वास्थ्य मंत्रालय के पास अच्छा-खासा बजट है। यदि सही दिशा में और सही ढंग से इस बजट को इस्तेमाल किया जाये, तो वह दिन दूर नहीं जब पूरे देश में दिल्ली के एम्स जैसे कई अस्पताल खुल जायेंगे। देश भर के दूर-दराज इलाकों से आने वालों को इलाज के लिए दिल्ली न आकर अपने नजदीकी एम्स में ही जाना होगा।

इन सब पुरानी यादों को दिमाग में रखते हुए, काफी हिम्मत करके, कई वर्षों बाद एम्स गया, परंतु वहां का बदला हुआ स्वरूप देख कर ऐसा लगा ही नहीं कि यह वही एम्स है। मेन बिल्डिंग में घुसते ही जगह-जगह न्यू राजकुमारी अमृत कौर ओपीडी के दिशा-निर्देशक बोर्ड लगे थे। जैसे ही हम अपने गंतव्य पर पहुंचे, वहां पर भीड़ को नियंत्रित और निर्देशित करते हुए मैगामाइक से लैस गार्ड दिखायी दिए। ओपीडी की बिल्डिंग में साफ-सुथरे निर्देशक बोर्ड लगे थे। व्हील चेयर इत्यादि के लिए अलग जगह थी, जहां पर अच्छी-खासी मात्रा में व्हील चेयर और स्ट्रैचर दिखायी दिये। लिफ्ट के पास भी भीड़ काफी व्यवस्थित दिखायी दी। पूरी बिल्डिंग के वातानुकूलित होने के कारण किसी भी तरह की घुटन का एहसास नहीं हुआ।

संबंधित विभाग की ओपीडी पर पहुंचते ही वहां पर इंतजार कर रहे मरीजों के बैठने की भी उचित व्यवस्था थी। डॉक्टर को सहयोग करते हुए गार्ड भी मरीजों से काफी मधुरता से पेश आ रहे थे। डॉक्टर के कक्ष में भी काफी साफ-सफाई दिखायी दी और आधुनिक मशीनें भी सुचारू रूप से चलती नजर आयीं।

2020 में शुरू हुई इस न्यू राजकुमारी अमृत कौर ओपीडी में अभी कुछ डिपार्टमेंट ही चालू किये गये हैं। साइकेट्री, ऑर्थोपेडिक, मेडिसिन, जीरिएट्रिक मेडिसिन, स्किन, एंडोक्रोनोलॉजी, इएनटी, मातृ एवं शिशु, सर्जरी, बर्न एवं प्लास्टिक सर्जरी विभाग, आदि शामिल हैं।

उल्लेखनीय है कि इन नयी बिल्डिंगों के खंडों की योजना 2010 में शुरू हुई थी। 2013 में एम्स के तत्कालीन निदेशक डॉ (प्रोफेसर) एमसी मिश्रा के कार्यकाल में ये खंड बन कर तैयार हो गये थे। लंबे इंतजार के बाद जनता के लिए इसे 2020 में खोला गया। 570 कमरों वाले इस नये ओपीडी ब्लॉक में हर मंजिल पर करीब 500 लोगों के बैठने की सुविधा है। इस नयी ओपीडी बिल्डिंग की खास बात यह है कि दिव्यांग मरीजों के लिए बेहतर व्यवस्था की गयी है।

स्वचालित सीढ़ियों से लिफ्ट पर ज्यादा भार नहीं पड़ता और भीड़ नियंत्रण में भी काफी सुविधा रहती है। इसी तरह एम्स के कैंपस में प्रवेश और निकासी की व्यवस्था भी काफी सुचारू है। पार्किंग की कोई समस्या न हो, इसलिए भूमिगत पार्किंग में भी कई तल बनाये गये हैं। कुल मिला कर देखा जाये तो एम्स की न्यू राजकुमारी अमृत कौर ओपीडी में जाकर एक बेहद ही अच्छा अनुभव हुआ। देश के स्वास्थ्य मंत्रालय के पास अच्छा-खासा बजट है। यदि सही दिशा में और सही ढंग से इस बजट को इस्तेमाल किया जाये, तो वह दिन दूर नहीं जब पूरे देश में दिल्ली के एम्स जैसे कई अस्पताल खुल जायेंगे। देश भर के दूर-दराज इलाकों से आने वालों को इलाज के लिए दिल्ली न आकर अपने नजदीकी एम्स में ही जाना होगा। सरकार को भी चाहिए कि देश भर में अधिक से अधिक मात्रा में दिल्ली एम्स जैसे आधुनिक सुविधाओं वाले अस्पताल खोले, जहां मरीजों को कम खर्च में बेहतर से बेहतर इलाज मिले। जाहिर-सी बात है कि यदि जनता के कर का पैसा ईमानदारी और पारदर्शिता से जनता के विकास पर लगेगा तो हर चुनावों से पहले सरकार के पास भी जनता को बताने के लिए ठोस आंकड़े होंगे। चुनावी वायदों को सुन-सुन कर थक चुकी जनता को सरकार पर विश्वास तभी होगा, जब जनता के विकास के लिए जमीनी स्तर पर कुछ ठोस नजर भी आयेगा।

सरकार को भी चाहिए कि देश भर में अधिक से अधिक मात्रा में दिल्ली एम्स जैसे आधुनिक सुविधाओं वाले अस्पताल खोले।

जमशेदपुर की खबरें

+2 हाइ स्कूल विद्यालय प्रबंध समिति की बैठक

दिघी हाइ स्कूल का होगा सर्वांगीण विकास : विधायक

आजाद सिपाही संवाददाता

बोड़ाम। जुगसलाई विधानसभा स्थित बोड़ाम प्रखंड क्षेत्र के भुला पंचायत अंतर्गत उत्क्रमित +2 हाई स्कूल दिघी में विद्यालय प्रबंध समिति का बैठक आयोजित की गयी। शुक्रवार को बैठक में झारखंड विधानसभा सत्तारूढ़ दल के सचेतक सह जुगसलाई विधायक मंगल कालिंदी शामिल हुए। स्कूल परिसर में छात्रों के द्वारा स्वागत गीत और छऊ नृत्य प्रस्तुत कर विधायक का भव्य स्वागत किया गया। मौके पर विधायक श्री कालिंदी ने विद्यालय के सर्वांगीण विकास के लिए निर्णय लिया। इस दौरान विधायक ने छात्रों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना। बैठक में विद्यालय हित व छात्र हित में स्कूल का छत व खिड़की मरम्मत करने, साउंड सेट उपलब्ध कराने, खरीदने का निर्णय लिया गया। स्कूल के विकास में समिति के अध्यक्ष सह विधायक मंगल कालिंदी ने सहमती जतायी। मौके पर झामुमो नेता सुभाष कर्मकार, पटमदा बीस सूत्री अध्यक्ष कालीपोदो महतो, ईशान चंद्र मुर्मु, रेबोती गोप, वृंदावन महतो आदि उपस्थित रहे।

'मेरी माटी मेरा देश' और 'हर घर तिरंगा' अभियान की व्यापक तैयारी

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। भाजपा महानगर के नेता एवं कार्यकर्ताओं ने आजादी के अमृत महोत्सव का समापन में 'मेरी माटी मेरा देश' व 'हर घर तिरंगा' अभियान को जोरदार ढंग से मनाने की तैयारी की है। साकची के भगवान बिरसा मुंडा स्मृति उद्यान से 13 अगस्त प्रारंभ होने वाले 'मेरी माटी मेरा देश' व 15 अगस्त तक चलने वाले 'हर घर तिरंगा' अभियान के लिए शुक्रवार को महानगर अध्यक्ष गुंजन यादव के नेतृत्व में बिस्टुपुर प्रधान डाकघर से राष्ट्रीय ध्वज क्रय किया गया। नोडल पदाधिकारी दिवाकर कुमार दीपक ने जिलाध्यक्ष को तिरंगा झंडा सुपुर्द किया। मौके पर सुधांशु ओझा, संजीव सिन्हा, अनिल मोदी, मंजीत सिंह, पप्पू सिंह, राजीव सिंह, बिनोद सिंह, अमित अग्रवाल, अभिमन्यु सिंह, शशांक शेखर और संतोष कुमार एवं अन्य मौजूद रहे।

एसएसपी प्रभात कुमार ने कांड के अनुसंधानकर्ताओं के लिए घोषित किया इनाम

एएसआइ गुरुदयाल सिंह मुंडा हुए सम्मानित

जिले में पहली बार एएसआइ ने 35 दिनों में चार्जशीट सौंप कर सजा दिलवायी

आरोपियों को मिली तीन-तीन साल की सजा और दो-दो हजार रुपये का जुर्माना

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। पूर्वी सिंहभूम जिले में एसएसपी प्रभात कुमार के नेतृत्व में पुलिस पदाधिकारी जिले में ऐतिहासिक सफलता हासिल की है। जमशेदपुर पुलिस के लिए यह गर्व की बात है। बिष्टुपुर थाने में पदस्थापित एएसआइ गुरुदयाल सिंह मुंडा ने बीते 5 जुलाई को टिस्को में हुई चोरी के मामले में 6 जुलाई को एफआइआर दर्ज के साथ 35 दिनों में चार्जशीट सौंप कर आरोपियों को सजा दिलाने में कामयाबी हासिल की। शुक्रवार को एसएसपी प्रभात कुमार ने पुलिस के कार्यशैली से संतुष्ट दिखे। उन्होंने एएसआइ गुरुदयाल सिंह मुंडा को चैंबर में बुला कर 5000 नगद पुरस्कार एवं एक प्रशस्ति पत्र सौंप कर सम्मानित किया। इतना ही नहीं, एसपी में सम्मानित हुए एएसआइ बगल के कुर्सी में बैठा कर उनके कार्य का सराहना की, ताकि जिले के सभी पुलिस पदाधिकारी अपने कार्य के प्रति सचेत हो सके।

जिले पुलिस कप्तान प्रभात कुमार ने बताया पुलिस अनुसंधानकरताओं के लिए नयी योजना की शुरुआत की गयी। नयी योजना में कांड के त्वरित उद्भेदन करने एवं आरोपियों को सजा दिलाने वाले अनुसंधानकर्ताओं के लिए 10 से 25 हजार तक का नगद इनाम देने का घोषणा की गयी। इस अवसर एसएसपी ने कहा बिस्टुपुर पुलिस दो आरोपियों को 35 दिनों के अंदर सजा दिलाने में सफल होने पर एएसआइ एवं बिस्टुपुर थाना प्रभारी को सम्मानित किया गया। साथ ही आगे और बेहतर कार्य करने की कामना की। उन्होंने कहा कि इस मामले में न्यायालय ने दोनों आरोपियों को तीन-तीन साल की सजा व दो-दो हजार रुपये का आर्थिक जुर्माना सुनायी है। पहली बार जमशेदपुर पुलिस के लिए बड़ी उपलब्धि मिली है। इससे अनुसंधानकर्ताओं का मनोबल बढ़ेगा। साथ ही लोगों का पुलिस एवं न्यायालय के प्रति आस्था सुदृढ़ होगी। एसएसपी ने बताया जिले के 42 ऐसे मामलों की सूची तैयार की गयी। सभी मामले का उद्भेदन एक महीने के अंदर करने का निर्देश दिया गया।

वहीं एसएससी ने कार्यालय सभागार में सभी थाना प्रभारी एवं पुलिस पदाधिकारियों के साथ बैठक में एएसआइ गुरुदयाल सिंह मुंडा के पुलिसिया कार्य पर संतुष्टि जाहिर की। उन्होंने जिले के सभी पुलिस अनुसंधानकर्ताओं को समय के साथ कार्यशैली में बदलाव लाने की निर्देश दिया। मौके पर एसएसपी प्रभात कुमार ने बताया जिले में अवैध नाश के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। आने वाले दिनों में पूर्वी सिंहभूम को अवैध नाश मुक्त जिला बनाने का प्रयास होगा। इसके लिए जनता के सहयोग अपेक्षित है।

पैसेंजर ट्रेन लेट चलने से यात्रियों में आक्रोश, जमकर विरोध, मिला आश्वासन

चक्रधरपुर (आजाद सिपाही)। बीते कई दिनों से चक्रधरपुर टाटा पैसेंजर ट्रेन लेट चलने से यात्रिओ में आक्रोश याप्त है। शुक्रवार को आक्रोशित यात्रियों ने गम्हरिया सिनी स्टेशन के बीच क्रॉसिंग में ट्रेन रुकने से जम कर हंगामा मचाया। वही सैकड़ों की संख्या में यात्री का विरोध लगभग दो घंटे तक जारी रहा। यात्रियों के अनुसार पैसेंजर ट्रेन में चक्रधरपुर, राजखरसावां, सीनी गम्हरिया जैसे दर्जनों स्टेशन से यात्रा करने वाले डेली पैसेंजर आवागमन करते है। मजदूर ट्रेन से आदित्यपुर औद्योगिक क्षेत्र के विभिन्न कंपनियों में रोजगार के लिए आते है। प्रतिदिन ट्रेन बिलंब होने से मजदूर रोजगार से बंचित हो रहे है। जिसका खामियाजा परिवार में भुगतना पड़ता है। शिकायत के बाद भी समय से ट्रेन नहीं पहुंचती है। शुक्रवार को ट्रेन जगह-जगह रुकते हुए काफी लेट हो चुकी थी। वही यशपुर फाटक के पास खड़ी हो गयी, जिससे यात्रियों का आक्रोश फूट उठा और विरोध शुरू हो गया। उधर सूचना मिलते ही रेलवे पुलिस एवं अधिकारी पहुंच कर यात्रियों को भरोसा दिलाते हुए समय पर ट्रेन चलने का आश्वासन दिया।

खुदीराम का जीवन त्याग, सेवा, समर्पण और साहस की प्रेरणा देता रहेगा : काले

खुदीराम जैसे क्रांतिकारियों से ही हमारी पहचान हैं : बृजभूषण

देश की आन-बान और शान के लिए खुदीराम बोस ने अपना सर्वस्व बलिदान दिया : राजीव

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। खुदीराम बोस के शहादत दिवस पर सामाजिक संस्था नमन द्वारा संस्थापक अमरप्रीत सिंह काले के नेतृत्व में मातृशक्ति, युवा शक्ति एवं गणमान्यों की उपस्थिति में उन्हों अपनी भावपूर्ण श्रद्धा सुमन अर्पित की गयी। एक बार विदाई दे मां, घूरे आसी। हंसी हंसी पोरबो फांसी देखबे भारतबासी। का अमर गीत गुनगुना भावुक हो अमरप्रीत सिंह काले ने उन्हें अपनी श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कहा कि आजादी की लड़ाई में कुछ नौजवानों का बलिदान इतना उद्वेलित करने वाला था कि उसने पूरे देश में स्वतंत्रता संग्राम का रूख बदलकर रख दिया, इनमें एक नाम खुदीराम बोस का है, जिन्हें 11 अगस्त 1908 को फांसी दे दी गयी। आओ झुक कर सलाम करें उनको, जिनके हिस्से में ये मुकाम आता है, खुशनसीब होता है वो खून जो देश के काम आता है'। ये पंक्तियां अक्सर उन स्वतंत्रता सेनानियों के लिए गुनगुनायी जाती रही हैं जिन्होंने खुद को देश के लिए कुर्बान कर दिया।

इस मौके पर वरिष्ठ पत्रकार बृज भूषण सिंह ने कहा कि- राष्ट्र के प्रति अमर शहीद खुदीराम बोस का अमर प्रेम नई पीढ़ी और देशवासियों को हमेशा ही प्रेरणा देता रहेगा। देश को अंग्रेजों की दास्तां से मुक्ति दिलाने की खातिर अनेकों क्रांतिकारियों ने संघर्षपूर्ण प्रयत्न करते हुए हंसते-हंसते देश की खातिर अपने प्राण न्यौछावर कर दिए, हमें ऐसे क्रांतिकारियों और शहीदों का हमें सम्मान करना चाहिए। कम उम्र में ही खुद को राष्ट्र के लिए कुर्बान करने वाले अमर शहीद खुदीराम बोस को नमन।

इस मौके पर रामकेवल मिश्रा ने कहा कि भारत के स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में खुदीराम बोस का नाम अमिट है। देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहूति देने वाले अमर शहीद खुदीराम बोस में वतन के लिए मर मिटने का जज्बा कुछ ऐसा था जो भावी पीढ़ी को सदैव देशहित के लिए त्याग, सेवा और कुर्बानी की प्रेरणा देता रहेगा।

इस मौके पर उपस्थित अन्य प्रबुद्धजनों ने अपने अपने विचार रख उन्हें अपनी श्रद्धांजलि दी संचालन राजीव कुमार ने एवं धन्यवाद ज्ञापन रिया मित्रा ने किया। इस मौके पर अमिताभ चटर्जी, बंटी सिंह, जितेन्द्र चावला, बाबू तिवारी, बिपिन झा, बी के शर्मा, अमरजीत सिंह, प्रमिला शर्मा, महेंद्र सिंह, सुखविंदर सिंह निक्कू, सतिंदर सिंह रोमी, कश्मीर सिंह, पंकज वर्मा, लाला जोशी, पप्पू राव, महेश मिश्रा, जुगुन पांडे, डी मनी, लख्खी कौर, कमलजीत कौर, ममता पुष्टि, कोमल कुमारी एवं अन्य ने शामिल होकर श्रद्धा सुमन अर्पित किया।

कन्या विवाह एंड विकास सोसाइटी के सचिव मुख्यमंत्री से मिले

101 कन्याओं के विवाह में शामिल होने के लिए दिया आमंत्रण पत्र

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। जिले के टाउन हॉल में आयोजित 101 निर्धन हिन्दू एवं मुस्लिम कन्याओं के सामूहिक विवाह समारोह को सफल करने हेतु संस्था सचिव विकाश कुमार माली झारखण्ड राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मिलकर प्रशासनिक सहयोग एवं 6 दिसंबर को आयोजित होने वाले 101 कन्याओं के सामूहिक विवाह समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित होने के लिए आमंत्रण पत्र देकर समय निर्धारण के लिए अनुरोध किया। मौके पर संस्था के सचिव ने बताया कि सोसायटी का मुख्य उद्देश्य बाल विवाह, दहेज प्रथा, भ्रूण हत्या पर रोक लगाने एवं सामूहिक विवाह को प्रोत्साहित करने के लिए जागरूक करने का कार्य करती है। जो कि विगत 13 वर्षों से गया जिला से शुरू कर बिहार-झारखण्ड राज्य के विभिन्न जिलों में कार्य विस्तार करते हुए लगभग 13 हजार कन्याओं को उनके विवाह स्थल पर एवं हजारों कन्याओं का सामूहिक विवाह राज्य के मंत्रीगण, प्रशासनिक पदाधिकारी, समाजसेवी के समक्ष संपन्न कराकर उपहार स्वरुप घरेलू उपयोग में आने वाली वस्तुएं जैसे गोदरेज, पलंग, ट्रंक, बर्तन शेट, तोषक, रजाई, कुकर, वर-वधू वस्त्र आदि देकर सम्मान पूर्वक विदा कर चुकी है। उन्होंने यह भी बताया कि संस्था महिला सशक्तिकरण को लेकर दृढ़ संकल्पित है और समाज में व्याप्त बाल विवाह, दहेज प्रथा जैसी कुरीतियों को मिटाने के लिए सदा तत्पर है।

मौके पर कोषाध्यक्ष उषा कुमारी, राजेश कुमार सिन्हा हासिबुल्लाह अंसारी, अररिया जिला प्रबंधक ओम प्रकाश यादव आदि मौजूद थे।

युवाओं को स्वरोजगार और रोजगार पाने की दी गयी जानकारी

कांडी (आजाद सिपाही)। झारखंड कौशल विकास मिशन सोसायटी व श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग, झारखंड के तहत मुख्यमंत्री सारथी योजना हेतु शुक्रवार को रोजगार मेला हेतु प्रखंड कार्यालय के सभागार में युवाओं व युवतियों को स्वरोजगार तथा रोजगार पाने हेतु कार्यक्रम के माध्यम से जानकारी दी गयी। कार्यक्रम का शुभारंभ कांडी बीडीओ मनोज कुमार तिवारी ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम में पिरामल फाउंडेशन से दुर्गेश तिवारी ने गूगल रीड अलोंग की विस्तृत जानकारी दी। वहीं एमजीएनएफ फेलो कौशल विभाग से सौरभ कुमार ने झारखंड सरकार की योजनाओं की जानकारी, कौशल प्रशिक्षण केंद्र जैसी योजनाओं की जानकारी दी। इसके अलावे सभा में उपस्थित 18 से 35 वर्ष के सभी युवकों व युवतियों को सिलाई, अंग्रेजी बोलना, कंप्यूटर चलाना, व्यवहारिक कौशल , सॉफ्ट स्किल की भी निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण की अवधि दो माह व शैक्षणिक योग्यता आठवीं पास की जानकारी सहित कई तरह की महत्वपूर्ण जानकारी दी गयी। सही तरीके से प्रचार प्रसार नहीं होने की वजह से कांडी प्रखंड के सैकड़ों युवा इस कार्यक्रम से वंचित रह गए। कार्यक्रम में स्किल सेंटर भवनाथपुर के संचालक विकास कुमार व दक्ष्य एकेडमी गढ़वा की ओर से यमुना प्रसाद सहित कई युवक व युवती कार्यक्रम में उपस्थित थे।

रंका अनुमंडल में स्वतंत्रता दिवस पर झंडोत्तोलन और परेड की तैयारी शुरू

रंका (आजाद सिपाही)। रंका अनुमंडल मुख्यालय के राजकीयकृत उच्च विद्यालय के मैदान में पहली बार स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर सार्वजनिक झंडोत्तोलन कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए पुलिस के जवानों एवं विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं के द्वारा परेड की तैयारी शुरू कर दी गई है। इस परेड की तैयारी में कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय रंका, परियोजना कन्या उच्च विद्यालय रंका, संत जोसेफ उच्च विद्यालय विश्रामपुर, वन विभाग रंका, रंका थाना, अनुमंडल एवं जिला पुलिस बल तथा रंका राजकीय कृत्य उच्च विद्यालय के छात्र-छात्राओं के द्वारा एक सप्ताह पूर्व से परेड का अभ्यास जारी है। स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर स्कूली छात्र-छात्राओं के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया जाएगा। जिसको लेकर बच्चों एवं शिक्षकों में काफी उत्साह का वातावरण बना हुआ है। अपने-अपने विद्यालयों के बच्चों को गीत, संगीत, नृत्य, नाटक का मंचन तथा अन्य खेलकूद गतिविधि के लिए तैयारी विद्यालय स्तर पर जोर शोर से हो रही है। रंका अनुमंडल के प्रथम सार्वजनिक झंडोत्तोलन कार्यक्रम को यादगार बनाने के लिए अनुमंडल की दस महत्वपूर्ण व्यक्तियों का एक दल का निर्माण बीडीओ देवानंद राम की अध्यक्षता में किया गया है।

प्रदर्शन : राज्य सरकार की नीतियों के विरोध में भाजयुमो ने आक्रोश मार्च निकाला

झामुमो सरकार में युवाओं से छल किया जा रहा है : ओमप्रकाश केशरी

सरकार छात्र युवा विरोधी अध्यादेश को तत्काल वापस ले अन्यथा भाजयुमो चरणबद्ध आंदोलन को बाध्य होगा : रितेश चौबे

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। भाजयुमो जिलाध्यक्ष रितेश चौबे की अध्यक्षता में राज्य सरकार की नीतियों के विरोध में आक्रोश मार्च जिला कार्यालय से समाहरणालय गढ़वा तक निकाला गया। कार्यक्रम के दौरान प्रतियोगिता परीक्षा विधेयक 2023 वापस लो.. जैसे अनेकों नारे कार्यकर्ताओं ने लगाये। कार्यक्रम के उपरांत राज्यपाल झारखंड के नाम उपायुक्त गढ़वा को मांग पत्र सौंपा गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश केशरी ने कहा कि झामुमो सरकार छात्र युवा विरोधी है। हेमंत सरकार ने प्रतियोगिता परीक्षा विधेयक 2023 (काला कानून) लाया है इससे छात्र युवा का भविष्य अंधकारमय हो जाएगा। उन्होंने कहा कि झामुमो सरकार में युवाओं को छलने का काम किया जा रहा है। हेमंत सरकार झारखंड में हिटलरशाही चला रही है युवाओं को कुचलने का प्रयास किया जा रहा है लेकिन अब युवा मौन नहीं बैठेंगे। भाजपा जिला महामंत्री संतोष दूबे ने कहा कि झामुमो सरकार युवा विरोधी सरकार है। युवाओं के आवाज को दबाने के लिए तरह तरह का अनर्गल नियम कानून बना रहा है। जिससे युवाओं की आवाज को दबाया जा सके। लेकिन अब सबको मिलकर ऐसी निकम्मी सरकार को उखाड़ फेंकना होगा, तभी झारखंड का भला होगा।

भाजयुमो जिलाध्यक्ष रितेश चौबे ने कहा कि झामुमो सरकार ने प्रतियोगिता परीक्षा विधेयक लाकर छात्र युवाओं की आवाज को दबाने का प्रयास कर रही है। लेकिन अब युवा विरोधी हेमंत सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए युवा तैयार हैं। गांव शहर हर जगह युवाओं में काफी आक्रोश है। उन्होंने कहा कि हेमंत सरकार युवा विरोधी जन विरोधी सरकार है। आनेवाले समय में युवा विरोधी सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए युवा समुदाय संकल्पित है। उन्होंने कहा कि झामुमो सरकार छात्र युवा विरोधी अध्यादेश को तत्काल वापस ले अन्यथा भाजयुमो गढ़वा जिला के तमाम छात्र युवा के लिए चरणबद्ध आंदोलन को बाध्य होगा। भाजयुमो कार्यकर्ता छात्रों युवाओं के साथ अन्याय नहीं होने देंगे। कार्यक्रम में मुख्य रूप से वरिष्ठ भाजपा नेता शारदा महेश प्रताप देव, पूर्व जिलाध्यक्ष विनोद तिवारी, मीडिया प्रभारी विवेकानंद तिवारी, भाजपा नेता ब्रजेश धर दुबे, मीरा यादव, पार्वती सिंह, लक्ष्मीकांत पाण्डेय, बिपिन तिवारी, मनीष गुप्ता, टुना बाबा, राम उनय तिवारी, मंडल अध्यक्ष उमेश कश्यप, अखिलेश तिवारी, उदय कुशवाहा, बसंत प्रसाद, लखन चौधरी, कंचन पांडेय, देवकांत ओझा, बलराम यादव, ज्ञान रंजन चौबे, सकेन्द्र चौधरी, रविन्द्र प्रसाद, गिरीवर यादव, नंदु चौधरी, जितेन्द्र चंद्रवंशी, श्रवण तिवारी, राजेन्द्र गुप्ता, बैजनाथ शुक्ल, वेदप्रकाश तिवारी, नयमुद्दीन खान, योगेन्द्र गुप्ता, लाल बिहारी यादव, पन्ना सिंह, नशरुद्दीन अंसारी, विजय तिवारी, सुमीत तिवारी, खुर्शीद आलम, मुन्ना तिवारी, शेखर धर दुबे, रितेश अग्रवाल, अभिषेक तिवारी, छोटु मेहता, रविन्द्र यादव, विष्णुदेव यादव हरिहर मेहता सत्यनारायण ठाकुर सहित अन्य सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल हुए।

प्रतियोगी परीक्षा विधेयक मेहनती अभ्यर्थियों के पक्ष में है : धीरज दुबे

आजाद सिपाही संवाददाता

झामुमो प्रवक्ता ने प्रतियोगी परीक्षा विधेयक का विरोध को बेतुका बताया

कहा- भाजपा कदाचार और भ्रष्टाचार की पक्षधर है

गढ़वा। झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रवक्ता धीरज दुबे ने भारतीय जनता पार्टी के द्वारा प्रतियोगी परीक्षा विधेयक का विरोध को बेतुका और बेबुनियाद बताया। उन्होंने बताया कि भाजपा अपने व्यवहार के अनुरूप पुनः लोगों को बरगलाने का काम कर रही है। जबकि यह विधेयक गुजरात, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में पहले से लागू है। ऐसे में झारखंड में भाजपा के विरोध से साफ जाहिर होता है कि भारतीय जनता पार्टी कदाचार और भ्रष्टाचार की पक्षधर है। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने वाले छात्रों के सुनहरे भविष्य के लिए यह विधेयक अति आवश्यक है क्योंकि यह विधेयक अब परिक्षाओं में होने वाली नकल और अनुचित साधनों के उपयोग और अनियमितताओं पर नकेल कसने का एक कारगर उपाय साबित होगा। 17 वर्ष तक झारखंड में शासन करने वाली भाजपा के कार्यकाल के दौरान कई परीक्षाओं में पेपर लीक होने, परीक्षा में सेटिंग तथा परीक्षा केंद्रों पर अनियमितता का मामला सामने आया, संबंधित कई मामले न्यायालय तक पहुंचे परंतु पूरे जनजालों में नुकसान सिर्फ यहां के मेहनती छात्रों एवं अभ्यर्थियों का ही हुआ।

सेल के कम्युनिटी हॉल पर अवैध कब्जा की सूचना पर अधिकारियों ने किया निरीक्षण

कब्जा के उद्देश्य से सफाई में लगे पानी टैंकर को प्रशासनिक टीम ने किया जब्त

आजाद सिपाही संवाददाता

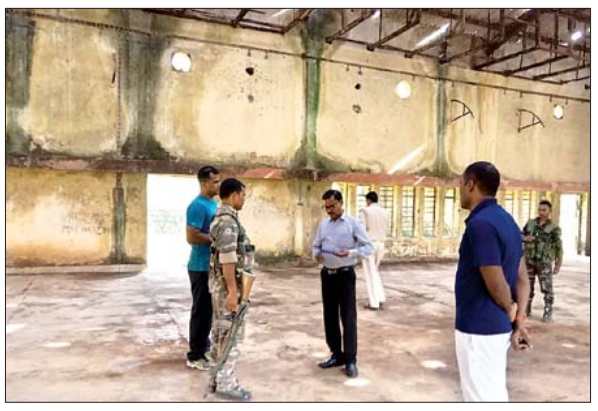

भवनाथपुर। टाउनशिप स्थित सेल के कम्युनिटी हॉल को अवैध रूप से कब्जा किए जाने की सूचना पर सेल के भूसंपदा पदाधिकारी सह कार्मिक प्रबंधक बी दिगल, सहायक प्रबंधक राजेश कुमार ने मौके पर पहुंचकर कम्युनिटी हॉल का जायजा लिया।

सेल के आवासीय परिसर में सेल का कम्युनिटी हॉल स्थित है, जो वर्तमान में जीर्ण-शीर्ण अवस्था में है। जिसमें सूचना के अनुसार कुछ लोगों के द्वारा कम्युनिटी हॉल को कब्जा के लिए सफाई की जा रही थी। प्रशासनिक टीम ने मौके पर से अरसली उत्तरी पंचायत का सरकारी पानी टैंकर जब्त कर लिया। बताया गया कि कम्युनिटी हॉल में कुछ लोग कब्जा कर मुर्गी फार्म खोलने की फिराक में थे। इसी बीच सीआईएसएफ द्वारा महाप्रबंधक मनोज कुमार को इसकी सूचना दी गई। प्राप्त सूचना के आलोक में भूसंपदा पदाधिकारी बी दिगल ने मौके पर पहुंचकर टैंकर को जब्त किया। अरसली उत्तरी पंचायत का सरकारी पानी टैंकर यहां कैसे पहुंचा इसकी जांच थाना पुलिस व सीआईएसएफ कर रही है। टैंकर को जब्त कर प्रशासनिक भवन में लगाया गया है। सेल अधिकारी बी दिगल ने बताया कि स्थानीय थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई जा रही है, साथ ही कम्युनिटी हॉल को ध्वस्त करने के लिए बोकारो को प्रस्ताव भेजा जाएगा। उन्होंने बताया कि सेल के आवासीय परिसर में बहुत सारे लोग क्वार्टर को भी अवैध कब्जा किए हैं, जिसे लेकर सेल प्रबंधन कार्रवाई के मूड में है।

मौके पर सीआईएसएफ के सहायक समादेष्टा मधुसूदन महेश्वरी, थाना के एएसआई रब्बुल अंसारी मौजूद थे।

कार्यक्रम : जीएन कॉन्वेंट स्कूल में पर्यावरण संरक्षण जागरूकता अभियान कार्यक्रम आयोजित

प्लांट से ही प्लानेट की रक्षा संभव : एमपी केसरी

विद्यालय परिसर में पौधरोपण कर छात्र-छात्राओं को पर्यावरण संरक्षण की दिलायी गयी शपथ

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। सीबीएसई से मान्यता प्राप्त स्थानीय जी.एन. स्कूल में पर्यावरण संरक्षण जागरूकता अभियान के तहत कई कार्यक्रम आयोजित किए गए जिसमें बच्चों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय के निदेशक मदन केशरी, उपप्राचार्य बसंत ठाकुर ने सम्मिलित रूप से दीप प्रज्वलित कर की। अपने संबोधन में निदेशक ने कहा कि पर्यावरण हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण अंग है। बदलते परिवेश में पर्यावरण असंतुलन का दुष्प्रभाव पूरे विश्व में जो दिखाई दे रहा है उसकी रक्षा करना समस्त मानव के लिए आवश्यक है। लापरवाही बरतने का अर्थ है स्वयं का विनाश। धरती की बढ़ता तापमान पूरे जीवों को हासिए पर खड़ा कर दिया है। विश्व इस विकट संकट को झेल रहा है। प्रकृति एवं प्राकृतिक क्षेत्रों से छेड़-छाड़ करने के परिणामस्वरूप पर्यावरण के अस्तित्व पर गहरा प्रभाव पड़ रहा है। पर्यावरण जागरूकता अभियान का उद्देश्य वर्तमान एवं आने वाली पीढ़ी को जागरूक करना है।मानव जाति के कल्याण एवं अस्तित्व के लिए पर्यावरण का संरक्षण एवं सुधार आवश्यक है। विद्यालय में 'इको क्लब' की स्थापना इसी उद्देश्य से की गई है जिसके अंतर्गत वृक्षारोपण, जल संचय, खेतों में प्राकृतिक खादों का प्रयोग अधिक से अधिक करने के लिए लोगों को प्रोत्साहित करना है।विदित है कि पर्यावरण और प्राणी एक दूसर का पूरक हैं। अधिक जनसंख्या, जल का दुरुपयोग, वैज्ञानिक प्रयोग, वैज्ञानिक प्रयोग, ओजोन परत का नुकसान, वनों की कटाई आदि मानव जाति के लिए गंभीर खतरा है। पर्यावरण नहीं तो जीवन नहीं। इसके अनदेखी से -कई प्राकृतिक आपदाएँ पूरे विश्व में अपना प्रभाव दिखा रही है।

विद्यालय द्वारा उपलब्ध कराए गए विभिन्न प्रकार के पौधों का रोपण निदेशक एवं छात्र-छात्राओं द्वारा किया गया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं को पर्यावरण जागरूकता अभियान के तहत शपथ दिलाई गई। बच्चों द्वारा लाए गए रंग-बिरंगे गमलो में लगे पौधों को विद्यालय परिसर में स्थापित किया गया। इस निबंध प्रतियोगिता एवं चित्र-कला के प्रतियोगिता के माध्यम से बच्चों ने पर्यावरण के प्रति अपनी लगाव को प्रदर्शित किया। विभिन्न कार्यक्रमों में अव्वल रहे छात्र- छात्राओं को निदेशक द्वारा प्रशस्ति पत्र एवं मेडल प्रदान किया गया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में शिक्षक मुकेश कुमार भारती, खुर्शीद आलम, नरेन्द्र सिन्हा, आलोक सिन्हा, नीरा शर्मा, सरिता दूबे, निलम कुमारी, सुनिता कुमारी, शिवानी कुमारी, सुषमा तिवारी संतोष प्रसाद आदि की भूमिका सराहनीय रही। वहीं मंच का संचालन स्कूल कैप्टन शिवम कुमार और धन्यवाद ज्ञापन शिक्षक संजीव कुमार ने की।

महत्वपूर्ण न्यूज

एनपीयू के कुलपति तपन शांडिल्य का राजकीय मवि, नगर उंटारी में किया गया स्वागत

श्री बंशीधर नगर (आजाद सिपाही)। नीलाम्बर पीताम्बर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ तपन कुमार शांडिल्य सपरिवार शुक्रवार को बाबा बंशीधर मंदिर व राजा पहाड़ी स्थित शिव मंदिर में पूजा अर्चना करने के बाद राजकीय मध्य विद्यालय नगर उंटारी पहुंचे। कुलपति के आगमन पर विद्यालय की छात्राओं ने स्वागत नृत्य प्रस्तुत कर उनका स्वागत किया। छात्राओं ने सत्यम शिवम सुंदरम व टन टन घण्टी बजे- स्कूल चले हम गाने, पर आकर्षक नृत्य प्रस्तुत किया। छात्राओं द्वारा प्रस्तुत नृत्य व शिक्षाप्रद गीत सुनकर कुलपति काफी प्रभावित हुए तथा छात्राओं को पुरस्कृत कर उन्हें आशीर्वाद दिया। उन्होंने विद्यालय परिवार की सराहना करते हुये कहा कि यहां सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं एक परिवार की तरह रहकर कार्य करते हैं, जो काफी सराहनीय है। उन्होंने विद्यालय परिसर की साफ-सफाई व वर्ग व्यवस्था देखकर प्रसन्नता व्यक्त की। विद्यालय के प्रधानाध्यापक अनिल कुमार विश्वकर्मा ने तथा विद्यालय के शिक्षकों ने बुके देकर कुलपति को सम्मानित किया। मौके पर कुलपति कार्यालय के सहायक राजीव मुखर्जी, श्री सद्गुरु जगजीतसिंह नामधारी महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ धर्मचन्दलाल अग्रवाल, प्रो. सरोज कुमार, शिक्षक खुशदिल सिंह, आफताब आलम, अनूप कुमार ठाकुर, मीरा कुमारी, शशि कुमारी सहित सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित थे।

भाजपा महिला मोर्चा ने किया पौधरोपण

गढ़वा (आजाद सिपाही)। भाजपा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष बीणा अग्रवाल की अध्यक्षता में मथुरा बांध परिसर में पौधरोपण किया गया। नीम, अमरूद, नींबू, शीशम, पीपल, पपीता, इत्यादि का पौधा लगाया गया। मौके पर सचिव मीना देवी, पुष्पा अग्रवाल, सुशमा केशरी, श्वेता अग्रवाल, रश्मि अग्रवाल, रूचि अग्रवाल, गायत्री देवी, रिंकी देवी सहित कई लोग उपस्थित थे।

दिनेश कॉलेज ऑफ एजुकेशन में ऑनलाइन वेबिनार आयोजित

गढ़वा (आजाद सिपाही)। स्थानीय दिनेश कॉलेज ऑफ एजुकेशन के तत्वावधान में आज शुक्रवार को एक दिवसीय ऑनलाइन वेबिनार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जहां राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 चुनौतियां और संभावनाएं गोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में बाबू दिनेश सिंह विश्वविद्यालय के कुलाधिपति दिनेश प्रसाद सिंह उपस्थित रहे। स्वागत भाषण प्राचार्य डॉक्टर सुनीता गुप्ता के द्वारा किया गया तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 चुनौतियां और संभावनाएं विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए नई शिक्षा नीति को भारत के शैक्षिक विचारों का दर्पण कहा प्रथम वक्ता के रूप में डॉ रूपम कुमारी सह प्रधानाध्यापक डायट चितरपुर रामगढ़ झारखंड ने नई शिक्षा नीति पर विस्तृत रूप से अपने विचार को प्रस्तुत किया द्वितीय वक्ता के रूप में डॉक्टर दीपशिखा सह प्रधानाध्यापक फ्लाहे उम्मत गर्ल्स डिग्री कॉलेज भदोही उत्तर प्रदेश के नए शिक्षा नीति पर अपना विचार प्रस्तुत किया भविष्य की संभावनाओं पर अपने विचार प्रस्तुत किये। इस वेबिनार में विभिन्न महाविद्यालय के प्राचार्य, प्रधानाध्यापक और प्रशिक्षु ने ऑनलाइन भाग लेकर कार्यक्रम का लाभ उठाया। महाविद्यालय से इस कार्यक्रम में उपप्राचार्य डॉक्टर शैलेंद्र कुमार सिंह एवं बीएड एवं डीएलएड के सहायक प्रधानाध्यापक अरविंद तिवारी, अशोक कुमार यादव, जनार्दन शुक्ला, आनंद कुमार चौबे, डॉ आशुतोष मिश्रा, अभिमन्यु शुक्ला, राकेश कुमार सिंह, शशिकांत सिंह यादव, ओमप्रकाश, सुधीर कुमार धर दुबे, बीएन सिंह आदि ऑनलाइन जुड़े रहे। ऑनलाइन कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर आशुतोष मिश्रा के द्वारा तथा धन्यवाद ज्ञापन सुनीता गुप्ता के द्वारा किया गया।

कार्यक्रम : राज्य सरकार की नीतियों के विरोध में भाजयुमो ने आक्रोश मार्च निकाला

शहीदों की याद में एनएसएस ने किया पौधरोपण

'मेरी माटी मेरा देश' के तहत सूरत पाण्डेय डिग्री कॉलेज एनएसएस इकाई ने किया कार्यक्रम

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। शहीदों एवं वीर सैनिकों की याद में मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के अर्न्तगत सूरत पाण्डेय डिग्री कॉलेज की एनएसएस इकाई द्वारा महाविद्यालय परिसर तथा एडॉप्टेड विलेज उड़सुगी में 75 विभिन्न पौधे लगाए गए। इस कड़ी में शुक्रवार को पुनः महाविद्यालय परिसर में पौधरोपण का कार्यक्रम आयोजित किया गया।

मौके पर महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य प्रो. निकलेश चौबे ने कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों तथा देश की सुरक्षा में जान न्यौछावर करने वाले वीर जवानों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए पौधरोपण कार्यक्रम किया गया। प्राचार्य ने छात्र-छात्राओं को देश पर अपना सर्वस्व न्यौछावर करने वाले वीर जवानों के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी रखी। इस मौके पर एनएसएस के कार्यक्रम पदाधिकारी प्रो. कमलेश सिन्हा ने कहा कि वीर सेनानी सरहद पर देश की सुरक्षा करते हैं और राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक समाज से जुड़ी समस्याओं के निदान में सहयोग करने का प्रयास करते हैं। साथ ही पर्यावरण की रक्षा के प्रति समर्पित होकर पौधरोपण का कार्य कर रहे हैं। कुल 75 पौधे महाविद्यालय परिसर तथा गोद लिये गये गांव में लगाए गए। उन्होंने इसके लिए पर्यावरण परिवार का भी आभार जताया। मौके पर डा. अरुण कुमार तिवारी, डा. बिनोद कुमार द्विवेदी, डा. उमेश सहाय, प्रो. अखिलेश पाठक, प्रो. भरत उपाध्याय, गुलाम नबी आजाद, हिमांशु गुप्ता, मनीष तिवारी, प्रखर प्रत्युष, आदर्श तिवारी, वंदना कुमारी, सना परवीन, सुहाना सफर आदि उपस्थित थे। मौके पर छायादार, फलदार, औषधीय आदि पौधे लगाए गए।

नसीहत : सभी चिकित्सकों की उपस्थिति और अस्पतालों के औचक निरीक्षण पर दिया जोर

ग्रामीणों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराना पहली प्राथमिकता : डीसी

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। डीसी लोकेश मिश्र की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक शुक्रवार को हुई।इस दौरान पीएम-एभी (ए एबीएचआइएमम) के तहत बनाए जा रहे उप केंद्रों के कार्यों की डीसी ने जानकारी ली। साथ ही गुणवत्तापूर्ण रूप से योजना के क्रियान्वयन के निर्देश दिए। बैठक के दौरान डीसी ने एमओआइसी और चिकित्सकों के कार्य व दायित्वों के संबंध में विस्तार से चर्चा की गयी। डीसी ने कहा कि उचित स्वास्थ्य सुविधा के साथ-साथ अस्पताल प्रबंधन पर भी विशेष ध्यान दिया जाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि संसाधनों का पूर्ण व उचित प्रयोग अतिआवश्यक

पदाधिकारियों के साथ बैठक करते खूंटी के डीसी लोकेश मिश्र।

है। साथ ही सभी चिकित्सकों की उपस्थिति भी सुनिश्चित की जाय। इसे लेकर अस्पतालों में औचक निरीक्षण भी किए जायेंगे। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य है कि स्वास्थ्य सुविधाएं ग्राम स्तर पर उपलब्ध हों। इस दौरान मेरा माटी मेरा देश के अलावा शिलाफल्कम (स्मारक पटिका) का निर्माण, शपथ एवं सेल्फी, वसुधा वंदन, वीरों का वंदन, झंडोत्तोलन और राष्ट्रगान कार्यक्रम के संबंध में चर्चा की गई। बताया गया कि पंचायतों में स्थित अमृत सरोवर के चारों ओर 75 स्वदेशी वृक्षारोपण कर अमृत वाटिका बनाई जायेगी। अमृत वाटिका में वीर शहीदों की याद में एक शिलाफल्कम (स्मारक पटिका) का निर्माण किया जाएगा।

खूंटी नगर पंचायत ने शुरू किया मेरी मिट्टी मेरा देश अभियान

खूंटी (आजाद सिपाही)। आजादी का अमृत महोत्सव के तहत स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर आमजनों में देशप्रेम की भावना जागृत करने के उद्देश्य से देश भर में नौ से 15 अगस्त तक मेरी माटी मेरा देश अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में शुक्रवार को अभियान की शुरूआत नगर पंचायत की ओर से की गई। मौके पर शिलाफलकम में शहीदों के नाम का विधिवत उद्घाटन डीसी लोकेश मिश्र ने किया। साथ ही वसुधा वंदन कार्यक्रम के तहत एसडीओ तालाब के समीप दीप प्रज्वलित कर अभियान का शुभारंभ किया गया। डीसी, एसपी अमन कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी अनिकेत सचान, सीआरपीएफ के कमांडेंट राधेश्याम सिंह, सीआरपीएफ के जवान, कार्यपालक पदाधिकारी, नगर पंचायत रवि प्रकाश के अलावा वार्ड पार्षद और नागरिकों ने मिट्टी को नमन, वीरों का वंदन कार्यक्रम में भाग लिया। इसके साथ ही वसुधा वंदन कार्यक्रम के तहत एसडीओ तालाब के निकट पौधारोपण किया गया। जन संपर्क विभाग द्वारा जारी विज्ञाप्ति में बताया गया कि शनिवार को नगर पंचायत की ओर से वीरों का वंदन, शहीदों के घर जाकर उनके परिवार के सदस्य-आश्रित को सम्मानित किया जाएगा। साथ ही उन्हें शॉल एवं पुष्प गुच्छ देकर उनका सम्मान किया जाएगा। इसके अलावा शहीद घर से मिट्टी लाने का कार्य और टाउन हॉल में इकट्ठा करना है। आजादी का अमृत महोत्सव के समापन एवं स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर आम जनों में राष्ट्र भावना एवं राष्ट्रप्रेम जागृत करने के उद्देश्य से नौ से लेकर 15 अगस्त तक जिले की पंचायतों एवं ग्रामों से कलश में मिट्टी एकत्र कर उसे प्रखंड के माध्यम से जिले में भेजा जाएगा। उक्त मिट्टी को कर्तव्य पथ, नई दिल्ली ले जाया जाएगी, जहां देश भर की मिट्टी को एकत्र कर 30 अगस्त को मुख्य कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

धमधमिया तलाब में डाला गया मछली का जीरा

खलारी (आजाद सिपाही)। तुमांग मत्स्य पालन समिति की ओर से शुक्रवार को धमधमिया स्थित बोरा गढ़हा तालाब में मछली का जीरा डाला गया। समिति के लोगों ने बताया कि मछली पालन के माध्यम से रोजगार उपलब्ध कराने का काम होगा। समिति में 14 सदस्य हैं। तालाब में रेहु, कतला एवं मिरगा मछली का जीरा डाला गया है। मुखिया संतोष कुमार महली एव पंचायत समिति सदस्य सहदेव महली ने बताया कि समिति की ओर से युवाओं को मछली पालन के माध्यम से रोजगार से जोड़ने की एक अच्छी पहल है। तुमांग पंचायत में मछली पालन के माध्यम से लोगो को काफी रोजगार से जोड़ा गया है और अब इस समिति की यह पहल काफी सराहनीय कदम है। इस मौके पर बसंत महतो, कयूम असारी, बबलू उराँव, महेश महली, गेंदवा गंझू, गोविंद लोहार, जगदीश गंझू, नरेश महतो, मुरारी शर्मा, विनय उरांव, प्रदीप कुमार सिंह आदि उपस्थित है।

भाजपा नेता के प्रयास से विधायक ने खिलाड़ियों को दी खेल सामग्री

पिपरवार (आजाद सिपाही)। भाजपा पिपरवार मंडल उपाध्यक्ष करण कुमार महतो के प्रयास से सिमरिया विधायक किशुन कुमार दास ने पिपरवार क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों के खिलाड़ियों के बीच खेल सामाग्री का वितरण किया। जानकारी के अनुसार भाजपा पिपरवार मंडल उपाध्यक्ष करण कुमार महतो ने क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों के खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाने के लिए विधायक किशुन दास से खेल सामग्री बांटने की अपील की थी। जिसे देखते हुए विधायक ने पिपरवार क्षेत्र के बहेरा, किचटो और बिलारी टीम के खिलाड़ियों के बीच जर्सी एंव फुटबॉल का वितरण किया। इस संबंध में कारण महतो ने बताया कि खेल के क्षेत्र में खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने के लिए विधायक का यह प्रयास काफी सराहनीय है। विधायक के इस प्रयास से खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ेगा। उन्होंने सभी खिलाड़ियों से बेहतर खेल का प्रदर्शन कर अपने क्षेत्र जिला और राज्य का नाम रोशन करने की अपील की। इधर, फुटबॉल और जर्सी पाकर खिलाडी काफी खुश हुए। इस मौके पर करण कुमार महतो, धनराज भोक्ता, शंकर महतो, संजय कुमार गंझू, सोनू गुप्ता, बिनोद महतो, विक्रम कुमार, संतोष, जितेंद्र, राज, पंकज, मनतोष, बाला, पवन, कीटी आदि मौजूद थे।

450 लीटर अवैध चुलाई शराब और 2510 किलो जावा महुआ नष्ट किया

खलारी (आजाद सिपाही)। खलारी और बुढ़मू थाना क्षेत्र में जिला सहायक आयुक्त उत्पाद के निर्देश पर शुक्रवार को महुआ देशी शराब बनाने वालों के खिलाफ उत्पाद विभाग द्वारा अभियान चलाया गया। खलारी थाना क्षेत्र अंतर्गत राय बस्ती, मुंडा टोली, मोहननगर, पाही व बमने तथा खलारी से सटे बुढ़मू थानान्तर्गत हाहेटांड़ में छापामारी की गई। राय बस्ती से एक अभियुक्त को गिरफ्तार भी किया गया है। साथ ही अन्य के खिलाफ फरार अभियोग दर्ज किया गया है। छापामारी के दौरान 10 अवैध चुलाई भट्ठी को नष्ट किया गया और नौ अभियुक्तों के विरूद्ध फरार अभियोग दर्ज किया गया है। अभियान में विभिन्न स्थानों से मिले 450 लीटर अवैध चुलाई शराब बहा दिया गया और 2510 किलो जावा महुआ नष्ट कर दिया गया। छापामारी करने आई उत्पाद विभाग की टीम ने बताया कि आगे भी खलारी क्षेत्र में अवैध शराब बनाने वालों के विरूद्ध अभियान जारी रहेगा।

लोकनृत्य देश की परंपरा व रुचियों से हमें कराते हैं परिचित : सिस्टर जयंती

उर्सू लाइन कॉवेंट स्कूल में लोकनृत्य प्रतियोगिता आयोजित

आजाद सिपाही संवाददाता

खलारी। उर्सू लाइन कॉन्वेंट स्कूल में शुक्रवार को लोकनृत्य प्रतियोगिता का आयोजन बड़े धूमधाम से किया गया। जिसमें विद्यालय के चारों हाऊस जिनमें सेंट एंजेला, सेंट जेवियर, सेंट उसुर्ला और फादर जॉन लैंबर्ट्ज के प्रतिभागियों ने भाग लिया। वहीं इस प्रतियोगिता को सब-जूनियर वर्ग, जूनियर वर्ग और सीनियर वर्ग में बाँटा गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्या सिस्टर जयंती ने दीप प्रज्वलन कर किया। प्रतियोगिता में जज के रूप में विद्यालय के शिक्षक एवं शिक्षिका अनिमा कान्सीर, आरती तिर्की, प्रभाकर शर्मा और अंबुज कर्मकार को नियुक्त किया गया। प्रतियोगिता में विभिन्न वर्ग के प्रतिभागियों ने

लोकनृत्य में आसाम का बिहू, राजस्थान का घूमर नृत्य, गुजरात का डांडिया नृत्य, तमिलनाडु का भरतनाट्यम, गोवा का कोंकणी नृत्य, बंगाल का झूमुर नृत्य तथा झारखंड का नागपुरी नृत्य प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर प्राचार्या सिस्टर जयंती ने अपने संबोधन में कहा कि लोकनृत्य हमारे देश की परंपरा एवं रुचियों से हमें परिचित कराते हैं। प्रत्येक लोकनृत्य में हमें अपने देश की माटी की खुशबू मिलती है। इन लोकनृत्यों से हमें अपने देश की विभिन्न संस्कृति की जानकारी प्राप्त होती है और हमारा मनोरंजन भी होता है। वहीं कार्यक्रम के अंत में प्रतियोगिता के परिणाम की घोषणा की गई। प्रतियोगिता का आकलन कुल 400 अंकों में किया गया। जिसमें सब-जूनियर वर्ग में सेंट एंजेला हाउस 357 अंक लाकर प्रथम, द्वितीय स्थान पर 329 अंक लाकर फादर जॉन लैम्बर्ट्ज हाउस, तृतीय स्थान पर 313 अंक लाकर सेंट जेवियर हाउस रहा। वहीं जूनियर वर्ग में सेंट एंजेला हाउस 374 अंक लाकर प्रथम स्थान पर, द्वितीय स्थान पर सेंट उसूर्ला हाउस को 339 अंक और तृतीय स्थान पर रहे। सेंट जेवियर हाउस को 318 अंक मिले। सीनियर वर्ग में प्रथम रहे सेंट एंजेला हाउस 365 अंक, द्वितीय स्थान पर सेंट उसूर्ला हाउस को 339 अंक और सेंट जेवियर हाउस 334 अंक के साथ तृतीय स्थान पर रहा। मंच संचालन शिक्षिका अलका राही और धन्यवाद ज्ञापन रोजी मगदली टॉपिंग ने किया। समापन राष्ट्र गान के साथ किया गया।

लक्ष्य निर्धारित कर ईमानदारी से प्रयास करें विद्यार्थी : प्रो किड़ो

खूंटी (आजाद सिपाही)। बिरसा कॉलेज में शुक्रवार को करियर काउंसलिंग लक्ष्य 2023 का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ प्रभारी प्राचार्य प्रोफेसर जे कीड़ो ने किया। प्राचार्या ने कहा कि विद्यार्थी लक्ष्य निर्धारित कर ईमानदारी के साथ प्रयास करें, तो सफलता अवश्य मिलेगी। उन्होंने छात्र-छात्राओं को करियर काउंसिलिंग से लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन संतोष देव ठाकुर ने किया। मौके पर इंदिरा कोनगाड़, राजकुमार गुप्ता, डॉ नूपुर कुमारी, डॉ शीला कुमारी गुप्ता, डॉ रेशम रैनी टोप्पो, डॉ अंजुलता कुमारी, डॉ सिजरेन सुरीन, सुनीता टोप्पो, प्रियंका कुमारी आदि थे।

विधायक सुदेश महतो ने किया 15 लाख से बनने वाले कम्युनिटी भवन निर्माण कार्य का शिलान्यास

सोनाहातू (आजाद सिपाही)। प्रखंड स्थित लैम्पस भवन के समीप शुक्रवार को विधायक सुदेश महतो ने मल्टीपर्पज कम्यूनिटी भवन निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। जिला परिषद रांची की ओर से 14 लाख 95 हजार रुपये की लागत से मल्टीपर्पज कम्यूनिटी भवन का निर्माण किया जाना है। इस अवसर पर विधायक ने कहा कि भवन के निर्माण से महिलाओं को विशेष सुविधा होगी। इस मौके पर जिला परिषद सदस्य मंजू सिंह मुंडा, बीणा मुंडा, रायमनी देवी, संजय महतो, संजय सिद्धार्थ, श्याम महतो, सुषेन प्रामाणिक, दिलीप कोईरी आदि मौजूद थे।

प्रशिक्षण प्राप्त कर स्वरोजगार से जुड़ें प्रशिक्षणार्थी : मिथिलेश

खूंटी (आजाद सिपाही)। बैंक ऑफ इंडिया, आरसेटी के तत्वावधान में 30 दिवसीय मुफ्त ड्राइविंग प्रशिक्षण की शुरूआत की गई। प्रशिक्षण का उद्घाटन अग्रणी जिला प्रबंधक सनत कुमार दूबे ने किया। प्रशिक्षण में खूंटी जिले के विभिन्न प्रखंडों से चुने 35 लोगों को वाहन चालन का निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण

समाप्त होने के बाद सभी प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाणपत्र दिया जाएगा। आर सेटी के निदेशक मिथिलेश कुमार ने बताया कि प्रशिक्षण लेकर प्रशिक्षणार्थी गाड़ी चलाकर स्वरोजगार अपना सकते हैं। कहा कि गाड़ी खरीदने के लिए आवश्यकता के अनुरूप आरसेटी उन्हें विभिन्न बैंको से वित्तीय सहायता भी उपलब्ध कराएगा। बताया कि आरसेटी भारत सरकार ग्रामीण विकास मंत्रालय, राज्य सरकार और बैंक ऑफ इंडिया के संयुक्त प्रयासों से संचालित ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान है, जहां 60 विभिन्न तरह का निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाता है।

वीरों के सम्मान में पूरे देश में चलाया जा रहा मेरी माटी मेरा देश अभियान : अरुण साबू

खूंटी (आजाद सिपाही)। आजादी के अमृत महोत्सव के तहत मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को मुरहू प्रखंड की डुडरी गांव से पवित्र मिट्टी का संग्रह किया गया। मौके पर उप प्रमुख अरूण कुमार साबू साबू ने कहा कि देश के लिए अपने प्राणों की आहुति देनेवाले वीरों को सम्मान देने के लिए प्रधानमंत्री ने 30 जुलाई को मेरी मिट्टी मेरा देश कार्यक्रम की घोषणा की थी। बीडीओ मिथिलेश कुमार सिंह ने कहा कि यह कार्यक्रम पूरे देश में चलाया जा रहा है। इसके तहत गांवों की पवित्र मिट्टी का कलश संग्रह और पौधारोपण आदि के कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं। कार्यक्रम में मुखिया ज्योति डोड़राय, उप मुखिया विकास सांगा, पशुपालन पदाधिकारी डॉ विजय कुमार नाग आदि थे।

100 केबी का विद्युत ट्रांसफॉर्मर का उद्घाटन

बुंडू (आजाद सिपाही)। स्थानीय सांसद सह केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा की पहल पर शुक्रवार को एसबीआई धुर्वा मोड़ के पास 100 केबी के विद्युत ट्रांसफार्मर का उद्घाटन विवेकानंद जायसवाल के नेतृत्व में किया गया। बतातें चलें कि ट्रांस्फॉर्मर विगत दिनों जल गया था। मौके पर तमाड़ सांसद प्रतिनिधि लक्ष्मण सिंह मुंडा, विशाल गुप्ता, आलोक दास, धीरेंद्र राम महतो, हरि सिंह मुंडा, कन्हाई सुभाष राय आदि उपस्थित थे।

बचरा साइडिंग में कार्यरत असंगठित मजदूर पर चाकू से जानलेवा हमला

पिपरवार (आजाद सिपाही)। बचरा रेलवे साइडिंग के समीप अज्ञात अपराधियों ने कार्यरत एक असंगठित मजदूर को चाकू से वार कर घायल कर दिया। उसकी पहचान बालेश्वर महतो (38) के रूप में हुई है। वह पिपरवार थाना क्षेत्र के ग्राम बचरा बस्ती का रहने वाला है। जानकारी के अनुसार बालेश्वर बचरा साइडिंग में आउटसोर्सिंग कंपनी में कार्यरत है। शुक्रवार की दोपहर वह ड्यूटी कर घर जा रहा था। तभी पहले से घात लगाकर बैठे 2-3 अज्ञात अपराधियों ने बालेश्वर महतो पर चाकू से वार कर दिया। घटना को अंजाम देने के बाद सभी अपराधी जंगल की ओर भाग गए। जिसके बाद स्थानीय ग्रामीणों की मदद से उसे बचरा क्षेत्रीय अस्पताल पहुंचाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे बेहतर उपचार के लिए रांची रिम्स अस्पताल रेफर कर दिया गया। इधर, घटना की सूचना मिलते ही सैकड़ो लोग बचरा अस्पताल में जुट गये। इसकी सूचना पाकर पिपरवार पुलिस मौके पर पहुंचकर पूरे मामले की जानकारी ली और आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

सोनाहातू में मेधा प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन

शिक्षा के क्षेत्र में हो चुकी है नयी क्रांति की शुरुआत, युवा बनें सहभागी : सुदेश महतो

आजाद सिपाही संवाददाता

सोनाहातू। प्रखंड स्थित माही वेंकट हॉल में शुक्रवार को गूंज परिवार के तत्वावधान में मेधा प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें प्रखंड के इंटर और मैट्रिक परीक्षा में उत्तीर्ण टॉपर और सभी श्रेणी में उतीर्ण छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। विधायक सुदेश महतो ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में नयी क्रांति की शुरूआत हो चुकी है। क्षेत्र के युवा व बच्चे इसके सुत्रधार व सहभागी बने। उन्होंने कहा कि आपके संकल्प शक्ति से ही सफलता मिलेगी। अपने कमियों को पीछे छोड़कर लक्ष्य प्राप्ति के लिए जुनूनी बने। सिल्ली विधानसभा शिक्षा के क्षेत्र में एक आदर्श स्थापित करेगा। बच्चों को सुविधाएं उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी मेरी है। आप सिर्फ मेहनत कर मुकाम को हासिल

प्रतिभावान विद्यार्थियों को सम्मानित करते विधायक सुदेश महतो।

करें। गुंज परिवार की ओर से प्रखंड के इंटर ओर मैट्रिक परीक्षा 2023 में उतीर्ण सभी श्रेणी के विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। चार टॉपर्स को टैबलेट दिया गया। मौके पर सीओ प्यारेलाल, जिला परिषद सदस्य मंजू सिंह मुंडा, बीणा मुंडा, बीइइओ विमलकांत झा, बीपीओ प्रवीण कुमार रविशंकर मौर्या, अजय कुमार, मुखिया सावना महली, रायमनी देवी, रुप कुमार साहू, विपत भंजन सिंह मुंडा, सुनील सिंह, संजय सिद्धार्थ, संजय महतो, चितरंजन महतो, श्याम महतो, सुषेन प्रामाणिक, दिलीप कोईरी, मिहिर महतो सभी स्कूल के शिक्षक, अभिभावक आदि मौजूद थे। इस दौरान कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय सोनाहातू की छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

हाई पावर कमेटी की टीम का पिपरवार दौरा

बचरा में अधिकारियों-मजदूरों के साथ बैठक

आजाद सिपाही संवाददाता

पिपरवार। हाई पावर कमेटी की टीम ने शुक्रवार को पिपरवार क्षेत्र का दौरा किया। टीम में एटक के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह जेबीसीसीआई सदस्य और पूर्व सांसद रमेंद्र कुमार, सीटू के महामंत्री आरपी सिंह, सीसीएल सीकेएस के मनोज रजक और आरकेएमयू के ललन प्रसाद सिंह सहित सीसीएल मुख्यालय के अधिकारी शामिल थे। पिपरवार पहुंचने पर जीएम सीबी सहाय ने बुके देकर स्वागत किया। जिसके बाद संगम विहार क्लब में टीम के सदस्यों ने स्थानीय अधिकारियों और मजदूरों के साथ बैठक की। बैठक में असंगठित मजदूरों की कई समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई। हाई पावर कमेटी द्वारा असंगठित मजदूरों के लिए लागू किए गए सुविधाओं की जानकारी ली गई। बैठक में पिपरवार क्षेत्र में असंगठित मजदूरों को हाई पावर कमेटी का लाभ नहीं मिलने पर नाराजगी व्यक्त की गई। असंगठित मजदूरों के न्यूनतम मजदूरी, अवकाश, मेडिकल सुविधा, हाजिरी, पेमेंट स्लिप, बैंक से वेतन का भुगतान सहित अन्य बातों पर लंबी चर्चा के बाद आउटसोर्सिंग कंपनियों को फटकार लगाई। बैठक में कई खामियां उजागर हुई, जिसे दूर करने को लेकर संबंधित कंपनियों को निर्देशित किया गया है। कमेटी के सदस्यों ने बताया कि एक माह के अंदर पुनः कमेटी की ओर से पिपरवार का दौरा कर मजदूर को मिलने वाली सुविधा की समीक्षा की जाएगी। यदि इसके बाद भी मजदूरों को हाई पावर कमेटी की अनुशंसा पर सुविधा प्रदान नहीं की गई तो उच्च स्तरीय बैठक में आगे की कार्रवाई की जाएगी। बैठक मे एटक के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेन्द्र कुमार, सीटू के महामंत्री आरपी सिंह, आरकेएमयू के जेसीएससी सदस्य ललन प्रसाद सिंह, सीसीएल सीकेएस के जेसीएससी सदस्य मनोज रजक, पिपरवार जीएम सीबी सहाय, एसओपी आलोक मनीष सोय, एसओ माइनिंग शकील अख्तर, सेफ्टी आफिसर मुकेश तोषांग, कार्मिक प्रबधंक हेमचन्द महतो, शिशिर गर्ग, मुद्रिका प्रसाद, इस्लाम अंसारी, संजय सिंह, अरविंद शर्मा, धनेश्वर गंझु, रहमतुल्लाह, क्यूम अंसारी, सोमर गंझु, रामजीत राम, मनोज राम, आईडी मेहता, मुंशी महतो, बिजली महतो, चमन महतो, दिलीप चौधरी, अर्जुन महतो, सुरेश गोप सहित काफी संख्या में मजदूर उपस्थित थे।

लापुंग प्रखंड क्षेत्र में मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के तहत पौधरोपण की शुरुआत

लापुंग (आजाद सिपाही)। मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के तहत लापुंग में पौधरोपण की शुरुआत प्रखंड विकास पदाधिकारी एमानुएल जयवीरस लकड़ा ने की। उन्होंने बताया कि लापुंग प्रखंड के सभी पंचायत में एक-एक अमृत वाटिका एवं वीर शहीदों की याद में शिला फलकम का निर्माण किया जा रहा है। सभी गांवों से पवित्र मिट्टी का संग्रहण कर कलश में प्रखण्ड लाया जाएगा। तत्पश्चात प्रत्येक प्रखंड से एक कलश दिल्ली ले जाया जाएगा। प्रखंड विकास पदाधिकारी ने उपस्थित सभी लोगों को पंच प्रण के तहत शपथ भी दिलाई। मौके पर प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी मो. इम्तेयाज, कनीय अभियंता इंद्रजीत यादव, विधायक प्रतिनिधि सुदामा महली, रोजगार सेवक बसंत साहू के अलावे अनेक मनरेगा कर्मी व लाभुक मौजूद थे।

ओवर होलिंग कार्य को लेकर पिस्का रेलवे क्रासिंग में आवागमन बाधित रहेगा

पिस्कानगड़ी (आजाद सिपाही)। दक्षिण पूर्व रेलवे पिस्का अनुभाग के कनीय अभियंता ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया है कि 12 अगस्त दिन शनिवार को रात्रि 10 बजे से 13 अगस्त दिन रविवार सुबह 06 बजे तक पिस्का रेलवे क्रासिंग फाटक संख्या आरटी 09 में ओवर होलिंग का काम किया जायेगा। इस कारण रांची-गुमला मार्ग संख्या 23 में यातायात बाधित रहेगा। गाड़ियों का आवागमन सतीश चौक से होते हुए मदर डेयरी चौक के समीप मनोहर रेलवे फाटक संख्या 08 से पिस्का की ओर से सुचारू रूप से चलता रहेगा।

इटकी में फुटबॉल टूर्नामेंट 25 से

इटकी (आजाद सिपाही)। आदिवासी सरना नवयुवक संघ के तत्वावधान में खिलाड़ियों व खेल प्रेमियों की एक बैठक शुक्रवार को सकरपदा मैदान में सुनील मिंज की अध्यक्षता में की गयी। बैठक में 25 अगस्त से पांच दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन सकरपदा खेल मैदान में किये जाने व टूर्नामेंट में 32 टीमों को शामिल किये जाने का निर्णय लिया गया। इच्छुक टीमों को 22 अगस्त तक इंट्री फीस के साथ रजिस्ट्रेशन कराने का निर्देश दिया गया। रजिस्ट्रेशन के लिए इटकी के आकाश स्टूडियो व सकरपदा के मनु उरांव से संपर्क किये जाने की जानकारी दी गयी।

रक्तदान महादान टीम 15 अगस्त को उर्सुलाइन कॉन्वेंट स्कूल में रक्तदान शिविर लगायेगी

खलारी (आजाद सिपाही)। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर उसुर्लाइन कॉन्वेंट स्कूल बाजारटांड़ खलारी के सहयोग से स्कूल परिसर में खलारी की रक्तदान महादान टीम ह्यूमन राइट्स इक्विलिटी फाउंडेशन के द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया है। इसको लेकर जानकारी देते हुए संस्था के सचिव मुन्नु षर्मा ने बताया कि सुबह 11 बजे से सन्ध्या 4 बजे तक यह रक्तदान शिविर आयोजित होगा। शिविर में रिम्स ब्लड बैंक की डॉक्टरों की टीम के द्वारा सुरक्षित रक्तदान कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि बाजारटांड़ खलारी के लोगों के उत्साह और रक्तदान के जज्बे के कारण राज्य के सबसे बड़े आर्ट मॉडल ब्लड बैंक को बड़े आंकड़े के साथ ब्लड कलेक्शन कर रिम्स रांची को बड़ा सहयोग हर साल किया जाता है। यह पूरे कोयलांचल के लिए गर्व की बात है। मुन्नु शर्मा ने कहा कि रक्तदान से हार्ट अटैक की समस्या कम हो जाती है, कैंसर जैसी बड़ी बीमारी का खतरा कम हो जाता है, लिवर स्वस्थ रहता है, पाचन क्रिया ठीक रहती है, दिमागी रूप से व्यक्ति स्वस्थ रहता है, शरीर में नए रक्त का संचरण होता है। रक्तदान नेचुरल मेडिसिन है जो हमारे शरीर में नई ऊर्जा देकर हमें ठीक रहने में मदद करता है। साथ ही उन्होंने बताया कि कोयलांचल में कुछ उदाहरण भी हैं जिनमें रक्तदान करने वाले कुछ लोग हार्ट की बीमारी से समय पर बच कर स्वस्थ हैं। मुन्नू शर्मा ने पूरे खलारी सहित कोयलांचल वासियों से अपील कर कहा कि झंडोतोलन के कार्यक्रम में अवश्य शामिल हों उसके बाद समय निकाल कर आजादी के इस दिन रक्तदान कर अपनी सेवा देश के लिए समर्पित करें ताकि खुद भी स्वस्थ्य रहते हुए बीमार और परेशान लोगों को ब्लड उपलब्ध करा कर उनके जीवन मे खुशियां लाई जा सके। इस रक्तदान शिविर में रक्तदाताओं के लिए इस बार विशेष रूप में स्वागत की व्यवस्था की गई है।

कार्रवाई : अवैध बालू परिवहन के खिलाफ अनगड़ा पुलिस की कार्रवाई से बालू माफियाओं में हड़कंप

पुलिस ने अवैध बालू लदे पांच हाइवा को किया जब्त

- जब्त वाहनों में एक बिना नंबर की हाइवा भी शामिल है।
- जगह के अभाव में चार वाहनों को प्रखंड मुख्यालय मैदान में तथा एक वाहन को थाना में रखा गया है।

आजाद सिपाही संवाददाता

अनगड़ा। शुक्रवार की अहले सुबह अनगड़ा पुलिस ने थाना क्षेत्र में बालू तस्करों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। इस क्रम में पुलिस ने पांच हाईवा को जब्त किया। इसमें बिना नंबर की एक हाईवा भी शामिल है। जब्त हाईवा नंबर जेएच 01डी-4662, जेएच 01सीएफ-3038, जेएच 01डीए-0519 एवं जेएच 22बी-6311 सोनाहातू, राहे एवं तमाड़ थाना क्षेत्र के रहने वाले मंटु मंडल, अनुप महतो एवं भुनेश्वर महतो की बतायी जा रही है।

बताया गया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली की राहे के तरफ से आधा दर्जन से भी अधिक बालू लदे हाईवा आ रहे हैं। सूचना मिलते ही थानेदार नवीन कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने टाटीसिलवे-राहे मार्ग पर अहले सुबह छापेमारी अभियान चलाया। छापामारी के दौरान पुलिस ने जरगा नारायण घाटी के पास मौके पर अवैध बालू का परिवहन करते हुए पांच हाईवा को जब्त किया। बाद में वाहनों को जब्त कर अनगड़ा थाना लाया गया।

अनगड़ा थाना परिसर में जगह के अभाव में चार वाहनों को प्रखंड मुख्यालय मैदान में तथा एक वाहन को थाना में रखा गया है।

पुलिस की इस कार्रवाई से बालू माफियाओं में हड़कंप है। थानेदार नवीन कुमार ने बताया कि अग्रतर कारवाई के लिए जिला खनन एवं परिवहन विभाग को सूचित कर दिया गया है।

पशुपालन समिति की बैठक में विभिन्न पंचायतों से किया गया लाभुकों का चयन

- पशुपालन के लिए 231 लाभुकों के नाम की अनुशंसा कर जिला भेजा गया
- ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण साधन है पशुपालन : बीडीओ

आजाद सिपाही संवाददाता

बेड़ो। प्रखंड कार्यालय के सभागार में शुक्रवार को प्रखंड स्तरीय पशुपालन समिति की बैठक प्रमुख बीनिता कच्छप की अध्यक्षता में हुई। जहां सर्वसम्मति से प्रखंड के विभिन्न पंचायतों व गांव से पशुपालन के लिए लाभुकों का चयन किया गया। मौके पर बीडीओ डा प्रवीण कुमार ने कहा कि पशुपालन की योजना सरकार के द्वारा बेरोजगारों को रोजगार मुहैया करने का एक शानदार प्रयास है इसके द्वारा गांव के किसान की आर्थिक दशा काफी सशक्त हुई है। उन्होंने कहा कि योजना के महत्व को देखते हुए सर्वसम्मति से आज जरूरतमंद लाभुकों का चयन किया गया। लाभुकों में 02 गाय पालन हेतु 09 लाभुको का अनुशंसा 05 गाय पालन योजना में 08 लाभुकों का अनुशंसा पशु आहार एवं चारा विकास योजना के अंतर्गत 06लाभुको का अनुशंसा प्रगति शील डेयरी कृषक योजना के अंतर्गत 02 लाभुकों के नाम का अनुशंसा बकरा विकास योजना में 75 प्रतिशत अनुदान के अंतर्गत 74 लाभुकों का अनुशंसा, बैकयार्ड लेयर कुकुट 75 प्रतिशत अनुदान के अंतर्गत 8 आठ लाभुको का अनुशंसा बैकयार्ड लेयर कुक्कुट 90 प्रतिशत अनुदान अंतर्गत 05 लाभुकों का अनुशंसा ब्रायलर कुकुट पालन योजना 75 प्रतिशत अनुदान के अंतर्गत 30 लोगों की अनुशंसा, ब्रायलर कुकुट पालन योजना 90 प्रतिशत अनुदान के अंतर्गत 12 लाभुकों का चयन बत्तख चूजा वितरण 75 प्रतिशत अनुदान के अंतर्गत 7 लाभुकों का अनुशंसा ,बतख चूजा वितरण 90 प्रतिशत अनुदान के अंतर्गत 14 लाभुकों की अनुशंसा, शुकर विकास योजना 90 प्रतिशत अनुदान के अंतर्गत 40 लाभुकों की अनुशंसा, जोड़ा बैल वितरण योजना 90 प्रतिशत अनुदान के अंतर्गत 4 लाभुकों की अनुशंसा किया गया इस प्रकार 231 लाभुकों के नाम की अनुशंसा की गई है।

राष्ट्रीय उत्सव का प्रतीक है 'मेरी माटी मेरा देश' : बीडीओ

- बेड़ो प्रखंड में 'मेरी माटी मेरा देश' व विकास योजनाओं को लेकर बीडीओ ने की बैठक

आजाद सिपाही संवाददाता

बेड़ो। प्रखंड कार्यालय के सभागार में शुक्रवार को मेरी माटी मेरा देश की सफलता मनरेगा प्रधानमंत्री आवास योजना 15 वित्तय सहित अन्य विकास योजनाओं को लेकर बीडीओ डा प्रवीण कुमार की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक में बीडीओ ने मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम की सफलता को लेकर कई दिशा निर्देश देते हुए बताया कि प्रत्येक गांव से मिट्टी उठाने और उत्सव पूर्ण ढंग से प्रखंड लाने के पूर्व प्रत्येक ग्राम में जागरूकता के लिए प्रभात फेरी का आयोजन किया जाना है। साथ ही स्वच्छता से संबंधित शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन भी इस कार्यक्रम की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। उन्होंने कहा कि इस अवसर पर रंगोली पेंटिंग आदि जैसी प्रतियोगिता का आयोजन मेरी माटी मेरा देश की सफलता का संकेत है। साथ ही पारंपरिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन भी कार्यक्रम की सफलता की ओर एक महत्वपूर्ण कदम है जिसे प्रत्येक गांव और पंचायतों में किया जाना हम सब का कर्तव्य है। मेरी माटी मेरा देश मात्र कार्यक्रम नहीं बल्कि उत्सव का नाम है। इसे उत्सव की तरह मनाना हम सब की बड़ी जिम्मेदारी है। आने वाले 2 दिनों में उत्सव का माहौल बना रहे यह जनप्रतिनिधि और कर्मियों का दायित्व है।

इस अवसर पर उन्होंने बताया कि हाथों में मिट्टी का दिया लेकर पंचप्राण करना इस कार्यक्रम की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। इसके लिए उन्होंने प्रखंड के सभी 17 पंचायत के विभिन्न गांव में यह सारे कार्यक्रम आयोजन उत्सव के रूप में करने की बात कही है। उन्होंने बताया कि अमृत वाटिका मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम की आत्मा है जिसके तहत लगाए गए हैं प्रत्येक गांव में 75 पेड़ स्वच्छ भारत का प्रतीक है। मौके पर उपस्थित विभिन्न पंचायत के मुखिया कार्यक्रम की सफलता के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

लापुंग प्रखंड में झंडोत्तोलन का समय निर्धारित

लापुंग (आजाद सिपाही)। लापुंग प्रखंड में झंडोत्तोलन को लेकर आवश्यक बैठक प्रखंड विकास पदाधिकारी एमानुएल जयवीरस लकड़ा की अध्यक्षता में हुई। 15 अगस्त को प्रखंड सह अंचल कार्यालय 9 बजे, थाना परिसर में 9.15 बजे, उच्च विद्यालय कस्तूरबा गांधी, भारतीय स्टेट बैंक 9.30 बजे झरखण्ड ग्रामीण बैंक, राजकीय मध्य विद्यालय, प्रखंड संसाधन केंद्र 9.45 बजे, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, इंटर महाविद्यालय में 9.50 बजे स्टेडियम लापुंग में झंडोतोलन किया जाएगा। इसमे थाना प्रभारी, अंचलाधिकारी, के अलावे सभी विभाग के पदाधिकारी मौजूद थे।

एफसी महिलौंग फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन आज

नामकुम (आजाद सिपाही)। प्रखंड के महिलौंग पंचायत स्थित चाय बागान मैदान में रविवार से एफसी महिलौंग फुटबॉल टूर्नामेंट 2023 का आयोजन किया जा रहा है। जानकारी देते हुये भाजपा टाटीसिलवे मंडल अध्यक्ष राजेंद्र महतो ने बताया कि फुटबॉल टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के लिये 3551रु शुल्क रखा गया है। टूर्नामेंट में कुल 16 टीम क्रमशः 11-11 खिलाड़ियों के बीच फिका नियम से मैच खेलेगी। टूर्नामेंट में प्रथम आने वाली टीम को एक बड़ा खस्सी एवं कप, द्वितीय टीम को एक बड़ा खस्सी एवं कप, तृतीय टीम को एक खस्सी एवं कप और चतुर्थ टीम को एक खरसी एवं कप देकर पुरस्कृत किया जायेगा। टूर्नामेंट के सफल आयोजन में अध्यक्ष चैतु तिर्की, उपाध्यक्ष विश्वनाथ महतो, सचिव सुरेश महतो, उपसचिव बालगोविंद मुंडा, कोषाध्यक्ष अमृत महतो, उप कोषाध्यक्ष आकाश लोहरा के साथ कमेटी के अन्य सदस्य लगे हुये है।

परेशानी : हरही महतो टोली गांव सहित दस गांवों का आवागमन का मुख्य पथ जर्जर और बदहाल

साढ़े तीन किमी कच्ची सड़क पर सैकड़ों गड्ढों को कारण दस गांव के ग्रामीण हैं परेशान

हरही गांव के जर्जर पथ पर बने गड्ढों को दिखाते ग्रामीण

किसान विशेश्वर शाही

समाजसेवी बसंत शाही

नीरज शाही

आजाद सिपाही संवाददाता

पिस्कानगड़ी। नगड़ी प्रखंड के दूध उत्पादक क्षेत्र सह किसान बहुल क्षेत्र हरही महतो टोली गांव सहित दस गांवों का आवागमन करने वाला मुख्य पथ जर्जर और बदहाल है।

एनएच 23 इटकी मोड़ से हरही गांव के पूरियो मोड़ तक कुल साढ़े तीन किलोमीटर कच्ची पर में सैकड़ों छोटे-बड़े गड्ढे भर पड़े हैं कुल दस गांवों के सैकड़ों किसानों को आवागमन करने में काफी परेशानियों का समाना करना पड़ता है। इस संबंध में ग्रामीणों ने बताया कि नगड़ी प्रखंड का किसान बहुल क्षेत्र साहेर पंचायत का हरही गांव कृषि के साथ दूध उत्पादक क्षेत्र की वजह से पूरे प्रदेश में प्रसिद्ध है। इस गांव से क्षेत्र के सैकड़ों परिवार की जीविका चलती है। प्रसिद्ध मेधा दूध सेन्टर होने के कारण रोजाना सैकड़ों दूध उत्पादक किसानों को सुबह-शाम इस जर्जर पथ से आना-जाना करना पड़ता है और सड़क पर सैकड़ों गड्ढों के कारण इनका दूध गिर जाता है, जिससे हर माह गरीब किसानों को सैकड़ों रुपये का नुकसान उठाना पड़ता है।

इधर गांव के किसान और समाजसेवी लोगों ने गांव के मुख्य पथ का निरीक्षण किया और बदहाल सड़क के हाल पर चिंता व्यक्त की।

इस संबंध में हरही गांव के दूध उत्पादक किसान विश्वेश्वर शाही ने कहा कि गांव के मुख्य पथ से कुल दस गांवों के हजारों ग्रामीण आवागमन करते हैं और उनको रोज इस बदहाल सड़क से आना-जाना करना पड़ रहा है। हम सभी जनप्रतिनिधियों से हरही गांव के मुख्य पथ को शीघ्र बनाने की मांग करते हैं। वहीं क्षेत्र के युवा समाजसेवी बसंत शाही और नीरज शाही, इसेस शाही, आतेश्वर शाही ने कहा कि हरही गांव सहित इसके आसपास पड़ने वाले गांवों की मुख्य सड़क साढ़े तीन किमी तक की है और सरकार की अनदेखी के कारण पिछले 15 सालों से एक बार भी नहीं बनी है। ग्रामीण हर बार सरकार और जनप्रतिनिधियों से इस सड़क को बनाने की मांग करते हैं, पर इनकी मांग को अनदेखा कर दिया जाता है। इन्होंने सरकार से तत्काल हरही गांव के मुख्य पथ को बनाने की मांग की है।

महत्वपूर्ण न्यूज

पर्यावरण संरक्षण को लेकर कैंब्रिज पॉलीटेक्निक में पौधरोपण कार्यक्रम

नामकुम (आजाद सिपाही)। पर्यावरण संरक्षण और स्वस्थ समाज की परिकल्पना को लेकर कैंब्रिज इंस्टीट्यूट ऑफ पॉलीटेक्निक (सीआईपी) बहैया में शिक्षकों, शिक्षकेत्तर कर्मचारियों व विद्यार्थियों ने बृहद पैमाने पर पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया। मौके पर बतौर मुख्य अतिथि संस्थान के सचिव नवनीत सिंह मुख्य रूप से उपस्थित रहे। मौके पर नवनीत सिंह ने कार्यक्रम की सराहना करते हुये कहा कि पर्यावरण की शुद्धता ही स्वस्थ समाज का आधार है। प्रभारी प्राचार्य प्रो. भोलानाथ घोष ने पर्यावरण संरक्षण एवं संबर्द्धन पर विशेष जोर देते हुए लोगों को भी पौधरोपण के प्रति जागरूक होने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान फलदार वृक्षों के अलावे इमारती लकड़ियों के वृक्ष के पौधे लगाए गये। इस दौरान शिक्षक प्रो. आशीष रंजन, प्रो. जयदेव कुंभकार, प्रो. हेमंत कुमार प्रियदर्शी, प्रो. विकाश कुमार आदि मौजूद रहे।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रेम मंजरी उच्च विद्यालय में होगा सम्मान समारोह

पिठोरिया (आजाद सिपाही)। पिठोरिया एजुकेशनल फाउंडेशन के द्वारा संचालित प्रेम मंजरी उच्च विद्यालय में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। इस सम्मान समारोह में प्रेम मंजरी उच्च विद्यालय के 2023 मैट्रिक परीक्षा के टॉपर आरफी तबस्सुम और रोनित को डॉ. विशेश्वर प्रसाद केसरी मेधावी सम्मान के तहत दोनों को पांच-पांच हजार की राशि व प्रशस्ति पत्र दिया जाएगा। वहीं विज्ञान विषय में सर्वाधिक अंक प्राप्ति के लिए हुस्ना हसीबी (बालिका वर्ग) और रोनित कुमार (बालक वर्ग) को राम किशोर साहू सह केसर देवी सम्मान के तहत दोनों को पंद्रह-पंद्रह सौ रुपए व प्रशस्ति पत्र दिया जाएगा। इसके अलावा पिठोरिया क्षेत्र में स्तरीय शिक्षा के प्रचार-प्रसार में सक्रिय भूमिका निभाने वाले अमीर अंसारी पिरुटोला, बैजनाथ कुमार लोहरा पूलटोला राढ़हा, उमेश महतो सिमलबेड़ा राढ़हा, सुरेश मुंडा पुसु, प्रदीप पहन डहुडोला और मधु सिंह हेठकोनकी को 'शिक्षामित्र' के सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन पिठोरिया एजुकेशनल फाउंडेशन के द्वारा किया गया है। यह जानकारी निदेशक सुजीत कुमार केसरी ने दी।

लापुंग के ब्लारी नदी में मोटरसाइकिल समेत गिरे दो आइसक्रीम विक्रेता बाल बाल बचे

लापुंग (आजाद सिपाही)। लापुंग के गरई बलारी पुल के नीचे आईस्क्रीम विक्रेता मोटरसाइकिल समेत गिर कर घायल हुए। सापुकेरा बाजार से आइसक्रीम बेचकर लौट रहे अवधेश सिंह मुरचकेल व खलनायक सिंह उलगड़ा दोनों बाल-बाल बच गये। मोटरसाइकिल असंतुलित हो पुल के नीचे जा गिरी। मोटरसाइकिल में आइसक्रीम का एक्स्ट्रा बॉक्स लगाकर दो चक्का लगा रखा था। इस घटना में जान-माल की क्षति नहीं हुई। घायल लोग गोबिंदपुर जरियागढ़ थाना क्षेत्र का आइसक्रीम का खुदरा विक्रेता थे। गरई के लोग सहयोग कर मोटरसाइकिल और लोगों को निकाला व प्राथमिक उपचार स्थानीय क्लिनिक में कराया।

मॉडल आंगनबाड़ी केंद्र बहेरा में दी गयी फाइलेरियारोधी दवा

पिपरवार (आजाद सिपाही)। पिपरवार क्षेत्र के मॉडल आंगनबाड़ी केन्द्र बहेरा में फाइलेरिया रोधी जैसे बिमारी से बचाव के लिए ग्रामीणो सहित 125 बच्चों को दवा खिलाया गया और फाइलेरिया से बचाव के बारे में जानकारी दी गई। सहिया निखत प्रवीण ने बताया कि कार्यक्रम ने झारखंड सरकार के द्वारा मुफ्त में दी जाने वाली फाइलेरिया रोधी दवा खाने, मच्छरदानी का प्रयोग करने, आसपास के इलाकों में जल जमाव नहीं रखने की जानकारी दी गयी। उन्होंने बताया कि 10 अगस्त को बूथ पर और 11 से 25 अगस्त तक घर में जाकर स्वास्थ कर्मियों द्वारा दवा खिलायी जाएगी। इस मौके पर सीएचओ प्रिया तिग्गा, सहिया निखत प्रवीण, सेविका उर्मिला देवी सहित कई लोग मौजूद थे।

सर्प दंश व कुत्ते के काटे के इंजेक्शन के लिए खलारी भाजपाइयों ने सिविल सर्जन के नाम ज्ञापन सौंपा

खलारी (आजाद सिपाही)। खलारी भाजपा कार्यकर्ताओं ने मंडल अध्यक्ष शैलेंद्र शर्मा के नेतृत्व में सिविल सर्जन, रांची के नाम का ज्ञापन खलारी पीएचसी के डॉक्टर इरशाद को सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से खलारी प्रखंड के सभी पंचायतों में गाजर घास और झाड़ियों की कटाई और गली मुहल्ले में डीडीटी छिड़काव, पीएचसी खलारी, पीएचसी मैकलुस्कीगंज, पीएचसी राय, सीसीएल सेंट्रल हास्पिटल डकरा में सर्प दंश व कुत्ते के काटे का इंजेक्शन सहित आवश्यक दवाइयां उपलब्ध कराने की मांग की गई है। शैलेन्द्र शर्मा ने बताया कि खलारी की जनता को उचित स्वास्थ्य सुविधा मिल सके और किसी भी आकस्मिक स्थिति में लोगों को बचाने के लिए ज्ञापन सौंपा गया है। ज्ञापन सौंपने वालों में अरविंद सिंह, भरत रजक, रामप्रवेश नायक, प्रीतम साहू, कृष्णा चौहान, रामसूरत यादव, शत्रुंजय सिंह, राजू गुप्ता, रामसेवक यादव, चतर्गुण भुइयां, रविभूषण सिंह, गणेश यादव, सोनू कुमार सोनी, दिलीप पासवान आदि कार्यकर्ता शामिल थे।

15 नामजद और 150 अज्ञात लोगों के विरुद्ध सहायक नगर आयुक्त ने करायी थी प्राथमिकी

विश्रामपुर के सहायक नगर आयुक्त पर हमले का आरोपी हुआ गिरफ्तार

कार्य निरीक्षण के दौरान सैकड़ों लोगों ने सहायक आयुक्त पर किया था जानलेवा हमला

आजाद सिपाही संवाददाता

विश्रामपुर/पलामू। विश्रामपुर पुलिस अनुमंडल अंतर्गत रेहला पुलिस ने विश्रामपुर नगर परिषद के सहायक नगर आयुक्त मो परवेज पर जानलेवा हमला करने के एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। उसकी पहचान इफ्तिखार अंसारी उर्फ मंडल के रूप में हुई है। रेहला थाना प्रभारी नेमधारी रजक ने बताया कि अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस सघन छापामारी कर रही है। जल्द ही अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी कर ली जाएगी। जानकारी के अनुसार सहायक नगर आयुक्त अपने कर्मियों के साथ नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड नंबर तीन में निमार्णाधीन पीसीसी सड़क का निरीक्षण करने पहुंचे थे। इसी क्रम में वहां के सैकड़ों लोगों ने उनपर जानलेवा हमला कर दिया था। जिसमें सहायक आयुक्त गंभीर रूप से घायल हो गए थे। घटना में नगर परिषद के कई कर्मियों को भी चोटें आई थी। ग्रामीणों का आरोप था कि उनकी रैयती जमीन में सड़क का निर्माण कराया जा रहा है, जबकि जमीन जीएम लैंड था और उसपर पहले से कच्ची सड़क का निर्माण वर्षों पूर्व ही हो चुका था। इसी मामले को लेकर मौके पर विवाद उतपन्न हुआ था और एक समुदाय विशेष के लोगों ने सहायक नगर आयुक्त मो प्रवेज पर जानलेवा हमला कर दिया था। सहायक नगर आयुक्त ने इस मामले में डेढ़ दर्जन लोगों के विरुद्ध नामजद व 150 अज्ञात पर प्राथमिकी कराई थी। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी इफ्तिखार अंसारी उर्फ मंडल को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया हैं। थाना प्रभारी ने बताया कि अन्य आरोपियों के गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है। जल्द ही सभी आरोपी पुलिस गिरफ्त में होंगे।

तुलसी कम समय में होनेवाली फसल, लेमन ग्रास की खेती का हो रहा है विस्तार : योगेश

- बलुई दोमट मिट्टी पर वेटीवर की खेती करें किसान
- सीमैप लखनऊ की ओर से पंडवा के झरी में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। सीएसआइआर-केंद्रीय औषधीय एवं सगंध पौधा संस्थान (सीमैप), लखनऊ की ओर से शुक्रवार को पलामू जिले के पंडवा प्रखंड अंतर्गत झरी गांव में किसानों के लिए जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सीएसआईआर-एरोमा मिशन फेज-3 अंतर्गत इस जागरूकता कार्यक्रम में सीमैप के परियोजना सहायक योगेश कुमार ने गांव के किसानों को वैकल्पिक खेती के रूप में सगंधी एवं औषधीय पौधों की खेती और उसके लाभ एवं औषधीय गुणों के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने किसानों को लेमनग्रास, पामारोजा, तुलसी एवं वेटीवर की खेती के संबंध में जागरूक किया। उन्होंने बताया कि झारखंड के विभिन्न राज्यों में लेमनग्रास की खेती को बढ़ावा मिला है। पलामू जिले में भी इसकी खेती में विस्तार हुआ है। इससे किसानों को अधिक मुनाफा भी हो रहा है। इसके साथ ही उन्होंने तुलसी की खेती एवं उसके औषधीय गुणों के बारे में किसानों को जानकारी दी। कहा कि तुलसी कम समय में होने वाली नगदी फसल है। इससे कम लागत में अच्छा मुनाफा कमाया जा सकता है। इसकी खेती नर्सरी विधि एवं सीधे बीज विधि से की जा सकती है। उन्होंने किसानों को वेटीवर (खस) की खेती करने के लिए भी आगे आने की बातें कही। कहा कि वेटीवर की खेती बलुई दोमट मिट्टी में या नदी के किनारे वाले स्थानों पर किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि औषधीय एवं सगंधी/सुगंधित पौधों की खेती नगदी एवं कम समय में होने वाली खेती है। अन्य फसलों की अपेक्षा इसके फायदे भी अधिक हैं और मवेशी एवं नील गाय आदि जानवरों से नुकसान का खतरा भी नगण्य है। उन्होंने किसानों को औषधीय एवं सुगंधित पौधों की खेती के लिए प्रेरित किया और तकनीकी सहयोग का भरोसा दिया। जागरूकता कार्यक्रम में ग्राम प्रधान राजीव रंजन, किसान ओंकार नाथ, बीटीएम अमित कुमार, दुर्गेश पाठक, पूजा सिंह, रूबी कुमारी, जितेंद्र मेहता, अभिमन्यु मेहता, ओम प्रकाश, कृष्ण कुमार वनपर, जेएसएलपीएस के अधिकारी के अलावा किसान मित्र आदि उपस्थित थे।

महुडंड पंचायत सचिवालय में झंडोत्तोलन का समय निर्धारित

आजाद सिपाही संवाददाता

हुसैनाबाद। प्रखंड अंतर्गत महुडंड पंचायत सचिवालय में शुक्रवार को बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता मुखिया मिना देवी ने की। मुखिया ने बताया कि 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस समारोह महुदण्ड पंचायत में हर्षोल्लास के साथ मनाया जायेगा। सुबह 10.30 बजे पंचायत सचिवालय, 10 बजे महुडंड उच्च विद्यालय और महुडंड ओपी 9.30 बजे झंडोतोलन किया जायेगा। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर मेरी माटी -मेरा देश का शुभारंभ किया गया गया है। जिसके तहत देश भर में कलश के मिट्टी से 7500 अमृत वाटिका दिल्ली के कर्तव्य पथ बनाई जाएगी। इसमें महुडंड पंचायत सचिवालय के प्रागंण से भी मिट्टी भेजी गयी है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर उच्च विद्यालय और पंचायत सचिवालय परिसर में 75 वृक्षों का रोपण किया जायेगा। इस मौके पर युवा समाज सेवी शिवशंकर यादव, ओपी प्रभारी तुलेश्वर प्रसाद रजक, संतलाल रवि, सहायक अभियंता अमित मेहता, पंचायत समिति रमेश पासवान, उप मुखिया राम बली यादव, वार्ड सदस्य विष्णु साह, स्वयं सेवक मसउद आलम, जितेंद्र यादव, उपेंद्र यादव, डीलर इरफान अंसारी, रमाशिश यादव, उमेश यादव, विनोद यादव, ओमप्रकाश रवि, रामस्वरूप यादव, संजय यादव, उपेंद्र यादव, आनंद पासवान, कृष्ण रवि, सुनिल विश्वकर्मा और हरि यादव आदि उपस्थित थे।

जेएस कॉलेज के कुछ शिक्षक अपनी मर्यादा भूले : अभिषेक

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। जनता शिवरात्रि कांलेज के कुछ शिक्षकों का व्यवहार छात्रों के प्रति लगातार चर्चा में है। आये दिन छात्र-छात्राओं से अभद्रा भाषा का प्रयोग शिक्षकों को शोभा नहीं देती। उक्त आरोप आजसू छात्र संघ के विश्वविद्यालय प्रभारी अभिषेक राज ने शुक्रवार को लगाया। कहा कि जेएस कॉलेज में कुछ शिक्षक गुरु-शिष्य की गरिमा को धूमिल कर रहे है। आए दिन कक्षा में ही अमर्यादित शब्दों का प्रयोग किया जा रहा, जो निंदनीय है। आवाज उठाने पर कॉलेज में गुट बनाकर छात्रों के साथ हाथापाई भी करना शुरू कर दिए है। पूर्व में अखिल झारखंड छात्र संघ (आजसू) ने महाविद्यालय के प्राचार्य आरएन सिंह को भी इस मामले में अवगत कराया था। पर उनके खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं हुई, जिससे उनका मनोबल उफान पर है। कल नीलाम्बर पीताम्बर विश्वविद्यालय के कुलपति तपन कुमार शांडिल्य को भी ज्ञापन के माध्यम से अवगत कराया गया है। जल्द मामले को संज्ञान में लेते हुए कार्यवाही की मांग की गई है। जिसपर उन्होंने आश्वस्त किया की जल्द इस मामले में पत्र भेजकर जवाब मांगा जायेगा।

डीसी ने जनता दरबार लगा कर सुनी लोगों की समस्याएं, किया समाधान

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू डीसी शशि रंजन ने शुक्रवार को समाहरणालय स्थित अपने कार्यालय में जनता दरबार का आयोजन किया। जिसमें जिले के विभिन्न प्रखंडों से पहुंचे ग्रामीणों ने डीसी को अपनी-अपनी समस्याओं से अवगत कराते हुए समाधान करने का अनुरोध किया। जनता दरबार में आये समस्याओं का अवलोकन करते हुए डीसी ने संबंधित अधिकारियों को आवेदन अग्रसारित करते हुए निर्धारित समय सीमा पर निष्पादन करने का निर्देश दिया। जनता दरबार में मुख्य रूप से जमीन संबंधी, प्रधानमंत्री आवास व जमीन दाखिल खारिज, जमीन हड़पने, राशन कार्ड, वृद्धा पेंशन, मुआवजा भुगतान,डीप बोरिंग कराने, अम्बेडकर आवास दिलाने, सड़क मरामति, अनुकम्पा पर नौकरी देने आदि से सबंधित कई आवेदन आये जिसे डीसी ने संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को अग्रसारित कर निर्धारित समय सीमा के अंदर निष्पादित करने का निर्देश दिया।

झारखंड ओलंपिक एसोसिएशन ने खूंटी के कराटे और रग्बी खिलाड़ियों को किया सम्मानित

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। झारखंड ओलंपिक एसोसिएशन ने शुक्रवार को आरके आनंद लॉन बॉल स्टेडियम में आयोजित सम्मान समारोह में जिले के कराटे एवं रग्बी के 14 खिलाड़ियों और कोच को सम्मानित किया। कराटे के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी शीतल टोपनो सहित सीनियर राष्ट्रीय कराटे चौंपियनशिप में कांस्य पदक जीतने वाले खिलाड़ी मुकेश बोदरा, संतोष गोस्वामी और विक्रम सांगा को सम्मानित किया गया। अंडर 18 एशियन रग्बी चौंपियनशिप में देश का प्रतिनिधित्व करने वाले डेविड मुंडा सहित सब जूनियर नेशनल रग्बी चौंपियनशिप में लगातार 2021 एवं 2022 के उपविजेता रही झारखंड टीम का प्रतिनिधित्व करने वाले खूंटी के 10 रग्बी खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। सम्मानित होनेवाले रग्बी खिलाड़ियों में आनंद केरकेट्टा, प्रतीक कुमार, अंकित पूर्ति, नमजान मुंडू, सुशांत बघवार, आशीष पाहन, दरुवा धान, जॉनसन एडविन और, सुखदेव मुंडू शामिल हैं। सभी खिलाड़ियों को झारखंड ओलंपिक संघ के अध्यक्ष आरके आनंद, मासाचिव मधुकांत पाठक ने मोमेंटो देकर सम्मानित किया। खिलाड़ियों की इस सफलता पर झारखंड रग्बी फुटबॉल एसोसिएशन के महासचिव सह खूंटी जिला स्पोर्ट्स कराटे एसोसिएशन के अध्यक्ष हेजाज असदक, कोच संजय हेरेंज, कराटे कोच बालाजी होरो, खूंटी जिला स्पोर्ट्स कराटे एसोसिएशन के सचिन कुमार और शादाब खान ने बधाई दी।

मतदाता सूची का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2024 की प्री रिवीजन गतिविधि के तहत हो रहे कार्यों के पर्यवेक्षण को जांच दल गठित

मेदिनीनगर (आजाद सिपाही)। जिला निर्वाचन पदाधिकारी शशि रंजन द्वारा फोटोयुक्त मतदाता सूची का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम 2024 के प्री-रिवीजन गतिविधि के तहत बीएलओ, पर्यवेक्षक, सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी एवं निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी के स्तर से संपादित किये जा रहे कार्यो का सतत पर्यवेक्षण के लिए जिला स्तर से जांच दल गठित किया गया है। सभी बीएलओ की ओर से 21 जुलाई से 21 अगस्त के मध्य घर-घर सत्यापन का कार्य बीएलओ रजिस्टर के माध्यम से किया जा रहा है। बीएलओ द्वारा उक्त सत्यापन के क्रम में सभी घरों पर विभाग स्तर से प्राप्त ब्लू स्टीकर को चिपकाते हुए भ्रमण की दो तिथियां अंकित की जा रही है। इसके साथ ही जिला स्तर से उपलब्ध कराए गए करेक्शन स्लिप, ब्लैक एंड वाइट एंड पुअर इमेज रिकॉर्ड रजिस्टर के माध्यम से मतदाताओं की विवरणी को शुद्ध करने का कार्य किया जा रहा है। बीएलओ के माध्यम से संपादित कार्यों का पर्यवेक्षण एवं जांच के लिए विभाग स्तर से प्राप्त निर्देशानुसार सभी सुपरवाइजर, इआरओ और इआरओ के स्तर से मतदान केंद्रों में पन्ना वेरीफिकेशन एवं होम टू रोल वेरिफिकेशन का कार्य किया जाना है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी शशि रंजन ने जांच दल में प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि मतदाता सूची संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम 2024 के प्री रिवीजन गतिविधि के तहत संपादित किए जा रहे कार्यों का सतत पर्यवेक्षण करते हुए जांच प्रतिवेदन अधोहस्ताक्षरी को समर्पित करना सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने सभी जांच दलों को 14 अगस्त तक जांच पूरी कर लेने का निर्देश दिया, वे खुद व्यक्तिगत तौर पर इसकी मॉनिटरिंग करेंगे।

स्पोर्ट्स

बांग्लादेश क्रिकेट टीम का नया वनडे कप्तान शाकिब उल हसन को बनाया गया है। वो एशिया कप और वनडे वर्ल्ड कप में बांग्लादेश टीम को लीड करेंगें। बांग्लादेश क्रिकेट टीम के अध्यक्ष नजमुल हसन ने शुक्रवार को इसकी घोषणा की है।

वर्ल्ड कप में करेंगे लीड, आज एशिया कप की टीम की होगी घोषणा

शाकिब अल हसन बांग्लादेश टीम के नये वनडे कप्तान

एजेंसी

ढाका। शाकिब अल हसन को बांग्लादेश क्रिकेट टीम का नया वनडे कप्तान बनाया गया है। वो एशिया कप और वनडे वर्ल्ड कप में बांग्लादेश टीम को लीड करेंगे। शाकिब टीम में तमीम की जगह लेंगे, जिन्होंने एक सप्ताह पहले कप्तानी छोड़ दी थी। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष नजमुल हसन ने शुक्रवार को बताया कि शाकिब अल हसन एशिया कप और वर्ल्ड कप के लिए बांग्लादेश के वनडे कप्तान होंगे। वर्ल्ड कप और एशिया कप टीम की घोषणा शनिवार को की जाएगी। चयनकर्ता 17 सदस्यों की टीम का चयन करेंगें।

शाकिब को 52 वनडे मैचों में कप्तानी का अनुभव

शाकिब ने 2009 और 2017 के बीच 52 वनडे मैचों में बांग्लादेश की टीम की कप्तानी की है। उनकी कप्तानी में टीम को 23 बार जीत और 26 बार हार का सामना करना पड़ा है। एक मैच बेनतीजा रहा और दो मैच रद्द करने पड़ गए।

शाकिब के 7 हजार से ज्यादा वनडे रन

शाकिब-उल-हसन ने बांग्लादेश के लिए 66 टेस्ट, 235 वनडे और 117 टी-20 मैच खेले हैं। उन्होंने टेस्ट में 4454 रन, वनडे में 7211 और टी-20 में 2382 रन बनाए हैं। इस स्टार ऑलराउंडर ने टेस्ट में 233, वनडे में 305 और टी-20 में 140 विकेट भी लिए हैं। इसके अलावा कई अन्य उपलब्धियां हैं।

तमीम इकबाल ने वनडे कप्तानी छोड़ी

बांग्लादेश के ओपनिंग बल्लेबाज तमीम इकबाल ने सात दिन पहले कमर की चोट के कारण बांग्लादेश की वनडे टीम की कप्तानी छोड़ दी थी। अब वह एशिया कप में भी नहीं खेलेंगे। पिछले महीने तमीम इकबाल ने अफगानिस्तान के खिलाफ हार के बाद अचानक रिटायरमेंट ले लिया था। इसके एक दिन बाद ही इकबाल ने बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना के कहने पर रिटायरमेंट का फैसला वापस ले लिया था।

डब्ल्यूएफआइ के चुनाव पर 30 अगस्त तक रोक

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारतीय कुश्ती संघ (डब्ल्यूएफआई) के चुनाव पर से संकट के बादल हटने का नाम नहीं ले रहे। शनिवार को मतदान होना था, लेकिन एक दिन पहले चुनाव पर रोक लगा दी गई है। दरअसल, पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय ने हरियाणा कुश्ती संघ (एचडब्ल्यूए) द्वारा दायर एक याचिका के बाद शुक्रवार को मतदान पर रोक लगा दी। हरियाणा कुश्ती संघ ने हरियाणा एमेच्योर कुश्ती संघ को चुनावों में वोट डालने की अनुमति देने के कदम को चुनौती देते हुए अदालत का दरवाजा खटखटाया था। पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के न्यायाधीश विनोद एस भारद्वाज ने कहा कि हरियाणा एमेच्योर कुश्ती संघ को वोट देने से पूर्वाग्रह पैदा होगा। हरियाणा कुश्ती संघ का नेतृत्व सांसद दीपेंद्र हुड्डा कर रहे हैं। यह आधिकारिक तौर पर डब्ल्यूएफआई और हरियाणा ओलंपिक एसोसिएशन से संबद्ध है।

क्यों हुआ विवाद?

डब्ल्यूएफआई के नियमों के मुताबिक, एक राज्य संघ अपने चुनाव में वोट डालने के लिए दो सदस्यों को भेज सकता है, लेकिन हरियाणा एमेच्योर कुश्ती संघ ने भी दावा किया है कि उनका डब्ल्यूएफआई से जुड़ाव है और उन्हें चुनाव में वोट देने का अधिकार है। हरियाणा कुश्ती संघ का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील रविंदर मलिक ने खुलासा किया कि हरियाणा एमेच्योर कुश्ती संघ हरियाणा ओलंपिक एसोसिएशन से संबद्ध नहीं है इसलिए वे वोट देने के हकदार नहीं हैं।

उधर, रविंदर मलिक ने समाचार एजेंसी पीटीआई को बताया कि रिटर्निंग ऑफिसर ने हरियाणा एमेच्योर कुश्ती एसोसिएशन के पक्ष में निष्कर्ष दिया है। कहा कि वे डब्ल्यूएफआई के साथ-साथ हरियाणा ओलंपिक एसोसिएशन के साथ संबद्धता की शर्तों को पूरा करते हैं। हमने हाई कोर्ट में रिटर्निंग ऑफिसर के आदेश को चुनौती दी है, जिसमें कहा गया है कि हरियाणा एमेच्योर कुश्ती एसोसिएशन डब्ल्यूएफआई से संबद्ध हो सकता है लेकिन यह हरियाणा ओलंपिक एसोसिएशन से संबद्ध नहीं है। इसका मतलब है कि वे चुनाव प्रक्रिया में भाग लेने के हकदार नहीं हैं। मामले में हरियाणा एमेच्योर रेसलिंग एसोसिएशन को चुनाव प्रक्रिया में भाग लेने की अनुमति दी गई तो पूर्वाग्रह पैदा होगा।

केंद्र और राज्य सरकार को स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश

फर्जी नक्सली सरेंडर मामला

512 आदिवासी युवाओं को फर्जी नक्सली बता कर सरेंडर कराया गया था

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड में 512 आदिवासी युवाओं को फर्जी नक्सली बता कर सरेंडर करवाने का जांच करवाने का आग्रह करने वाली झारखंड काउंसिल फॉर डेमोक्रेट राइट की जनहित याचिका की सुनवाई शुक्रवार को झारखंड हाइकोर्ट में हुई। मामले में केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार ने स्टेटस रिपोर्ट दायर करने के लिए कोर्ट से समय की मांग की। हाइकोर्ट के चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्र की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने उनके आग्रह को स्वीकार करते हुए मामले की अगली सुनवाई की तिथि निर्धारित की। प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता राजीव कुमार ने पैरवी की।

पूर्व की सुनवाई में हाइकोर्ट ने मामले में केंद्रीय गृह मंत्रालय एवं राज्य सरकार के गृह सचिव को 512 युवाओं के सरेंडर मामले में सीलबंद रिपोर्ट कोर्ट में प्रस्तुत करने का निर्देश दिया था, जिस पर कोर्ट ने केंद्र एवं राज्य सरकार से पूछा था कि क्या सरेंडर कराये जाने वाले 512 युवाओं को सीआरपीएफ में नौकरी दिलाने के नाम पर पुराने जेल कंपाउंड में रखकर प्रशिक्षण दिलाया गया। क्या उन्हें प्रशिक्षण दिलाने की कानूनी वैधता थी। बता दें कि प्रार्थी ने याचिका में कहा था कि 512 युवाओं को सीआरपीएफ में नौकरी का लालच देकर उन्हें फर्जी नक्सली बताकर सरेंडर करने का खेल खेला गया। इसे लेकर राज्य सरकार के वरीय पुलिस अधिकारियों ने करोड़ों रुपये खर्च करवाये, ताकि उन्हें केंद्रीय गृह मंत्री के सामने अवार्ड मिल सके। ऐसा कर राज्य के भोले-भाले 512 आदिवासियों को रोजगार दिलाने के नाम पर ठगा गया।

मैनहर्ट मामले में एसीबी की रिपोर्ट से झारखंड हाइकोर्ट नाराज, कहा कि कुछ तथ्य छुपाये जा रहे हैं

एसीबी एसपी को अगली सुनवाई के दिन सशरीर उपस्थित होने का निर्देश

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड हाइकोर्ट के जस्टिस संजय कुमार द्विवेदी की अदालत ने रांची के सीवरेज-ड्रेनेज का डीपीआर बनानेवाली कंपनी मैनहर्ट मामले की एसीबी में दर्ज प्रारंभिक जांच को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई की। एसीबी ने अदालत में सीलबंद रिपोर्ट प्रस्तुत की। लिखावट स्पष्ट नहीं होने के कारण अदालत रिपोर्ट को नहीं पढ़ पायी। इसके बाद सरकारी अधिवक्ता और बाद में प्रार्थी के अधिवक्ता को रिपोर्ट पढ़ने के लिए दिया गया, पर दोनों ही रिपोर्ट पढ़ नहीं सके। इससे नाराज अदालत ने मौखिक रूप से कहा : लगता है कि कुछ तथ्य छुपाये जा रहे हैं। अदालत ने एसीबी के एसपी को अगली सुनवाई के दौरान दिन के साढ़े 10 बजे अदालत में सशरीर उपस्थित होने का निर्देश दिया। अगली सुनवाई 17 अगस्त को होगी। इससे पूर्व प्रार्थी की ओर से वरीय अधिवक्ता एके कश्यप ने पैरवी की। पिछली सुनवाई के दौरान एसीबी की ओर से बताया गया था कि मामले की जांच जारी रखने से संबंधित राज्य सरकार से विधि परामर्श मांगा गया है। इस पर प्रार्थी की ओर से अदालत को बताया गया की विधि परामर्श मांगने का मामला राज्य सरकार के पास एक वर्ष से अधिक समय से लंबित है। एसीबी ने अगस्त 2022 में ही विधि परामर्श मांगा था, लेकिन अब तक नहीं मिला है। इसके बाद अदालत ने सीलबंद रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया था।

सरयू राय ने दायर की है याचिका

उल्लेखनीय है कि प्रार्थी विधायक सरयू राय ने क्रिमिनल रिट याचिका दायर की है। इसमें कहा गया है कि मैनहर्ट कंपनी को रांची के सीवरेज-ड्रेनेज का डीपीआर तैयार करने का कार्य दिया गया था। इसके लिए 21 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया। डीपीआर घोटाले का मामला झारखंड विधानसभा में भी उठा था। बाद में राज्य सरकार के निर्देश के बाद दिसंबर 2020 में एसीबी में पीइ दर्ज की गयी थी, लेकिन जांच रिपोर्ट अब तक प्राप्त नहीं होने के बाद प्रार्थी ने याचिका दायर की है।

देश-विदेश की खबरों के लिए क्लिक करें
www.azadsipahi.in

झारखण्ड सरकार
कारा निरीक्षणालय, मंडल कारा, कोडरमा

ई०–निविदा सूचना

1. कारा का नाम– मंडल कारा, कोडरमा।
2. विषय– कारा में आपूर्ति हेतु खाद्यान्नों, आलू, हरी सब्जियों, फलों एवं अन्य विविध सामग्रियों के क्रय हेतु ई–निविदा का आमंत्रण।(चतुर्थ त्रैमासिक ई0–निविदा दिनांक–01.10.2023 से 31.12.2023 तक)
3. निविदा प्रपत्र का मूल्य (Non refundable) राष्ट्रीयकृत बैंक से बैंक ड्राफ्ट के रूप में अधीक्षक मंडल कारा कोडरमा के पदनाम से होगा जो निम्न प्रकार है –
(i) 10.00 लाख तक की सामग्रियों की आपूर्ति के निमित्त निविदा हेतु – 2,500.00 (दो हजार पाँच सौ रूपये) मात्र।
(ii) 10.00 से 50.00 लाख तक की सामग्रियों की आपूर्ति के निमित्त निविदा हेतु–5,000.00 (पाँच हजार रूपये) मात्र।
(iii) 50.00 लाख से ऊपर की सामग्रियों की आपूर्ति के निमित्त निविदा हेतु– 10,000.00 (दस हजार रूपये) मात्र।
4. Website पर निविदा प्रपत्र के उपलब्धता की तिथि–18.08.2023 से 28.08.2023 के अपराह्न 5:00 बजे तक।
5. निविदा जमा करने की तिथि–18.08.2023 से 28.08.2023 के अपराह्न 5:00 बजे तक सभी कार्य दिवस को।
6. Tender Fee, EMD का original Copy एवं उल्लेखित नमूना (Sample) दिनांक–31.08.2023 को पूर्वाह्न 11:00 बजे से 01.09.2023 को अपराह्न 04:00 बजे तक कार्यवधि में कार्यालय में जमा करना होगा।
7. निविदा खुलने की तिथि/समय/स्थान–02.09.2023 को पूर्वाह्न 11:30 बजे अनुमण्डल पदाधिकारी कोडरमा की उपस्थिति में।
8. उपरोक्त संबंधित निविदा website jharkhandtender.gov.in पर केवल e-Tender द्वारा ही प्राप्त/ स्वीकृत किया जायेगा। पूर्ण जानकारी हेतु उपरोक्त website पर प्राप्त किया जा सकता है।
9. अतिरिक्त सूचना प्राप्ति हेतु अधीक्षक, मंडल कारा कोडरमा के कार्यालय अवधि में सम्पर्क स्थापित किया जा सकता है। e-Tender को online upload करने से संबंधित जानकारी के लिए NIC Helpline No. 9430342752 से सम्पर्क किया जा सकता है।

अधीक्षक,
मंडल कारा कोडरमा।

PR.NO.304459 Home, Prison And Disaster Management(23-24):D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, हजारीबाग

ई– निविदा आमंत्रण सूचना

ई– निविदा सूचना संख्या – RE-RDD/SD/HZB/38/2022-23 (3rd call)

1. कार्य की विस्तृत विवरणी:

क्र० सं०	आईडेन्टीफिकेशन संख्या/ग्रुप संख्या	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि	अभ्युक्ति
1	RE-RDD/SD/HZB/38/01/2022-23	हजारीबाग जिला अंतर्गत केरेडारी प्रखण्ड में मनातू पंचायत में ग्राम मसूरिया, लाजिदाग पहुंच मार्ग के गदुर विगवा नदी पर पुल निर्माण	30989400.00	620000.00	10000.00	18 माह	
2	RE-RDD/SD/HZB/38/05/2022-23	हजारीबाग जिला के प्रखण्ड विष्णुगढ़ में ग्राम+पंचायत खरकी में सपमरवा एवं रंगामाटी के बीच बोरोनाला पर पुल निर्माण।	31764100.00	636000.00	10000.00	18 माह	

2. वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि :– 06.09.2023
3. ई–निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय :– दिनांक 06.09.2023 से दिनांक 16.09.2023 को अपराह्न 5.00 बजे तक।
4. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय 21.09.2023 अपराह्न 05:00 बजे तक।
5. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि जमा करने का स्थान:–
i) ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, हजारीबाग (जिला नियंत्रण कक्ष)
ii) अधीक्षण अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष अंचल, हजारीबाग।
iii) e-procurement cell, मुख्य अभियंता कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रक्षेत्र, एफ0 एफ0 पी0 भवन, धुर्वा, राँची।
6. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि जमा करने की तिथि को यदि राज्य में सरकारी अवकाश घोषित होता है, तो उक्त तिथि एवं समय अगले कार्यदिवस तक स्वतः विस्तारित समझी जाएगी।
7. निविदा खोलने का स्थान:– कार्यपालक अभियंता कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, हजारीबाग।
8. निविदा खोलने का स्थान एवं समय – 22.09.2023 अपराह्न 2:00 बजे।
9. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, हजारीबाग।
10. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं० – 9430154806
11. निविदा शुल्क राष्ट्रीयकृत बैंक द्वारा निर्गत ड्राफ्ट या बैकर्स चेक जो कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, हजारीबाग के पदनाम से देय हो, देना होगा।
12. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है, तदनुसार अग्रधन की राशि देय होगी।

विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, हजारीबाग

PR 304541 (Rural Development) 23-24 (D)

झारखण्ड सरकार
कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (सहकारिता प्रभाग)
कार्यालय- जिला सहकारिता पदाधिकारी, हजारीबाग
Email ID –dcocophzb@yahoo.in

कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (सहकारिता प्रभाग) अंतर्गत झारखण्ड राज्य सहकारी समितियाँ अधिनियम 1935 के अंतर्गत निबंधित विभिन्न विशेष प्रकार की सहकारी समितियाँ यथा–फल सब्जी उत्पादक, वनोत्पाद, लाह, मत्स्य, बुनकर, डेयरी, पोल्ट्री, उपभोक्ता सामग्री, महिला विकास आदि को वितीय वर्ष 2023–24 मे कार्यशील पूँजी के रूप मे प्रति समिति न्यूनतम 2.00 लाख रू0 एवं अधिकतम 5.00 लाख रू0 उपलब्ध कराया जाना है जिसका चयन जिला स्तर पर गठित कमिटी के द्वारा किया जाएगा।

विभागीय स्वीकृत्यादेश संख्या–03 दिनांक 04.05.2023 के कंडिका–05 के अनुरूप विशेश प्रकार की सहकारी समितियो का चयन निम्नांकित मापदण्डो के अनुरूप किया जाएगा –

01 समिति का निर्वाचन अद्यतन हो
02 समिति द्वारा वितीय वर्ष 2021–22 तक का अंकेक्षण करा लिया गया हो।
03 समिति द्वारा वितीय वर्ष 2021–22 तक का बकाया अंकेक्षण शुल्क की राशि जमा कर दी गयी हो।
04 समिति द्वारा पूर्व से बीज/उर्वरक/कृषि/मत्स्य/बुनकर/फल–सब्जी/डेयरी/पोल्ट्री/उपभोक्ता सामग्री/महिला विकास आदि का कार्य/व्यवसाय संचालित किया जाता रहा हो।
05 समिति मे पर्याप्त आधारभूत संरचना यथा–कार्यालय/गोदाम/फर्नीचर की स्थिति अच्छी/ संतोशजनक हो।
06 समिति मे वाहन के आवागमन की सुविधा हो।
07 समिति पिछले तीन वितीय वर्षो यथा–2019–20, 2020–21 एवं 2021–22 तक बैक डिफॉल्टर नही रहा हो।
08 समिति का वार्शिक कारोबार कम से कम 3.00 (तीन) लाख रूपये हो।
09 समिति का व्यवसाय पिछले दो वार्षो से लगातार घाटे मे नही हो।
10 समिति मे पर्याप्त मानव संसाधन की व्यवस्था हो।
11 समिति मे नियमित रूप से प्रबंधकारिणी समिति एवं वार्षिक आमसभा की बैठक आयोजित होती रही हो।
12 चयनित विशेष प्रकार की सहकारी समितियों के पास उनके कार्य की प्रकृति के अनुरूप लाईसेंस हो।
13 समितियों के चयन मे अंकेक्षित वर्गीकरण (Audit Classification) A एवं B Category प्राप्त समितियों का प्राथमिकता दी जायेगी। A एवं B Category समितियों की अनुपलब्धता की स्थिति मे C Category प्राप्त समितियों का चयन आवश्यकतानुसार किया जायेगा।

विभागीय स्वीकृत्यादेश के कंडिका–09 के अनुसार रामगढ़ जिलान्तर्गत सभी इच्छुक एवं आवश्यकताधारी तथा चयन मापदण्ड को पूरा करने वाले विशेष प्रकार की सहकारी समितियों को निम्न विहित प्रपत्र मे प्रपत्र के साथ जमा किए जाने वाले अभिलेख के साथ संबंधित प्रखण्ड के प्रखण्ड सहकारिता प्रसार पदाधिकारी/सहकारिता प्रसार पदाधिकारी द्वारा अनुशंसित प्रस्ताव प्रकाशन की तिथि से एक सप्ताह के अंदर कार्यालय जिला सहकारिता पदाधिकारी हजारीबाग मे जमा करना होगा।

विहित प्रपत्र

प्रखण्ड का नाम	समिति का नाम/पता एवं निबंधन संख्या	गत निर्वाचन की तिथि	आधारभूत संरचना				वितीय प्रतिवेदन			
			कर्मी की संख्या	कार्यालय (हॉ/नही)	गोदाम (क्षमता)	फर्निचर फिक्सचर	गत अंकेक्षण का वर्ष	अंकेक्षण शुल्क भुगतान की स्थिति	लाभ/हानि (2021–22 के पूर्व तीन वर्षो में) 2019–20:– 2020–21:– 2021–22:–	वार्षिक कारोबार (रूपये में)

प्रपत्र के साथ जमा किये जाने वाले अभिलख :–
01 अंकेक्षण प्रतिवेदन (2021–22 के पूर्व तीन वर्षो में)
02 निर्वाचन प्रमाण पत्र
03 व्यवसाय कार्य योजना
04 कारोबार संबंधित लाइसेन्स
05 शपथ पत्र–(क) समिति की प्रबंधकारिणी एवं वार्षिक आम सभा की बैठक नियमित रूप से होती रही है।
(ख) समिति वर्ष 2019–20, 2020–21 एवं 2021–22 मे बैक डिफाल्टर नही रहा है।

विशेष जानकारी के लिए अपने प्रखण्ड के प्रखण्ड सहकारिता प्रसार पदाधिकारी/सहकारिता प्रसार पदाधिकारी/कार्यालय जिला सहकारिता पदाधिकारी हजारीबाग मे सम्पर्क किया जा सकता है।

कार्यालय का पता–जिला सहकारिता पदाधिकारी,हजारीबाग,सहकारिता भवन,रविन्द्र पथ, हजारीबाग–825301

ह०/–
जिला सहकारिता पदाधिकारी
हजारीबाग/रामगढ

PR 304513 District (23-24)_D

समाहरणालय हजारीबाग
(समाज कल्याण शाखा)
-निविदा सूचना-

महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा, झारखण्ड, राँची के संकल्प संख्या– 2196 दिनांक–23.09.2022 एवं आदेश ज्ञापांक–2044 दिनांक– 24.07.2023 के आलोक में जिलान्तर्गत विभिन्न परियोजनाओं में संचालित आँगनबाड़ी केन्द्रों एवं लघु आँगनबाड़ी केन्द्रों में उपस्थित होने वाले 03–06 वर्ष के बच्चों की शीतकाल में नियमित उपस्थिति सुनिश्चित कराये जाने के उद्देश्य से बच्चों को गर्म पोशाक (Winter Uniform) आँगनबाड़ी केन्द्रों के माध्यम से उपलब्ध कराया जाना है।

उक्त विभागीय संकल्प एवं स्वीकृत्यादेश संख्या–722/46 (स्वी0) दिनांक–14.06.2023 के आलोक में हजारीबाग जिलान्तर्गत आँगनबाड़ी केन्द्रों में उपस्थित होने वाले 03–06 वर्ष के बच्चों के लिए गर्म पोशाक (Winter Uniform) की क्रयापूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। गर्म पोशाक (Winter Uniform)की विवरणी निम्नवत है–

Sl.	Particulars	Requirements	Remarks
1	Sweater Quality	Unisex	
2	Colour	Maroon	
3	Material (Blend Composition)	Acrylic- 100% (±2%)	
4	Yarn	High bulk Yarn	
5	Neck Type	Hoodie	
6	Sleeve	Full regular Sleeve	
7	Weight	225 gm & above	
8	Shrinkage or elongation on washing (max)	4% or better	
9	Colour fastness to Light	4% or better	
10	Colour fastness to Washing	Change in colour 3 or better, Stain on Adjacent Fabric 3 or better	
11	Logo	जिला–हजारीबाग	स्वेटर की बांयी ओर 1"x1" आकार का लोगो होगा।
12	Size	For Children of Age Group between 03-04 Yrs, 04-05 Yrs & 05-06 yrs	तीन आयु वर्ग के बच्चों के लिए गर्म पोशाक की आपूर्ति की जानी है

निविदादाता मुहरबंद लिफाफे में निविदा जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, हजारीबाग के कार्यालय में दिनांक–31.08.2023 को 12:00बजे अपराह्न तक स्पीड पोस्ट/निबंधित डाक अथवा स्वयं या अपने प्रतिनिधि के माध्यम से जमा कर सकते है। निर्धारित तिथि एवं समय के उपरांत निविदा स्वीकार नहीं की जायेगी। प्राप्त निविदाओं को दिनांक–31.08.2023 को 03:00 बजे अपराह्न में अधोहस्ताक्षरी की अध्यक्षता में गठित जिला स्तरीय समिति के समक्ष निविदादाता अथवा उनके द्वारा प्राधिकृत प्रतिनिधि की उपस्थिति में खोला जायेगा।

निविदा से सम्बन्धित नियम एवं शर्तें हजारीबाग एन.आई.सी. केWebsite- www.hazaribag.nic.inसे Downloadकिया जा सकता है अथवा जिला समाज कल्याण कार्यालय, हजारीबाग से प्राप्त किया जा सकता है।

ह0/–
उपायुक्त, हजारीबाग।

PR 304545 (Women, Child Development & Social Security) 23-24 (D)

झारखण्ड सरकार
कारा निरीक्षणालय
मंडल कारा,चतरा

ई-निविदा सूचना

1. कारा का नाम – मंडल कारा, चतरा।
2. विषय – कारा में खाद्यान्नों, हरी सब्जियों, फल एवं अन्य विभिन्न सामग्रियों की आपूर्ति के निमित ई0 निविदा का आमंत्रण। (चतुर्थ त्रैमासिक ई0 निविदा दिनांक 01.10.2023 से 31.12.2023 तक)।
3. निविदा प्रपत्र का मूल्य (Non refunfable) राष्ट्रीयकृत बैंक से बैंक ड्राफ्ट के रूप में अधीक्षक, मंडल कारा, चतरा के पदनाम से होगा जो निम्न प्रकार है–
(i) रू0 10.00 लाख तक की सामग्रियों की आपूर्ति के निमित्त निविदा हेतु – रू0 2,500.00 (दो हजार पाँच सौ रूपये) मात्र।
(ii) रू0 10.00 से 50.00 लाख तक की सामग्रियों की आपूर्ति के निमित्त निविदा हेतु रू0 5,000.00 (पाँच हजार रूपये) मात्र।
(iii) रू0 50.00 लाख से ऊपर तक की सामाग्रियों की आपूर्ति के निमित्त निविदा हेतु रू0 10,000.00 (दस हजार रूपये) मात्र।
4. Website पर निविदा प्रपत्र के उपलब्धता की तिथि– 22.08.2023 के पूर्वाह्न 11:00 बजे से 29.08.2023 के अपराह्न 05:00 बजे तक।
5. निविदा जमा करने की तिथि 22.08.2023 के पूर्वाह्न 11:00 बजे से 29.08.2023 के अपराहन 05:00 बजे तक।
6. Tender Fee, EMD का Original Copy एवं उल्लेखित नमूना (Sample) दिनांक 30.08.2023 एवं 31.08.2023 को अपराह्न 05:00 बजे तक मंडल कारा, चतरा के कार्यालय में जमा करना होगा।
7. निविदा खुलने की तिथि/समय/स्थान– 01.09.2023 को पूर्वाह्न 11:00 बजे उप विकास आयुक्त, चतरा की उपस्थिति में उनके कार्यालय कक्ष में।
8. उपरोक्त संबंधित निविदा Website jharkhandtenders.gov.in पर e-Tender द्वारा ही प्राप्त/स्वीकृत किया जायेगा। पूर्ण जानकारी हेतु उपरोक्त Website पर प्राप्त किया जा सकता है।
9. अतिरिक्त सूचना प्राप्ति हेतु अधीक्षक मंडल कारा,चतरा के कार्यालय में कार्यालय अवधि में सम्पर्क स्थापित किया जा सकता है। e-Tender को online upload करने से संबंधित जानकारी के लिए Helpline No. 9430342752 से सम्पर्क किया जा सकता है।

अधीक्षक
मंडल कारा, चतरा

PR 304497 Home (23-24)_D

समाहरणालय, चतरा।
देवरी–डुमरी फिल्ड फायरिंग रेंज, चतरा झारखण्ड, अवधि विस्तार हेतु

The maneuvers, Field Firing and Artillery Practice Act, 1938 के Chapter II Field Firing and Artillery Practice Sec.-09 के तहत अधिसूचना।

देवरी–डुमरी फिल्ड फायरिंग रेंज, चतरा झारखण्ड को अगले 20 साल के लिए फिल्ड रेंज को दिया जाना है, जिनके अन्तर्गत निम्नलिखित गांव के जमीन से संबंधित है। रेंज के विस्तार हेतु दिनांक–22.08.2023 से 22.08.2043 (बीस वर्षो के लिए) अधिसूचना जारी की जा रही है, जिसका विवरणी निम्नांकित हैः–

1. अंचल कान्हाचट्टी अंतर्गत निम्नांकित मौजाः–पथेल, केंदुआ–सहोर, कुराग, गडिया, बनियावाद सिकीद, अमकुदर, टेमका, बेंगोकला, वेगोखुर्द, लारालुटुदाग, कसियाडीह मंझौलिया, करमौनी कन्दरी, सरैया, देशवरिया, जसपुर, मदारपुर, बभना, तुलबुल, अरमेदाग, बन्दा चिल्हिया दारीदाग, बैधबिगहा, भदुआ, डोका, करमा, पिपरा, इटवानी, कठौतिया, चिकोर, विन्धानी, मनगडा, बीरलुटुदाग, हेमरा लुटा, डुमरिया, कोटाप रमखेता, खापलवानी भंगकुरकुट्टा, छेवटा, डेबरा रोसना भगवानपुर कोल्हैया, राजपुर पुरनीचट्टी, लड़या प्राणपुर, धमधमा, बरवाडीह तिवारीटाड़, गेरी, सुकरी, रेहेदाग बजरा कैन्डीनगर मिश्रडीह डंगराडीह पाण्डेडीह पुरनो हेसाग नयकी हेसांग, चोरठ, कन्हाखुर्द, कपसा, सरगांव, सायल, कान्हाकला, कालिया नावाडीह, भतहा, सिन्दुरिया नावाडीह, चिरीदिरी, पोलपोल, नवडीहा, बूढीगडा, बडवार, मदगडा, हरहद, हउवाग, पकरी, चैनपुर, जमरीवक्सपुरा, वकौइया, आरूगडा, राजाचक, पेलतोल कला, पेलतौलखुर्द, हेसापारम डोडागडा, पंडाखाप, ढेबरो चारू, दुल्हा, बरवाडीह, वेदोली, तलिया नावाडीह, करनी, टटरा, कोईरियानावाडीह, शाशी पंचमहला, कुदरी, कुदर केवाल खास, मंझौलीकला, मझौली खुर्द, बाराबागी, मायापुर, डुमरी, कादे, कोसमाडीह, वकचुम्बा, विरेखाप, खिरगडा, सिमरिया।

2. अंचल चतरा अंतर्गत निम्नांकित मौजाः– जोरी, चरित्रा, सिंधु, होलमगड़ा, कडवानी, ब्रहपुर, बोखरा, आरा, अकौना, भयपुर, देवरिया, डहुरा, कच्चा, चेरूआ कच्चा, मोकतमा, कडिमा, तरोग, लुटुआ, आमुकातु, कारी, गेरी, संघरा, आरा, मरदनपुर, रूदकला, रूदखुर्द, होलमगडा कला, अटरिया, होलमगड़ा खुर्द, करमाटांड, मनातु, सरैया, लक्षणपुर, देवरिया, गंधरिया, पाण्डेपुरा, जांगी, उंटा, चौर, बैरियो, बचदाग, सेल, डाढा, सेहदा, गम्हारतरी, मोहनाडीह, रमना, असानीकला, अहुरी, असानीखुर्द।

3. अंचल ईटखोरी अंतर्गत निम्नांकित मौजाः– दनौत, बेलगडा, जबेर, कोनी, पचमों, पाण्डेखाप, हरदिया, राजाकेन्दुआ, केन्दूआ, बेहराचक, बन्धु, पुनौल, बैधडहभंगा, राजाडहरभंगा, पकरीया कला, विधिचक, मिरचक, खडौनी, कुम्हारी, मझगॉवा, बानाचक, गोसाईडिह, परसौनी, सौनिया, कनौदी, पकरीया खुर्द, सानपुरा, लोहरा, तुर्की, मडवा, बानाजॉग, केमो, कटुआ, खौराकला, चोरकारी, भदुली, गुरीयाटाण्ड, ईटखोरी ।।, भुरकुण्डा, टोनाटाण्ड, जुगुडिह, पितिज, पितिजी, गुल्ली, हुरनाली, चक्रवार, सालवे।

4. अंचल हण्टरगंज अंतर्गत निम्नांकित मौजाः– गोखना, केदलीकलां, बिहारी, पांती, उरैली, धरधरा, बहेरा, डुमरिया, भिखनाहु, खुटेहरा, दोनगिरी, पण्डरीखुर्द, सुग्गी, कारीडीह उर्फ मादा, पण्डरीकला, एकतारा, कोलवा, बेदौली, सेलवार, तिलहेत, गायघाट, कासडाबर, हटवरिया, गिद्धौर, नयनचक, प्रतापुर, कल्याणपुर, कटईया, धमनी, नोनियाचुवॉ, नावाडीह, बैजनाथपुर, राहरबार, डाहा, कोबना, सोखा, साही, बहेरी, कोबनी, चकलपुर, तेतरिया, परसिया, मझगावॉ, मुरार, तरवागडा, कन्दाबार, घंघरी, लोहसिंघना कलां, लोहसिंघना खुर्द, चन्द्रकाली, पचमहला, करमाली, पक्हा, करमाही, पहाडपुर, तशरजोरी, सलैया, धनगिरी, बंडातार, पोस्तिया, नरैनातरी, धोबे, डेमडेम, पैनीकलां, केतारबार, झगरतरी, परमाचक, पैनीखुर्द, नावाडीह, एड़ाबोंगा, बुढ़ीगढ़ा, मझगाँवा, कसियाडीह, एदला, राजगुरू, पहसवार, कुरखेता, करामो, कदलगोरी, सुरहुद, अम्बर, पण्डरकोला, कोलवा, बेलवाडीह, भुईयाँडीह, पुरनानगर, दन्तार, अम्बादोहर, गारा, पल्हा, पचमो, मनसाचक, कदवा, बनियाबाँध, खाबाबाध, लेढ़ो, कुसुम्भा, जुटहा, बनियाडीह, चिटुवा, कोल्हुआपहाड़, लुटा, कैडीमोह, बोंगवातरी, गुए, जोलडीहा, सहोतरा।

जिसका खाता मौजा, थाना सं0, प्लॉट संख्या, रकवा, भूमि के प्रकार, किस्म, जनसंख्या, फायरिंग रेंज से दूरी (कि0मी0 में) नीचे लिखे विस्तृत रूप से दर्शाया गया हैः–

चतरा जिलान्तर्गत देवरी–डुमरी फिल्ड फायरिंग रेंज (DDFFR) का अधिसूचना हेतु विवरणी :–

क्र0	जिला का नाम	अंचल का नाम	ग्राम का नाम	थाना सं0	खाता सं0	प्लॉट सं0	रकवा (एकड़ में)	भूमि का प्रकार	भूमि का किस्म	जनसंख्या			फायरिंग रेंज से दूरी (किमी0 में)
										महिला	पुरूष	कुल	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
276	चतरा	हण्टरगंज	धोबे	299	54	398	1190.99	रैयती, गै0 खास	–	258	268	526	देवरी–डुमरी फिल्ड फायरिंग रेंज से अंचल–हण्टरगंज अन्तर्गत सभी ग्रामों की दूरी लगभग 20–30 किलोमीटर
277	चतरा	हण्टरगंज	डेमडेम	300	33	394	526.21	रैयती, गै0 खास	–	290	295	585	
278	चतरा	हण्टरगंज	पैनीकला	301	78	867	1082.62	रैयती, गै0 खास	–	972	991	1963	
279	चतरा	हण्टरगंज	केतारीबार	302	122	205	379.35	रैयती, गै0 खास	–	418	414	832	
280	चतरा	हण्टरगंज	झगरतरी	303	110	101	179.56	रैयती, गै0 खास	–	154	151	305	
281	चतरा	हण्टरगंज	परमाचक	304	115	175	245.03	रैयती, गै0 खास	–	305	358	463	
282	चतरा	हण्टरगंज	पैनी खुर्द	305	39	16	129.85	रैयती, गै0 खास	–	85	99	184	
283	चतरा	हण्टरगंज	नावाडीह	306	46	232	204.82	रैयती, गै0 खास	–	389	404	793	
284	चतरा	हण्टरगंज	एडाबोंगा	307	15	27	217.59	रैयती, गै0 खास	–	37	38	75	
285	चतरा	हण्टरगंज	बुढ़ीगड़ा	308	37	154	154.9	रैयती, गै0 खास	–	171	173	344	
286	चतरा	हण्टरगंज	मंझगावां	309	34	87	119.29	रैयती, गै0 खास	–	58	74	132	
287	चतरा	हण्टरगंज	कसीयाडीह	310	55	309	912.73	रैयती, गै0 खास	–	328	362	690	
288	चतरा	हण्टरगंज	एदला	311	18	108	322.36	रैयती, गै0 खास	–	15	18	33	
289	चतरा	हण्टरगंज	राजगुरू	312	99	1406	1706.69	रैयती, गै0 खास	–	255	5262	517	
290	चतरा	हण्टरगंज	पहसवार	313	103	209	603.85	रैयती, गै0 खास	–	55	60	115	
291	चतरा	हण्टरगंज	कुरखेता	314	99	949	1798.45	रैयती, गै0 खास	–	422	379	801	
292	चतरा	हण्टरगंज	करामो	315	180	365	1167.51	रैयती, गै0 खास	–	73	68	141	
293	चतरा	हण्टरगंज	कदलगोरी	317	19	459	337.94	रैयती, गै0 खास	–	132	147	279	
294	चतरा	हण्टरगंज	सुरहुद	316	73	544	1003.99	रैयती, गै0 खास	–	200	209	409	
295	चतरा	हण्टरगंज	अम्बर	319	3	12	1084.11	रैयती, गै0 खास	–	उपलब्ध नहीं है।			
296	चतरा	हण्टरगंज	पण्डरकोला	320	74	274	1096.67	रैयती, गै0 खास	–	63	80	143	
297	चतरा	हण्टरगंज	कोलवा	321	70	171	697.95	रैयती, गै0 खास	–	66	80	146	
298	चतरा	हण्टरगंज	बेलवाडीह	322	46	111	174.08	रैयती, गै0 खास	–	25	26	51	
299	चतरा	हण्टरगंज	भुईयाडीह	323	30	45	18.48	रैयती, गै0 खास	–	81	89	170	
300	चतरा	हण्टरगंज	पुरना नगर	324	41	58	79.2	रैयती, गै0 खास	–	4	2	6	
301	चतरा	हण्टरगंज	दन्तार	325	110	538	141.05	रैयती, गै0 खास	–	1095	1175	2270	देवरी–डुमरी फिल्ड फायरिंग रेंज से अंचल–हण्टरगंज अन्तर्गत सभी ग्रामों की दूरी लगभग 20–30 किलोमीटर
302	चतरा	हण्टरगंज	अम्बादोहर	326	19	81	29.09	रैयती, गै0 खास	–	186	182	368	
303	चतरा	हण्टरगंज	गारा	327	18	18	81.86	रैयती, गै0 खास	–	63	68	131	
304	चतरा	हण्टरगंज	पलहा	328	2	10	78.62	रैयती, गै0 खास	–	112	99	211	
305	चतरा	हण्टरगंज	पचमो	329	6	18	30.91	रैयती, गै0 खास	–	28	28	56	
306	चतरा	हण्टरगंज	मनसाचक	330	16	44	35.48	रैयती, गै0 खास	–	24	30	54	
307	चतरा	हण्टरगंज	कदवा	331	12	54	145.46	रैयती, गै0 खास	–	174	114	388	
308	चतरा	हण्टरगंज	बनीयाबांध	332	34	129	208.42	रैयती, गै0 खास	–	133	151	284	
309	चतरा	हण्टरगंज	खावाबार	333	11	196	560.56	रैयती, गै0 खास	–	11	8	19	
310	चतरा	हण्टरगंज	लेड़हो	334	28	86	229.6	रैयती, गै0 खास	–	257	305	562	
311	चतरा	हण्टरगंज	कुसुम्हा	335	42	227	370.64	रैयती, गै0 खास	–	335	398	733	
312	चतरा	हण्टरगंज	जुटहा	336	92	155	295.41	रैयती, गै0 खास	–	30	27	57	
313	चतरा	हण्टरगंज	बनीयाडीह	337	63	142	654.56	रैयती, गै0 खास	–	94	111	205	
314	चतरा	हण्टरगंज	चिटुआ	338	2	7	150.01	रैयती, गै0 खास	–	उपलब्ध नहीं है।			
315	चतरा	हण्टरगंज	कोलहुआ पहाड़	339	1	35	1133.51	रैयती, गै0 खास	–	18	20	38	
316	चतरा	हण्टरगंज	लुटा	340	9	141	2225.12	रैयती, गै0 खास	–	111	127	238	
317	चतरा	हण्टरगंज	कैडीमोह	341	19	205	1765.25	रैयती, गै0 खास	–	86	85	171	
318	चतरा	हण्टरगंज	बोगवातरी	342	3	15	130.75	रैयती, गै0 खास	–	1	2	3	
319	चतरा	हण्टरगंज	गुए	343	19	267	1332.1	रैयती, गै0 खास	–	79	86	175	
320	चतरा	हण्टरगंज	जोलडीहा	344	197	2112	4036.81	रैयती, गै0 खास	–	654	714	1368	
321	चतरा	हण्टरगंज	सहोतरा	345	10	83	359.81	रैयती, गै0 खास	–	35	46	81	

उपायुक्त,चतरा।

PR 304438 Revenue(23-24)D

न्यूज रील्स

अहमदाबाद में सड़क हादसे में तीन बच्चों समेत 10 की मौत

अहमदाबाद। अहमदाबाद के बावला-बगोदरा हाइवे पर शुक्रवार सुबह एक टेंपो हाइवे पर खड़े ट्रक में पीछे से घुस गया। हादसे में 10 लोगों की मौत हो गयी, जबकि 10 लोग घायल हैं। मरने वालों में 5 महिलाएं और 3 बच्चे शामिल हैं। अहमदाबाद से 50 किलोमीटर दूर यह हादसा हुआ। जानकारी के मुताबिक सभी लोग चोटीला माता मंदिर से दर्शन कर लौट रहे थे, तभी टेंपो का टायर पंक्चर हो जाने के कारण दुर्घटना हुई।

सीएम स्टालिन की पत्नी ने सोने का मुकुट दान किया

गुरुवायूर। तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन की पत्नी दुर्गा स्टालिन ने केरल के गुरुवायूर में भगवान श्रीकृष्ण के मंदिर में सोने का मुकुट दान किया। इसकी कीमत 14 लाख रुपये है। यह मुकुट सोने के 32 सिक्कों से बना है। यह मुकुट उन्हें कोयंबटूर के एक व्यापारी ने दिया था। उन्होंने चंदन घिसने के लिए एक मशीन भी मंदिर को दान दी है।

एमसीएल ने ओड़िशा में स्वतंत्रता-पूर्व तालचेर भूमिगत कोयला खदान को पुनर्जीवित किया

- अगले 25 वर्षों में 8 मिलियन टन से अधिक कोयला उत्पादन करने का है लक्ष्य निर्धारित

आजाद सिपाही संवाददाता

संबलपुर। भारत सरकार के कोयला मंत्रालय द्वारा नयी कोयला वितरण नीति में संशोधन के आधार पर एमसीएल ने ओडिशा के अनगुल जिले में सन् 1928 में चालू हुई तालचेर कोलियरी से कोयला उत्पादन करने के लिए पुनः कमर कस ली है। कंपनी ने माइन डेवलपर कम ऑपरेटर मोड के तहत खनन कार्य करने हेतु टीएमसी मिनरल रिसोर्सेज प्राइवेट लिमिटेड को स्वीकृति पत्र ;स्व्द्ध जारी किया है, जो तालचेर भूमिगत खदान का पुनर्द्धार करेगा। उक्त खदान में अनुमानित 11 मिलियन टन का कोयले का भंडार है। कोयला खनन कार्य शुरू होने पर कोयला उत्पादन क्षमता में क्रमिक वृद्धि के साथ, परियोजना की शुरुआत के 5वें वर्ष से वार्षिक 3.6 लाख टन कोयला उत्पादन के उच्चतम उत्पादन स्तर तक पहुंचने का अनुमान किया जा रहा है।

बोर्ड और पिलर विधि का उपयोग करके विकसित की गयी यह 95 साल पुरानी भूमिगत खदान वर्ष 1928 से हैं जिसे मद्रास और दक्षिणी महाराटा रेलवे द्वारा शुरू किया गया था। अलग-अलग मालिकाना कंपनियों के अधीन रहने के बाद, 1992 में, तालचेर भूमिगत खदान को अंततः एमसीएल में स्थानांतरित कर दिया गया, जो अब कोल इंडिया की सबसे बड़ी कोयला उत्पादक अग्रणी सहायक कंपनी है।

एमसीएल के विभिन्न विभागों के 18 विषय-विशेषज्ञ अधिकारियों की एक टीम ने एमडीओ मोड के माध्यम से तालचेर भूमिगत खदान के पुनरुद्धार की योजना बनाने और निष्पादित करने के लिए 10 महीने से अधिक समय तक अनुबंध प्रबंधन विभाग, एमसीएल मुख्यालय के साथ मिलकर किया।

एमसीएल टीम को उनके द्वारा किए गए सफल पहल के लिए बधाई देते हुए, एमसीएल के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक ओपी सिंह ने कहा कि हम अपने विविध उपभोक्ताओं के लिए पर्याप्त मात्रा में कोयले की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं और तालचेर भूमिगत खदान से कोयला उत्पादन का पुनरारंभ से सार्थक योगदान मिलेगा।

कोयला खनन कार्य को प्रोत्साहित करने और देश के प्राकृतिक संसाधनों का कुशलतापूर्वक उपयोग करने के लिए भारत सरकार के प्रयासों के अनुरूप, तालचेर भूमिगत खदान का पुनर्द्धार कर कोयला उत्पादन करने में महत्वपूर्ण कदम उठाना वास्तव में सराहनीय कार्य है।

राजस्व-साझाकरण मॉडल के तहत एमसीएल और टीएमसी मिनरल रिसोर्सेज प्राइवेट लिमिटेड के बीच सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी), एक बेहतर और हरित भविष्य के लिए कोयला उत्पादन सुनिश्चित करते हुए आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए अग्रसर है। 25 साल लंबी इस व्यवस्था में लगभग शून्य प्रत्यक्ष निवेश के साथ तालचेर के सैकड़ों कुशल युवाओं के लिए इस एमडीओ परियोजना में नौकरी के अवसर पैदा करने के अलावा एमसीएल का लक्ष्य 111 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित करना है।

बैंक ऑफ इंडिया भुवनेश्वर आंचलिक कार्यालय की हास्य कविता पाठ प्रतियोगिता आयोजित

भुवनेश्वर (आजाद सिपाही)। बैंक नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के तत्वावधान में मंगलवार को बैंक ऑफ इंडिया भुवनेश्वर आंचलिक कार्यालय द्वारा हास्य कविता पाठ प्रतियोगिता आयोजित की गयी। इसमें सभी सदस्य बैंकों एवं बीमा कार्यलयों से 25 स्टाफ सदस्यों ने सहभागिता की। उक्त कार्यक्रम में उप आंचलिक प्रबंधक अशोक कुमार जेना ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया और उन्होंने कहा कि हिंदी हमारी राजभाषा है। हम सभी को अधिक से अधिक कामकाज हिंदी में करना चाहिए। निर्णायक मंडल में स्थानीय प्रधान कार्यालय स्टेट बैंक से संजीवनी सुधा स्वाईं प्रबंधक राजभाषा, नाबार्ड से श्राबंति दास, प्रबंधक राजभाषा एवं बैंक ऑफ इंडिया से वेद प्रकाश ओझा, मुख्य प्रबंधक सुरक्षा विभाग उपस्थित थे। विजेताओं को अंत में पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम का संचालन सोनिया सावंत वरिष्ठ प्रबंधक राजभाषा ने किया।

अतीक-अशरफ हत्याकांड में सुप्रीम कोर्ट सख्त

लखनऊ। यूपी में गैंगस्टर अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की हत्या के मामले में शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस रविंदर भट्ट और अरविंद कुमार की बेंच में सुनवाई हुई। हत्याकांड की जांच रिटायर्ड जज के नेतृत्व में कमेटी गठित कर कराये जाने की मांग कोर्ट में की गयी। कोर्ट ने सरकार चार सप्ताह में कई सवालों पर जवाब मांगा है।

लखनऊ में बेटा-बेटी को मारा, फिर मां ने खुद जान दी

लखनऊ। लखनऊ में शुक्रवार को एक महिला में अपने बेटा-बेटी की हत्या कर दी। इसके बाद उसने खुद फांसी लगाकर जान दे दी। पति होटल से घर लौटा, तो उसने पत्नी को आवाज लगायी। फिर दरवाजा खटखटाया। लेकिन जब कोई रिस्पॉन्स नहीं आया, तो उसने खिड़की से झांक कर कमरे में देखा। कमरे में फंदे पर शव लटक रहे थे। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गयी। मौके पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़कर शवों को बाहर निकाला। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

रूस ने लांच किया मून मिशन लूना-25

मॉस्को। रूस ने 47 साल बाद चांद पर अपना मिशन लूना-25 लांच कर दिया है। ये चांद के साउथ पोल पर उतरेगा। इस मिशन का मकसद चंद्रमा पर पानी की खोज करना है। 1976 के बाद रूस ने अब मून पर यान भेजा है। इसे अमूर ओब्लास्ट के वोस्तोनी कॉस्मोड्रोम से लांच किया गया।

कटक-पारादीप रेलवे खंड में कटक और कंदरपुर रेलवे स्टेशनों के बीच ऑटो-सिग्नलिंग, कई ट्रेनें प्रभावित होंगी

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। कटक-पारादीप रेलवे खंड में कटक और कंदरपुर रेलवे स्टेशनों के बीच ऑटो-सिग्नलिंग चालू करने के संबंध में सुरक्षा संबंधी आधुनिकीकरण कार्य के मद्देनजर, निरगुंडी-कटक-भुवनेश्वर रेलवे खंड में कुछ ट्रेन सेवाएं अस्थायी रूप से प्रभावित होंगी।

14 अगस्त तक दोनों दिशाओं से रद्द ट्रेनें : 18413/18414 पारादीप-पुरी-पारादीप एक्सप्रेस, 08413/08414 तालचेर-पुरी-तालचेर पैसेंजर स्पेशल, 08411/08412 बालेश्वर भूवनेश्वर बालेश्वर पैसेंजर स्पेशल, 08415/08416 जलेश्वर-पुरी-जलेश्वर पैसेंजर स्पेशल, 08555/08556 भद्रक-नयागड टाउन-भद्रक पैसेंजर स्पेशल, 08445/08446 कटक-पारादीप-कटक पैसेंजर स्पेशल, 08407/08408 कटक-पारादीप-कटक पैसेंजर स्पेशल, 08453/08454 भद्रक-कटक-भद्रक पैसेंजर स्पेशल।

कई ट्रेनें रद्द : 02838 पुरी-संतरागाछी एक्सप्रेस 12 अगस्त को पुरी से, 22810 विशाखापत्तनम-पारादीप एक्सप्रेस 13 अगस्त को विशाखापत्तनम से, 08011 भंजपुर (बारीपदा)-पुरी स्पेशल भंजपुर से 13 अगस्त को, 08012 पुरी-भंजपुर स्पेशल 13 अगस्त को पुरी से।

ट्रेनों का आंशिक रद्दीकरण: 08534/08533 पलासा-कटक-पलासा पैसेंजर स्पेशल 12 से 14 अगस्त तक दोनों दिशाओं से भुवनेश्वर न्यू और कटक के बीच रद्द रहेगी। 08422/08421 गुनुपुर-कटक-गुनुपुर पैसेंजर स्पेशल 12 से 14 अगस्त तक दोनों दिशाओं से भुवनेश्वर न्यू और कटक के बीच रद्द रहेगी। 12073/12074 हावड़ा-भुवनेश्वर-हावड़ा जनशताब्दी एक्सप्रेस 13 अगस्त को दोनों दिशाओं से खड़गपुर और हावड़ा के बीच रद्द रहेगी।

कटक को बायपास करते हुए नराज माथार्पुर के रास्ते ट्रेनों का मार्ग परिवर्तन और नराज माथार्पुर/कपिलास रोड स्टेशन पर ठहराव प्रदान करना : इसमें 12073/12074 हावड़ा-भुवनेश्वर-हावड़ा जनशताब्दी एक्सप्रेस 12 से 14 अगस्त तक दोनों दिशाओं से, 12277/12278 हावड़ा-पुरी-हावड़ा शताब्दी एक्सप्रेस 12 से 14 अगस्त तक दोनों दिशाओं से, 12821/12822 शालीमार-पुरी-शालीमार धौली एक्सप्रेस 12 से 14 अगस्त तक दोनों दिशाओं से, 12891/12892 बांगीरीपोसी-पुरी-बांगीरीपोसी एक्सप्रेस 12 से 14 अगस्त तक दोनों दिशाओं से, 18416/18415 बड़बिल-पुरी-बडबिल एक्सप्रेस 12 से 14 अगस्त तक दोनों दिशाओं से, 18126/18125 पुरी-राउरकेला-पुरी एक्सप्रेस 12 से 14 अगस्त तक दोनों दिशाओं से, 12802 नयी-दिल्ली-पुरी पुरूषोत्तम एक्सप्रेस 10 से 12 अगस्त तक नयी दिल्ली से, 12801 पुरी-नयी दिल्ली पुरुषोत्तम एक्सप्रेस 12 से 14 अगस्त तक पुरी से, 12837 हावड़ा-पुरी एक्सप्रेस 11 से 13 अगस्त तक हावड़ा से, 12838 पुरी-हावड़ा एक्सप्रेस 12 से 14 अगस्त तक पुरी से, 18117 राउरकेला-गुनूपुर राज्य रानी एक्सप्रेस 11 से 13 अगस्त तक राउरकेला से, 18118 गुनुपुर-राउरकेला राज्य रानी एक्सप्रेस 12 से 14 अगस्त तक गुनुपुर से, 18409 शालीमार-पुरी श्रीजगन्नाथ एक्सप्रेस 11 से 13 अगस्त तक शालीमार से, 18410 पुरी-शालीमार श्रीजगन्नाथ एक्सप्रेस 12 से 14 अगस्त तक पुरी से, 18426 दुर्ग-पुरी एक्सप्रेस 11 से 13 अगस्त तक दुर्ग से, 18425 पुरी-दुर्ग एक्सप्रेस 12 से 14 अगस्त तक पुरी से, 18451 हटिया-पुरी तपस्विनी एक्सप्रेस 11 से 13 अगस्त 2023 तक हटिया से, 18452 पुरी-हटिया तपस्विनी एक्सप्रेस 12 से 14 अगस्त तक पुरी से, 18478 ऋषिकेश-पुरी कलिंग उत्कल एक्सप्रेस 10 से 12 अगस्त तक ऋषिकेश से, 18477 पुरी-ऋषिकेश कलिंग उत्कल एक्सप्रेस 12 से 14 अगस्त तक पुरी से, 02831 धनबाद-भुवनेश्वर स्पेशल एक्सप्रेस 11 से 13 अगस्त तक धनबाद से, 02832 भुवनेश्वर-धनबाद स्पेशल एक्सप्रेस 12 से 14 अगस्त तक भुवनेश्वर से, 08440 पटना-पुरी स्पेशल 13 अगस्त को पटना से, 08439 पुरी-पटना स्पेशल दिनांक 12 अघस्त को पुरी से, 12876 आनंद विहार-पुरी नीलाचल एक्सप्रेस 11 और 13 अगस्त को आनंद विहार से, 20814 जोधपुर-पुरी एक्सप्रेस 12 अगस्त को जोधपुर से, 20815 टाटा-विशाखापत्तनम एक्सप्रेस 14 अगस्त को टाटा से, 12815 पुरी-आनंद विहार नंदनकानन एक्सप्रेस 12 और 14 अगस्त को पुरी से, 12880 भुवनेश्वर-एलटीटी एक्सप्रेस 14.08.2023 को भुवनेश्वर से, 12888 पुरी-शालीमार एक्सप्रेस 13 अगस्त को पुरी से, 18449 पुरी-पटना बैद्यनाथधाम एक्सप्रेस 14 अगस्त को पुरी से और 22890 पुरी-दीघा एक्सप्रेस 12 अगस्त को पुरी से शामिल है।

नाइजर में रह रहे भारतीयों को जल्द भारत लौटने की सलाह

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। भारत ने शुक्रवार को नाइजर में रहने वाले भारतीयों के लिए एडवाइजरी जारी की। भारत सरकार ने भारतीय को नाइजर छोड़ने की सलाह जारी की है। विदेश मंत्रालय ने बताया कि नाइजर में जारी संकट को देखते हुए ये सलाह जारी की गई है।

भारतीयों को नाइजर छोड़ने की सलाह : विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि भारत सरकार नाइजर में चल रहे घटनाक्रम पर बारीकी से नजर रख रही है। मौजूदा स्थिति के मद्देनजर, जिन भारतीय नागरिकों की उपस्थिति आवश्यक नहीं है, उन्हें जल्द से जल्द देश छोड़ने की सलाह दी जाती है।

सरकार ने अपने नागरिकों के लिए जारी की एडवाइजरी : अरिंदम बागची ने कहा कि उन्हें यह ध्यान में रखना चाहिए कि हवाई क्षेत्र वर्तमान में बंद है। सड़क (सीमा) के माध्यम से निकलते समय सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अत्यधिक सावधानी बरती जा सकती है। उन्होंने कहा कि जो लोग आने वाले दिनों में नाइजर जाने की सोच रहे हैं, उन्हें भी स्थिति सामान्य होने तक अपनी यात्रा योजनाओं पर पुनर्विचार करने की सलाह दी जाती है।

नाइजर में कब हुआ था तख्तापलट : बता दें कि नाइजर में 26 मई को तख्तापलट हुआ था। तख्तापलट के बाद राष्ट्रपति को हटाकर सेना ने शासन पर कब्जा जमा लिया था। इसके बाद राष्ट्रपति को हिरासत में ले लिया था। इसपर अमेरिका, यूरोप समेत संयुक्त राष्ट्र ने चिंता जतायी थी।

ऑनलाइन गेमिंग पर लगेगा 28 प्रतिशत जीएसटी, लोकसभा से पारित

नयी दिल्ली। लोकसभा से शुक्रवार को जीएसटी संशोधन विधेयक 2023 पारित हो गया है। अब ऑनलाइन गेमिंग, कसीनो और घुड़दौड़ पर 28 प्रतिशत जीएसटी लगाने का रास्ता साफ हो गया है। यह अधिनियम 1 अक्टूबर से लागू हो सकता है। इसके लागू होने के 6 महीने बाद समीक्षा की जायेगी।

हरियाणा हाइकोर्ट ने डब्ल्यूएफआइ चुनाव पर 28 अगस्त तक रोक लगायी

नयी दिल्ली। हरियाणा हाइकोर्ट ने भारतीय कुश्ती संघ (डब्ल्यूएफआइ) के चुनाव पर 28 अगस्त तक रोक लगा दी है। डब्ल्यूएफआइ का चुनाव 12 अगस्त को होना था। दरअसल, डब्ल्यूएफआइ के चुनाव को लेकर हरियाणा की दो रेसलिंग फेडरेशन के बीच कुछ दिनों से विवाद चल रहा था।

यूपी में सदन में बोलने से डरते हैं विधायक

लखनऊ। विधानसभा के मानसून सत्र में भाजपा के 23, सपा के 15 और अपना दल (एस) के एक विधायक ऐसे हैं, जिन्होंने कोई सवाल नहीं उठाया। स्पीकर सतीश महाना ने जब ऐसे 39 विधायकों की लिस्ट तैयार करके उन्हें बोलने का मौका दिया, तो 14 विधायक सदन में मौजूद नहीं रहे।

आजाद सिपाही की ओर से स्वत्वाधिकारी लैंडस्केप मीडिया प्रा. लि., प्रकाशक एवं मुद्रक हरिनारायण सिंह के लिए 176 कोकर चौक, ओल्ड एचबी रोड, रांची 834001 (झारखंड) से प्रकाशित तथा डीबी प्रिंट सोल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लिमिटेड), प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची से मुद्रित।
संपादक : हरिनारायण सिंह, **स्थानीय संपादक* :** विनोद कुमार, ***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, **राज्य समन्वय संपादक :** अजय शर्मा। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 9264434560, **R.N.I. No.-JHAHIN/2015/65109,** Postal Registration No. **RN/249/2019-21**